26 मई 2025 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार | वर्ष-31, अंक- 218, पृष्ठ-12 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

वट सावित्री की हार्दिक शुभकामनाएं

एक नजर

भीड़ में लगाएं मास्क, सतर्कता ही सुरक्षा : डॉ इरफान

रांची। देश में कोविड के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रविवार को कहा कि यह एक सामान्य स्थिति है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी स्थिति पर नजर रहे हुए है। डॉ अंसारी ने कहा, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनना जरूरी है। इससे न केवल कोविड, बल्कि अन्य बैक्टीरियल और वायरल संक्रमणों से भी बचाव होता है। उन्होंने कहा, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार, केंद्र सरकार द्वारा जारी होने वाली नई गाइडलाइंस का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि निर्देश मिलते ही राज्य सरकार तुरंत आवश्यक कदम उठाएगी। डॉ अंसारी ने कहा, लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है। झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क एवं तैयार हैं। नागरिकों से अपील है कि वे अफवाहों से दूर रहें, आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें और आवश्यक एहतियात बरतें।

रेलिंग और पत्थर के बीच फंसकर बच्चे की मौत

हाथरस (हि.स.)। एसडीएम कोर्ट के सामने बीएस पब्लिक स्कूल वाली गली में रहने वाले संजू गुप्ता के आठ वर्षीय बेटे केसरी की एक घटना के बाद दुखद मौत हो गई। केसरी का कुछ दिन पहले ही गुरुग्राम के वेदांता अस्पताल में हृदय का ऑपरेशन हुआ था। इस इलाज पर परिवार ने 30 लाख रुपए खर्च किए थे। डॉक्टरों ने बच्चे को गर्मी में बाहर न निकलने और खान-पान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी थी। घटना शाम के समय की है। केसरी ने पेशाब के लिए घर के पीछे जाने की बात कही।

बीज दिवस पर राज्य में बीज वितरण का हुआ शुभारंभ

किसान जागरूक होंगे, तो खत्म होंगे बिचौलिए : मंत्री

- किसानों से किए गए वादे के प्रति सजग है राज्य सरकार
- छोटे बदलाव से संभव है विकसित झारखंड का निर्माण

नवीन मेल डेस्क

रांची। बीज दिवस पर रविवार से झारखंड में एक बार फिर बीज वितरण की शुरुआत हो गई। कृषि निदेशालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों के बीच बीज वितरण का शुभारंभ किया। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में खरीफ फसल के बीज वितरण का लक्ष्य 80 हजार क्विंटल रखा है। ये आंकड़ा पिछले दो वित्तीय वर्ष से दोगुना है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से किए गए वादे के प्रति सजग है। यही वजह है कि बीज दिवस के दिन से ही राज्य भर में बीज वितरण की शुरुआत कर दी गई है। कमजोर राज्यों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए ज्यादा काम करना जरूरी है। झारखंड भी इसी रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। अगर किसान विभाग की योजनाओं प्रति जागरूक होंगे, तो राज्य से बिचौलिए खत्म हो जाएंगे। ऐसा किसानों की जागरूकता और उनकी सूझबूझ से ही संभव है।

कृषि मंत्री ने कहा कि विभाग किसानों को 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक अनुदान पर बीज उपलब्ध करवा रहा है। लेकिन, इसका लाभ लेने के लिए समय पर सही जानकारी और प्रक्रिया को अपनाना होगा। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक किसानों से योजनाओं का फीडबैक ले रही है, ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। राज्य में छोटे बदलाव से विकसित झारखंड का निर्माण संभव है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि फसल के पटवन के लिए विभाग ने नदी पर 'बिरसा पक्का चेक डैम योजना' की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। विभाग किसानों के अनुरूप योजना को रूप देना चाहती है। किसान जागरूक बनें और गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक विभाग की योजनाओं की जानकारी साझा करें, यह जरूरी है। ऐसा करके झारखंड के किसान भी केरल और महाराष्ट्र की तरह खुद को कृषि के क्षेत्र में सफल साबित कर सकते है। मंत्री ने कहा कि आज किसानों को आधुनिकता के दौर में विज्ञान और ज्ञान को अपनाना होगा। कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक से फसल की पैदावार में **शेष पेज 11 पर...**

बीज खरीद में अपना ओटीपी भूल से भी दूसरे व्यक्ति से साझा ना करें

बीज वितरण कार्यक्रम में विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि भूल से भी बीज खरीद के लिए अपना ओटीपी किसी दूसरे से साझा ना करें। एक भूल से आप खुद का नुकसान कर सकते है। बीज वितरण के लिए प्रखंड स्तर पर मॉनीटरिंग टीम का गठन किया गया है। इतना ही नहीं, ब्लॉक चेन सिस्टम को भी विभाग ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर बीज उपलब्ध कराना है।

किसानों की बेहतरी है हेमंत सोरेन सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसानों की बेहतरी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। हेमंत सोरेन सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग के लिए 4 हजार 587 करोड़ 66 लाख 24 हजार रुपए प्रस्तावित किए हैं। साथ ही, राज्य सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाएं भी शुरू की हैं।

लोहरदगा में भीषण सड़क हादसा तीन की मौत, आधा दर्जन गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

कुडू/लोहरदगा। कुडू-चंदवा एनएच-75 पर रविवार को लोहरदगा-लातेहार सीमा पर स्थित सेन्हा ढलान फुटबॉल मैदान के पास भीषण सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो व्यक्ति की मौत इलाज के दौरान हो गई। आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से तीन की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लेस्लीगंज (पलामू) से रांची जा रही कार की टक्कर पहले एक अनियंत्रित कार से हुई। फिर असंतुलित कार सामने से आ रहे 407 कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में कार में सवार शांति देवी, बबिता देवी, मनोज कुमार वर्मा की मौत हो गई। अन्य यात्री जिनमें पुरुष, महिलाएं और किशोरियां शामिल हैं सभी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अधिकांश घायलों की पहचान नहीं हो सकी है, क्योंकि सभी अचेत अवस्था में थे और नाम-पता बताने की स्थिति में नहीं थे। केवल एक घायल की पहचान राकेश रौशन (पुत्र हरिहर महतो, उम्र 42 वर्ष, लेस्लीगंज) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को कुडू सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस हादसे के बीच एक चमत्कार भी देखने को मिला कार में सवार लगभग एक वर्षीय बालक पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। घटना ने एक बार फिर 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय' की कहावत को चरितार्थ कर दिया।

कोकर में फर्नीचर दुकान में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

- शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, कोई हताहत नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में सदर थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित एक फर्नीचर दुकान एवं गोदाम में रविवार को अचानक आग लग गई। इस अगलगी में दुकान में रखे हुए फर्नीचर के लगभग सभी स्टॉक जल कर राख हो गए। आग कैसे लगी, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। इस अगलगी में लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार होने की वजह से दुकान पूरी तरह बंद थी। आसपास कुछ लोग अपने-अपने कामों में लगे थे, तभी अचानक दुकान से धुआं निकलने लगा। थोड़ी ही देर में आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, तब जाकर लोगों को पता चला कि दुकान में आग लग गई है। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक आग चारों तरफ फैल गई। आग की लपटों ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना पर सदर थाने की टीम सबसे पहले मौके पर पहुंची। उसके बाद दमकल के कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। देर शाम तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर लगभग काबू पा लिया गया था। इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार के अनुसार, आग पर करीब-करीब काबू पा लिया गया है। अगलगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम मोदी ने कहा

'ऑपरेशन सिंदूर' है बदलते भारत के संकल्प की तस्वीर

- साहसिक योगदान से संभव हुआ माओवादी क्षेत्र में विकास का नया अध्याय
- 'स्काई वॉरियर्स' हैं ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करने वाली ग्रामीण महिलाएं
- विशाखापट्टनम में योग दिवस से जुड़े मुख्य आयोजन में लेंगे भाग
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 26 नए रिकॉर्ड बने, जो खेलता है, वही खिलता है

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई कर हर भारतीय को गौरव से भर दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि बदलते भारत की ताकत, संकल्प और 'आत्मनिर्भर भारत' की तस्वीर भी है। प्रधानमंत्री ने माओवादी क्षेत्र में हो रहे विकास और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भी अपने मन की बात रखी। उन्होंने बताया कि वह इस बार विशाखापट्टनम में योग दिवस से जुड़े मुख्य आयोजन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 122वें एपिसोड की शुरुआत 'ऑपरेशन सिंदूर' से करते हुए मिशन में उपयोग में लाई गई देश की तकनीकी ताकत और घरेलू निर्माण क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इसे लेकर जोश देखा गया, तिरंगा यात्राएं, कविताएं, चित्रकला और नवजात शिशुओं को 'सिंदूर' नाम देने की परंपरा तक शुरू हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने माओवादी क्षेत्र में विकास की नई बयार का उल्लेख किया और कुछ उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि माओवादी क्षेत्रों में सामान्य जीवन और विकास का यह नया अध्याय समाज के साहसिक योगदान से संभव हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के काटेझरी गांव का उदाहरण दिया, जहां पहली बार बस सेवा शुरू हुई। यह माओवादी हिंसा से मुक्त **शेष पेज 11 पर...**

पहली बार झारखंड दौरे पर आए लोकसभा अध्यक्ष, बिरसा मुंडा को किया नमन, कहा

जनजातीय समुदाय की प्रगति के साथ विकास की राह पर झारखंड

- धरती आबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

नवीन मेल डेस्क

रांची। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पहली बार झारखंड दौरे पर रविवार को रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सहित कई भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने बिरसा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और बिरसा मुंडा संग्रहालय जाकर धरती आबा की स्मृतियों का अवलोकन भी किया।

ओम बिरला ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को मैं प्रणाम करता हूं। ये धरती जनजातीय समुदाय की संस्कृति है। बिरसा मुंडा ने जनजातीय समुदाय, जंगल-जमीन, आदिवासी की संस्कृति को बचाने के लिए उन्होंने एक लंबी लड़ाई लड़ी। उनके इस संघर्ष से ही आज जनजातीय समाज को सम्मान मिलता है। झारखंड जनजातीय समुदाय की प्रगति के साथ विकास की ओर भी आगे बढ़ रहा है।

भारत बनेगा औद्योगिक महाशक्ति : ओम बिरला

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित लोयोला स्कूल के फेसी ऑडिटोरियम में रविवार को सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के प्लेटिनम जुबली समारोह का भव्य आयोजन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला थे। इस मौके पर देश के विकास, उद्योग जगत की भूमिका और आतंकवाद पर भारत की नीति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत अब तकनीकी, अनुसंधान और उद्योगों के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। हम सहयोगी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आ रहे हैं। उन्होंने भारत को 'अवसरों की धरती' बताते हुए कहा कि उद्योग हितैषी नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रुख को दोहराया और कहा कि देश अब किसी भी आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। जिस तरह सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की, उससे स्पष्ट हो गया कि भारत केवल अपनी रक्षा नहीं करेगा, बल्कि दुनिया के अंदर जो आतंकवाद है, उस आतंकवाद को समाप्त करने के लिए नई नीति और नई कार्य योजना से काम करेगा।

लालू प्रसाद ने बड़े बेटे तेज प्रताप को पार्टी से निकाला

- राजद प्रमुख ने कहा, परिवार में भी कोई भूमिका नहीं रहेगी

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने रविवार को अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए यह जानकारी सार्वजनिक की है। लालू प्रसाद ने बताया कि ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी और छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतः उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। उन्होंने आगे लिखा, अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे, वे स्वविवेक से निर्णय लें। लोक जीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार **शेष पेज 11 पर...**

इंडिया

जिसने कोई जहरीला बयान नहीं दिया आगे आए

नियमों और कानूनी बंधनों या जिम्मेदारी से बंधे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अवसान की खबरों के बीच बिना एडिटिंग बिना जिम्मेदारी के सबसे तेज 'समाचार' सोशल मीडिया में अपढ़,अनपढ़ और एकतरफा तथ्यों से प्रभावित लोगों से लेकर सुविधाभोगी पढ़े लिखे लोगों तक पहुंच रहे हैं जिससे कई विकासशील बर्बाद होने के बाद अब भारत में सूचना क्रांति लाई जा रही है।हमें वर्जित फल की तरह चटपटे प्रसंग मिल रहे हैं जिसमें कौन सच है और कौन एआई से बना ट्रंप के नारियल बेचने वाले फर्जी वीडियो की तरह जाली जानना आसान नहीं पर सभी के बीच महिलाओं से लेकर राष्ट्रपति राज्यपाल तक के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने वाले नेताओं के बयानों के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर आपत्तिजनक बयान दिए जाने को खूब प्रचारित किया जा रहा है क्या हम लोग मुलायम सिंह यादव और लालू राबड़ी देवी के भूल गए या बिहार के एक नेता का शर्मनाक बयान जो उन्होंने कारगिल युद्ध के शहीद पर दिया था? ये बड़बोले और बददिमाग नेता किसी भी पार्टी के हों कानून से ऊपर नहीं इन्हें दंडित करना सर्जिकल स्ट्राइक की तरह आवश्यक है। एक प्रसिद्ध सोवियत कहावत है 'आप मुझे चेहरा दिखाओ, मैं आपको कानून दिखा दूंगा', तो यह भारत में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' से संबंधित घटनाक्रम पर पूर्णतः सटीक बैठेगी। अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद और मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह-दोनों ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर अपमानजनक बयान दिए। परंतु विरोध का स्वर एकसमान नहीं है, जो गुट विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग कर रहा है, वही अली के पक्ष में खड़ा है। यही दोहरापन 2022 में नूपुर शर्मा के मामले में भी सामने आया था। वास्तव में, इस कथित उदारवादी बुद्धिजीवी वर्ग की निष्ठा 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' या लोकतांत्रिक मूल्यों से नहीं, बल्कि अपनी वैचारिक निष्ठा से निर्देशित होती है। इनके लिए अपराध या नैतिकता व्यक्ति की मजहबी, जातिगत और राजनीतिक पहचान से तय होती है-न कि आरोपी के कृत्य से। विजय शाह का इस्तीफा मांगने वाले कांग्रेसी प्रवक्ता पवन खेड़ा के लिए अली का विवादित पोस्ट 'विचारशील' है। उनके अनुसार, 'अली की एकमात्र गलती यह है कि उन्होंने यह पोस्ट लिखी दूसरी गलती उनका नाम है।' यहां खेड़ा अली के मुस्लिम होने का संकेत दे रहे हैं। क्या यह सच नहीं कि कांग्रेस, वामपंथी, तृणमूल और अन्य कई स्वघोषित बुद्धिजीवी अली का समर्थन केवल उनकी मजहबी पहचान के कारण ही कर रहे हैं? उनका 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' से कोई भी सरोकार अपने राजनीतिक हितों और विचारधारा की सेवा का एक आवरण मात्र है।अली खान महमूदाबाद, विजय शाह और नूपुर शर्मा-तीनों का उनकी पहचान के आधार पर समर्थन या विरोध हो रहा है। अली खान सामंतवादी जागीरदार परिवार से हैं। इसके बावजूद वह 'समाजवादी' हैं। वर्ष 2019-22 के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रह चुके हैं। दो दशक पहले उनके परिवार की संपत्ति 50 हजार करोड़ रुपए आंकी गई थी। इस खानदान के कई राजनीतिक-वैचारिक अवतार रहे हैं। अली के पिता मोहम्मद अमीर मोहम्मद खान दो बार उत्तर प्रदेश से कांग्रेस के विधायक थे। महमूदाबाद परिवार की जड़ें भारत में हैं, परंतु उनका पाकिस्तान से प्रेम भी गहरा है। अली के दादा मोहम्मद अमीर अहमद खान मुस्लिम लीग के प्रमुख सदस्य, खजांची और मोहम्मद अली जिन्ना के करीबी थे। विभाजन के बाद उन्होंने पाकिस्तान की नागरिकता स्वीकारी। अली के परदादा मोहम्मद अली मोहम्मद खान उस अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पहले कुलपति थे, जिसने भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण में महती भूमिका निभाई। आज इस वंश के लख्त-ए-जिगर अली हरियाणा स्थित अशोका विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं, जबकि उनके पूर्वजों के पाकिस्तान आंदोलन में योगदान के कारण कराची में एक क्षेत्र का नाम 'महमूदाबाद' रखा गया है, और उनके सम्मान में पाकिस्तान द्वारा 1990 में एक डाक टिकट भी जारी किया जा चुका है। राजनीतिक लोकाचार की भाषा में महमूदाबाद परिवार को 'सेकुलर' कह सकते हैं।कुंवर विजय शाह की पहचान क्या है, जो अपने बड़बोलेपन के कारण संकट में हैं। वह 1990 से लगातार आठ बार के विधायक हैं। राजगोंड आदिवासी समाज से आते हैं। चूंकि कुंवर विजय भाजपा से हैं, इसलिए वह एक राजनीतिक-वैचारिक वर्ग (कांग्रेस-वामपंथी सहित) के लिए घोषित 'सांप्रदायिक' हैं और उनकी एक भी गलती 'माफी' योग्य नहीं है। नूपुर शर्मा की पहचान भी कमोबेश यही है और उनका मामला इस पक्षपात को और अधिक स्पष्ट करता है। निष्कासन से पहले वह भी भाजपा की मुखर सदस्य थीं। मई 2022 में एक न्यूज चैनल की बहस में नूपुर ने उकसावे पर उन्हीं बातों को दोहराया, जिसका उल्लेख अक्सर मुल्ला-मौलवी और जाकिर नाइक जैसे विवादित इस्लामी विद्वान अपनी तकरीरों में करते हैं। फिर भी नूपुर को सांप्रदायिक घोषित कर दिया गया। कई खाड़ी-मध्यपूर्व देशों में भारत-विरोधी प्रस्ताव पारित हुए। इस्लामी संगठनों ने नूपुर के खिलाफ फतवे जारी कर दिए। देश में मजहबी उन्माद की लहर दौड़ गई। तब सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें देश के कुछ क्षेत्रों में फैली अराजकता, यहां तक कि उदयपुर में एक नूपुर समर्थक दर्जी की दो जिहादियों द्वारा निर्मम हत्या के लिए भी 'एकमात्र जिम्मेदार' ठहरा दिया। आज भी नूपुर अपनी जान बचाने हेतु सुरक्षाबलों के साए में भूमिगत जीवन जीने को विवश हैं। सितंबर, 2023 में तमिलनाडु सरकार में तत्कालीन मंत्री और द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने 'सनातन धर्म' को डेंगू व मलेरिया जैसा बताते हुए इसके 'समूल विनाश' की बात कही थी। यह कोई भावावेश में दिया गया वक्तव्य नहीं था, बल्कि पूर्वनियोजित व लिखित भाषण था। अदालत ने इसे 'सांविधानिक सिद्धांतों के खिलाफ' बताया।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

साहिबगंज पुलिस लाइन में कांस्टेबल की हत्या

साहिबगंज। साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन में बैरक के पास कांस्टेबल सुरजीत यादव का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया। उनके शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान थे। एक हाथ में फ्रैक्चर है। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि किसी रंजिश में उनकी हत्या की गई है। परिवार के लोगों ने भी हत्या की आशंका जताई है। मामले में पुलिस ने संदेह के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। सदर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रविवार को एक पुलिसकर्मी ने शव देखा, तो वरीय अधिकारियों और जिरवाबाड़ी थाने को इसकी सूचना दी। जिस बैरक के पास शव मिला है, वहां पंकज यादव नामक कांस्टेबल अपने परिवार के साथ रहता है। पुलिस उसके परिवारजनों से भी पूछताछ कर रही है। सुरजीत यादव की पत्नी का कहना है कि वह शनिवार की शाम एक साथी कांस्टेबल के साथ घर से निकले थे, लेकिन रात में नहीं लौटे।

भू-मापक सर्वे प्रशिक्षण का पढ़ाई हुआ चालू

पांडू। प्रखंड अंतर्गत पंचायत सचिवालय परिसर में भू-मापक(अमीन) सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम का पढ़ाई 18मई से हो रहा है, जिसमें लगभग दो महीने तक लगातार पढ़ाई चालू रहेगी। प्रत्येक रविवार को सुबह आठ से 11बजे तक पढ़ाई कराया जाता है, जो रविवार को दूसरा क्लास पूर्ण हुआ। इसमें पांडू प्रखंड से अधिक प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए है। विश्रामपुर प्रखण्ड से तीन और हुसैनाबाद से दो परीक्षार्थी शामिल हुए हैं। कुछ दिन पहले झारखंड सरकार के नव भारत ससंस्थान द्वारा संचालित रोजगार युक्त शिक्षा के लिए भू-मापक (अमीन) सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा दो महीने का प्रशिक्षण में आत्म निर्भर शिक्षा युक्त रोजगार सृजन करना हैं।

पांकी अंचल कार्यालय परिसर से हटे अवैध कब्जे, आधा दर्जन से अधिक दुकानें हटाई गई

नोटिस के बावजूद नहीं हटे थे दुकानदार, अंचलाधिकारी के नेतृत्व में चला प्रशासनिक बुलडोजर

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। अंचल प्रशासन की सख्ती के बाद पांकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में रविवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह के नेतृत्व में अंचल निरीक्षक, दंडाधिकारी और पांकी थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से अधिक अवैध रूप से चल रही दुकानों को हटाया। अंचल कार्यालय परिसर की चाहरदीवारी के भीतर कई वर्षों से दुकानें संचालित हो रही थीं, जिससे सरकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही थी और परिसर की गरिमा भी प्रभावित हो रही थी। इस पर संज्ञान लेते हुए अंचल प्रशासन ने पूर्व में कई बार दुकानदारों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन दुकानदारों द्वारा लगातार अनदेखी की जाती रही। अंततः शनिवार को सभी दुकानदारों को 12 घंटे की अंतिम चेतावनी दी गई कि वे स्वयं से दुकानें हटा लें अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। रविवार को निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और अभियान चलाकर सभी अवैध दुकानों को हटवा दिया। अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह ने कहा कि सरकारी परिसर की जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई विधिसम्मत तरीके से की गई है और आगे भी ऐसे अतिक्रमणकारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पांकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय क्षेत्र को सुव्यवस्थित और स्वच्छ बनाना प्राथमिकता है, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। इस कार्रवाई से अंचल परिसर को खुला और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन की इस पहल की सराहना की है।

भंडारा व भजन संध्या के साथ शिवमंदिर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान की पूर्णाहुति

नवीन मेल संवादाता

मोहम्मदगंज। कोल्हुआ-सोनबरसा पंचायत अंतर्गत सहार विहरा गांव में शिवमंदिर के प्राणप्रतिष्ठा को लेकर आयोजित 6 दिवसीय (19-24) धार्मिक अनुष्ठान शनिवार की रात्रि में भजन गायन के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान 20-22 मई तक दिवाकाल में पूजा-पाठ और संध्याकाल से रात्रि 9 बजे तक नियमित रूप से गोरखपुर (उतरप्रदेश) के कथा वाचक बैकुण्ठ नाथ स्वामी ने श्रीराम कथा की प्रस्तुतिकरण किया। इसमें काफी संख्या में भक्तों की आस्था उमड़ती रही। कथा वाचक ने श्रीराम की कथा को प्रस्तुत करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कथावाचक ने इस दौरान श्रीराम के आदर्श, चरित्र और जीवन के मूल्यों से साक्षात्कार कराते इससे प्रेरणा लेकर प्रेम,समर्पण, कर्त्तव्य, न्याय और मानव मूल्यों की रक्षा करने का संदेश दिया। सोमवार को जलयात्रा के बाद 23 मई को भी आचार्य उपेन्द्र नाथ शुक्ला, जगद्गुरू गोविंदाचार्य और विष्णुचित्त स्वामी ने मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान को विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया। जबकि 24 मई को भंडारा का आयोजन किया गया। आचार्य और विद्वानों को विदाई दी गई। वहीं, भजन संध्या में भोजपुरी लोकगायक टिंकू टाईगर एवं खुशबू सिंह ने एक से बढ़कर एक भजन व गीतों को प्रस्तुत कर श्रोताओं का दिल जीत लिया। इस मौके पर पूर्व मुखिया प्रमेन्द्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि प्रशांत कुमार सिंह, मनजी शर्मा, राजेश शर्मा, सीजेएम गोड्डा एसबी शर्मा, भारतीय खादी कालीन निर्यात बोर्ड के चेयरमैन संजय शर्मा सहित अन्य कई आगत अतिथियों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। इसके साथ इस धार्मिक आयोजन की पूणार्हूति हो गई। संपूर्ण धार्मिक कार्यक्रम भारत के महान मनीषी सनातन धर्मावलंबियों के पूज्य गुरुदेव त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य पूज्य श्री लक्ष्मीप्रप्पन्न जीयर स्वामी जी महाराज के मार्गदर्शन संपन्न हुआ।

निरीक्षण भवन के कायाकल्प को लेकर डीपीआर तैयार करने के निर्णय से दिन बहुरने की उम्मीद जगी

मोहम्मदगंज। भीमबराज और मुख्य नहर निर्माण के प्रारंभिक चरण में भौंराहा पर्वत के मध्य में बनाए गए (अब खंडहर) निरीक्षण भवन के दिन बहुरने का आसार बढ गया है। इसकी दयनीय को देखते हुए पहले सांसद वीडी राम का इसके कायाकल्प कराने की दिशा में पहल की बात सामने आई थी। अब जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में इसे लेकर डीपीआर तैयार करने का निर्णय लिया जाने से इसके दिन बहुरने की उम्मीद को बल मिल गया है। लोगों का कहना है कि इसके कायाकल्प से दिन बहुरने के साथ इसके गौरवशाली अतीत की पुनर्स्थापना होगी। पर्यटक स्थल भीमचूल्हा में सैलानियों की आयद बढ जाएगी। उन्हें बेहतर सुविधापूर्ण विश्राम और नयनाभिराम प्राकृतिक सौंदर्य के अवलोकन करने जरूरत पूरी होगी। जानकर बताते हैं कि जब यह पर्वतीय निरीक्षण भवन बना था, तब मंत्री, विधायक और शीर्ष स्तर के अभियंताओं के विश्राम की पसंदीदा जगह थी।

दिव्य सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर बैठक हुई

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। रविवार को बिहार - झारखंड सीमा स्थित माता गजनेश्वरी धाम के मीटिंग हॉल में गजना धाम न्यास समिति, दिव्य एवं भव्य सूर्य मंदिर निर्माण समिति की बैठक हुई। बैठक में झारखंड के हुसैनाबाद प्रखंड एवं बिहार के नवीनगर प्रखंड के त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि एवं विभिन्न राजनीतिक पार्टी के वरिष्ठ नेता ,पैक्स अध्यक्ष, व्यापारमंडल अध्यक्ष एवं पूर्व नगर अध्यक्ष ,पूर्व मुखिया गण और गणमान्य बुद्धिजीवी शामिल हुए। अध्यक्षता गजना धाम के महंत श्री श्री 108 अवध बिहारी दास जी ने की। संचालन गजना धाम न्यास समिति के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से मंदिर की सुंदरता और भव्यता पर चर्चा की गई। सभी ने दिव्य एवं भव्य सूर्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया। इसके लिए अधिक से अधिक धन की व्यवस्था करने में सहयोग का सभी ने भरोसा दिया। मौके पर हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार, भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार सिंह, भाजपा नेता ,पूर्व मुखिया रामप्रवेश सिंह,पूर्व मुखिया अभय कुमार सिंह उर्फ टूना सिंह,समाजसेवी सह शिक्षक राजकुमार रजक, मुखिया अमरेंद्र ठाकुर, प्रशांत कुमार सिंह, श्रवण राम ,अशोक यादव ,रामलखन यादव, बिमलेश पासवान,भृगुनाथ सिंह ,शिवलोक सिंह ,भारत पासवान ,अशोक सिंह, चंचला देवी, शंभू पाण्डेय, रामराज पासवान सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

काशीसोत डैम को पर्यटक स्थल घोषित करने का अब तक सकारात्मक परिणाम नहीं मिला, निराशा

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। काशीसोत डैम को भी पर्यटन स्थल घोषित करने की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है। इस दृष्टिकोण से इसे विकसित करने की योजना पर काम शुरू किया गया था। इसके लिए पर्यटन विभाग की टीम ने करीब 10 माह पहले स्थलीय मुआयना कर सौंदर्यीकरण और विकास के विभिन्न कार्यों को लेकर मापी के बाद प्रारुप व प्राक्कलन बनाने का संकेत दिया था। बताया जाता है कि पहाड़ों और रमणीक वन के बीच स्थित काशीसोत डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन विशेषज्ञ सुशील द्विवेदी ने मुआयना किया था। तब डैम स्थल पर पहुंच पथ, पेयजल सुविधा युक्त रिफ्रेशमेंट रुम, सोलर लाइटिंग, चेयर सीटर बोटिंग सहित अन्य जरूरी सुविधाओं को लेकर काम कराने का आग्रह जिला कांग्रेस सहकारिता विभाग के तत्कालीन चेयरमैन और अब युवा कांग्रेस सोशल मीडिया सेल के स्टेट कॉडिनेटर अभियंता राहुल कुमार सिंह ने उनसे किया था। जिस पर काम कराने की बात विभागीय टीम ने कही थी। इस संबंध में अपडेट देते हुए उन्होंने बताया कि काशीस्त्रोत डैम को पर्यटक स्थल घोषित करने और इसके सौंदर्यीकरण और विकास के लिए डीपीआर तैयार कर विभाग प्रस्तुत किया गया। इस पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर वे प्रयास कर रहे हैं। जल्द ही इसका सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा।

सैलानियों की पसंदीदा स्थल है काशीसोत डैम

बताया जाता है कि डैम के बनने के बाद से ही पिकनिक टाइम पर यह स्थल पहले आसपास और अब बाहर के सैलानियों की पसंदीदा स्पॉट बना हुआ है। इसके नयनाभिराम प्राकृतिक सौंदर्य बरबस सैलानियों को आकर्षित करते हैं। हथीदह नामक इस क्षेत्र में अब सचमुच में हाथी के डुब के बराबर जल भंडारण रहता है। मत्स्य पालन को लेकर भी बड़े केंद्र के रूप में इस डैम की अलग पहचान बन गई है। सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व मुखिया पंचम खान, उपमुखिया नीलेश्वर कुमार सिंह और मुखिया प्रतिनिधि उदय कुमार सिंह ने इस डैम को पर्यटक स्थल घोषित और विकसित करने की जरूरत बल पर दिया है। उन्होंने इसके डीपीआर को स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है।

निःसंतान दंपतियों के लिए लगा निःशुल्क परामर्श शिविर

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला-नवीनगर रोड स्थित न्यू वनांचल हॉस्पिटल परिसर में रविवार को निःसंतान दंपतियों के लिए सीड्स ऑफ इनोसेंस आईवीएफ एवम टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर रांची के द्वारा निशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. करुणा निधि ने दंपतियों को निःशुल्क परामर्श प्रदान किया। डॉक्टर करुणा निधि ने टेस्ट ट्यूब बेबी पद्धति के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि यह पद्धति निःसंतान दंपतियों के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान है। खासतौर पर जिन महिलाओं के अंडे नहीं बनते, उम्रदराज महिलाओं के लिए, जिनकी ट्यूब ब्लॉक हो, माहवारी बंद हो गई हो, बच्चेदानी में टीबी या गांठ हो, या सामान्य रिपोर्ट के बावजूद संतान सुख नहीं मिल पा रहा हो, उनके लिए यह एक सफल उपाय हो सकता है। इसके अलावा, जिन पुरुषों के वीर्य में शुक्राणु की कमी हो या जिनका शुक्राणु बिलकुल नहीं हो, उनके लिए भी आईवीएफ तकनीक के द्वारा संतान सुख प्राप्त किया जा सकता है। इस शिविर में 32 दंपतियों ने इलाज के लिए डॉक्टर से परामर्श लिया और इस अवसर का लाभ उठाया।न्यू वनांचल हॉस्पिटल के डॉ. बिनय कुमार ने बताया कि यह निःशुल्क परामर्श शिविर हर माह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बेबी सेंटर के प्रबंधक अरबिंद कुमार सहित दर्जनों दंपती मौजूद थे।

केल्हवा में सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के केल्हवा पंचायत सचिवालय के समीप वर्षों पुराने स्वास्थ्य उप केंद्र परिसर में अवैध निर्माण वअतिक्रमण किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी समेत अंचलाधिकारी व पिपराटांड़ थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर अवैध निर्माण को बंद कराने की मांग की है। आवेदन के माध्यम से ग्रामीणों ने बताया कि गांव के दुखराज मियां द्वारा स्वास्थ्य केंद्र की जमीन पर दखल कब्जा किया जा रहा है, जबकि उनके पास किसी तरह का कोई कागजात नहीं है और ना ही किसी तरह का पूर्व में दखल कब्जा है। उक्त जमीन स्वास्थ्य केंद्र के अंदर है, जो गैर मजरूआ है। जबरदस्ती उस जमीन पर मकान का निर्माण कार्य शुरू है, जिसे रोक लगाने व उसे पर कानूनी कार्रवाई की मांग ग्रामीणों ने की है। इस संबंध में केल्हवा के सदर अख्तर अंसारी, कश्मीर अंसारी सहाबुल अंसारी, अनवर हुसैन ,एनुल अंसारी, रूपलाल साव समेत अन्य लोगों ने आपत्ति जताई है। ग्रामीणों ने रविवार को इस संबंध में अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह एवं पिपराटांड़ थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है ,ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व में भी कई बार आवेदन दिया है। इस संबंध में जिला परिषद प्रतिनिधि मुकेश सिंह चंदेल ने कहा कि मामले की जानकारी उन्हें मिली है। स्वास्थ्य केंद्र की भूमि पर अवैध कब्जा किया जाना बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग अधिकारियों से की है। मामले की जानकारी होने के बाद अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह ने तत्काल कार्य बंद कराने का निर्देश थाना प्रभारी को दिया व राजस्व कर्मचारी और अंचल अमीन को सोमवार को स्थल निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

सांसद से अप शटल ट्रेन का समय सारणी पूर्व की तरह कराने की मांग

हैदरनगर। डीडीयू रेलमंडल अंर्तगत बीडी रेलखंड पर परिचालित शटल पैसेंजर ट्रेन नंबर 53349 के समय सारण बदले जाने से रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ी है। इससे सीमित संसाधनों के बीच इस ट्रेन की सुविधा भंग होने की चर्चा तेज है। हालांकि इस संबध में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह, प्रखंड २० सूत्री अध्यक्ष विमलेश सिंह, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह सहित कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम से इस समस्या को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए कहा कि इस रेलखंड के खासकर गढ़वा रोड से सोननगर के बीच कुल 14 स्टेशनों के यात्रियों को गंतव्य तक ससमय आवागमन दुर्लभ तो हो ही गया है। साथ जिला मुख्यालय मेदिनीनगर जिला मुख्यालय स्थित कोर्ट कचहरी व बाजार करके देर शाम आठ बजे तक जपला स्टेशन तक वापस आना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में उक्त ट्रेन का डालटनगंज स्टेशन से प्रस्थान का समय रेलवे समयानुसार 17.58 बजे था। जिसे वर्तमान 18.45 बजे कर दिया गया है। परिवर्तित समय पर कभी ट्रेन समय पर नहीं आती है। वहीं से आये काफी विलंब से चलने के बाद ट्रेन बीच रास्ते में और काफी लेट हो जाती है।

कादलकुर्मी पंचायत मुख्यालय से अब तक नहीं हो सका सुदूरवर्ती माहुर गांव का जुड़ाव

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड क्षेत्र के कादलकुर्मी पंचायत का सुदूरवर्ती पठारी गांव माहुर खासकर, सड़क के मामले में उपेक्षा का दंश झेल रहा है। बताया जाता है कि पंचायत मुख्यालय से सीधा संपर्क अबतक स्थापित नहीं हुआ है। ग्रामीणों को अभी भी कुछ दूर तक पगडंडी से गुजरना पड़ता है। वहीं, प्रखंड मुख्यालय से भी वर्षों बाद मुख्य पथ की सुविधा मिली है। मगर, मुख्य पथ से गांव तक अभी भी कच्ची सड़क ही आवागमन का माध्यम है। हालांकि सांसद विष्णुदयाल राम की पहल पर पीएमजीएसवाई से गांव को जोड़ने की योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जबकि पंचायत मुख्यालय से गांव को जोड़ने में 4 किमी सड़क निर्माण में रैयती जमीन की वजह से पेंच में फंसा हुआ है। इस प्रकार इस गांव के विकास की कोशिश में बड़ी बाधा के रूप में यही वह समस्या है, जिसकी वजह से गांव के पिछड़ेपन का धब्बा 21 वीं सदी में भी मिटाया नहीं जा सका है। इसका ग्रामीणों को मलाल है। मगर, अब उम्मीद की किरण नजर आई है। इस संबंध में इंद्र देव यादव, विनोद यादव, मनोज यादव, विजय भुईंया,गोरख भुईंया, महादेव पाल, नरेश भुईंया, गणेश यादव और रघुनाथ पाल सहित अन्य कई ग्रामीणों ने बताया कि विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने इस समस्या को गंभीरता से लिया है। उन्होंने सड़क मार्ग सहित अन्य समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया है। इसका सकारात्मक परिणाम जल्द ही सामने आएगा।

मतदान केंद्र व नेटर्वक की असुविधा से निजात नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि मतदान के लिए उन्हें प्रखंड मुख्यालय स्थित उत्तर कोयल परियोजना उच्च विद्यालय में 15 किमी की दूरी तय कर आना पड़ता है। जबकि मोबाइल इंटरनेट सेवा का भरपूर लाभ अभी तक नहीं मिल पाई है। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के प्रति भी ध्यान आकृष्ट किया है।

नारायण सेवा समिति ने किया जरूरतमंदों के बीच वस्त्र वितरण किया

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्र घुटवा पंचायत के सेरंगदाग गांव में रविवार को नारायण सेवा समिति द्वारा आदिवासी समुदाय के असहाय व जरूरतमंद परिवारों के बीच साड़ी, धोती वस्त्रों का वितरण किया गया। नारायण सेवा समिति के अध्यक्ष निर्दोष कुमार उर्फ अकलू बाबा ने बताया कि नर सेवा में ही नारायण सेवा है। उपस्थित समीति के लोगों ने ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया और नशा से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि समाज का विकास तभी संभव है, जब हम नशा जैसी बुराइयों से दूर रहकर बच्चों को शिक्षा की ओर अग्रसर करें। इस अवसर पर बिहारी प्रसाद (शिक्षक) के साथ सेरंगदाग के राहुल सिंह, विनोद सिंह, उपेंद्र सिंह, उमेश सिंह, विनय सिंह उपस्थित थे।

वट सावित्री पूजा आज, बाजारों में उमड़ी सुहागिनों की भीड़

बाजारों में सुबह से ही रही रौनक, लोगों में उत्साह दिखा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अखंड सौभाग्यवति व्रत वट सावित्री पूजा को लेकर शहर के बाजारों में रविवार को खासा चहल-पहल देखी गई। सोमवार को होने वाले इस पावन व्रत को लेकर शनिवार सुबह से ही महिलाओं की भीड़ बाजारों में उमड़ पड़ी। सुहागिन महिलाओं ने पूजा में लगने वाली सामग्री जैसे साड़ी,चूड़ी, सिंदूर, प्रसाधन आदि की जमकर खरीदारी की। विशेषकर हुसैनाबाद शहर समेत विभिन्न बाजारों में रविवार को सुबह से ही रौनक बढ़ी रही। बाजारों में पूजन सामग्री जैसे पीला धागा, कच्चा सूत, धूप, बत्ती, फल-फूल और मिट्टी के वटवृक्ष की मांग काफी अधिक रही, दुकानदारों ने भी ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए विशेष तैयारी कर रखी थी। बाजार में साड़ी श्रृंगार सामग्री और व्रत से जुड़ी अन्य वस्तुओं की दुकानें सज चुकी है। दुकानदारों के अनुसार, इस बार व्रत के एक दिन पहले रविवार को ही सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री का पर्व सुहागिनों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन सती सावित्री की तरह पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं व्रत रखती हैं और वटवृक्ष की पूजा महादेव मानकर करती हैं। मान्यता है कि इस दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे। इधर, प्रशासन और नगर पंचायत के द्वारा बाजारों में कोई अलग से साफ- सफाई और यातायात व्यवस्था नहीं करायी गई थी। जिससे गंदगी के बीच ही भीड़भाड़ में किसी प्रकार महिलाओं ने खरीदारी की । शहर के एक दुकानदार पप्पू कुमार ने बताया कि रविवार को महिलाओं की भीड़ से बाजार की रौनक देखते ही बन रही थी। उन्होंने कहा कि व्रतों और त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल आम दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय व्यापार को भी सहारा मिलता है। पूजन के शुभ मुहूर्त के बारे में जपला महावीर मंदिर के पंडित गोपाल पाठक ने बताया कि ज्येष्ठ माह के अमावस्या तिथि को यह पर्व हर वर्ष सुहागिनों द्वारा मनाया जाता है। इस बार 26 मई को 12 बजकर 11 मिनट से शुभ मुहूर्त शुरू हो रहा है और दूसरे दिन 27 मई यानी मंगलवार को 8 बजकर 31 मिनट पर मुहूर्त समाप्त हो रहा है। इसलिए सुहागिनों द्वारा सोमवार को ही व्रत किया जा रहा है,और इससे पहले रविवार को सभी व्रतियों द्वारा अरवा और फलाहार का सेवन कर व्रत की शुरूआत की गई।

वट सावित्री को लेकर बाजारों में रही भीड़

मोहम्मदगंज। वट सावित्री व्रत पूजन की खरीदारी को लेकर बाजार में रविवार को अपेक्षाकृत अधिक चहल-पहल देखी गई। इस दौरान सुहागिनों ने जरूरी सामग्रियों की खरीदारी की। इनमें खासकर, हाथ पंखा (बेना), श्रृंगार और चढ़ावा के सामान, फल मिठाई और अन्य जरूरत के सामान शामिल थे। इसके अलावा नवपरिधान और गहनों की भी खरीदारी की गई। बताया गया कि हाथ पंखे 30 रुपए के एक अदद,केला 70 रुपए के एक दर्जन और अन्य फल भी अन्य दिनों की अपेक्षाकृत ऊंचे भाव में बिके। दुकानदारों की मानें,तो काफी दिनों के सन्नाटे के बाद इस पर्व को लेकर बाजार में ऐसी चहल-पहल देखने को मिला। वहीं, रेलवे स्टेशन परिसर स्थित बरगद गाछ तले सुहागिनों की सुविधा के लिए धर्मप्रेमी द्वारिका प्रसाद और अन्य लोगों ने साफ-सफाई का काम पूरा कर धार्मिक सेवा भावना का उदाहरण प्रस्तुत किए।

मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, पलामू सांसद ने कहा -

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने शांति पुरी स्थित अपने आवासीय कार्यालय बूथ संख्या 235 पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम के 122वें एपिसोड को सुना और उसके बाद विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की।

सांसद ने कहा कि मन की बात एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम है, जिससे समाज में सकारात्मक सोच को बल मिलता है। प्रधानमंत्री जिन विषयों पर बात करते हैं, उनसे लोगों को प्रेरणा और जानकारी दोनों मिलती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज को जागरूक करने, जोड़ने और रचनात्मक दिशा देने का माध्यम बन गया है।

उन्होंने विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जो पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पीओके में किए गए सफल सैन्य अभियान का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बार के कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए बताया कि देश आज आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्पित है। भारतीय सेना की बहादुरी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और जनता के मन में नया आत्मविश्वास भर दिया है।

उन्होंने बताया कि देश के कई हिस्सों में, जैसे बिहार के कटिहार और यूपी के कुशीनगर में, उस दौरान पैदा हुए बच्चों का नाम सिंदूर रखा गया, जो इस अभियान की जनभावना में गहराई को दर्शाता है।

इस मौके पर भाजपा की वरिष्ठ नेत्री स्मिता, शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा, ईश्वरी पांडेय, रामलव चौरसिया, सोमेश सिंह, छोटू सिन्हा, प्रभात तिवारी, भोला पांडे, संजय कुमार, संजय गुप्ता, चेतन चौहान, अमित पाठक, रंजीत चंद्रवंशी, दीपक सिन्हा, किशन मखड़िया, निवेदन अग्रवाल, रामप्रवेश सिंह, अलख दुबे, कौशल झा, मनोरंजन दुबे, आशीष कुमार, नवीन पांडे, पंकज जयसवाल, नंदलाल गुप्ता, साहित्य, अन्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शराब पीकर वाहन चलाने पर दो गाड़ियां जब्त, फर्जी नंबर प्लेट लगी बस भी पकड़ी गई

- **सदिक चौक पर चला सघन जांच अभियान, ब्रेथ एनालाइज़र से हुई जांच**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कोयल फॉल के पास सादिक चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान चार पहिया और दो पहिया वाहनों की गहनता से जांच की गई। साथ ही कुछ चालकों का ब्रेथ एनालाइज़र मशीन से शराब सेवन की जांच भी की गई। जांच के क्रम में एक मोटरसाइकिल और एक कार के चालक शराब पीकर वाहन चला रहे थे, जिस पर दोनों वाहनों को जब्तकर लिया गया। ये वाहन वर्तमान में शहर थाना परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से रखे गए हैं। आगे की कार्रवाई के लिए इन्हें जिला परिवहन कार्यालय, पलामू में चालान और जुर्माने हेतु भेजा जाएगा।

जांच अभियान के दौरान एक बस भी पकड़ी गई, जिसके पिछले हिस्से में असम का नंबर और आगे में रांची, झारखंड का नंबर अंकित पाया गया। इस पर भी संदेहास्पद स्थिति को देखते हुए बस को जब्त करने की प्रक्रिया की जा रही है।

हम पार्टी का संगठनात्मक विस्तार, महिला व एससी-एसटी मोर्चा को मिली नई जिम्मेदारी

- **सम्मान समारोह में कई पदाधिकारियों की हुई घोषणा**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हम पार्टी सेक्युलर का कार्यकर्ता मिलन सह सम्मान समारोह रविवार को परिसदन भवन, मेदिनीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता मुकेश कुमार पाठक ने किया।

समारोह में राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रदेश प्रभारी सुनील चौबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार उर्फ डब्लू महतो और बिहार प्रदेश सचिव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में श्री सुनील चौबे को माला पहनाकर, अंगवस्त्र और गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी संगठन का विस्तार करते हुए मुकेश कुमार पाठक को जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी, कुमार उमेश को जिला संगठन सचिव, श्रीमती सीमा देवी को महिला मोर्चा अध्यक्ष और रमेश उरांव को एससी-एसटी मोर्चा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में जिला कमेटी को और अधिक मजबूत बनाकर जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष करने की रूपरेखा तैयार की गई।

इस मौके पर बिहार प्रदेश सचिव संतोष कुमार गौतम, नवनीत कुमार राम, मनिका प्रत्याशी अतुल सिंह, जिला महासचिव भरत द्विवेदी, जिला सचिव वारिस आलम, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सरताज आलम, जिला सचिव मजहर शाह, नगर अध्यक्ष अकबर शाह, रमेश उरांव, चन्दन कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संत मरियम विद्यालय में ग्रीष्मावकाश की घोषणा, चेयरमैन ने दी जीवन मूल्यों की सीख

- **अवकाश से पहले छात्रों को आत्मविकास, सतर्कता और नैतिकता का दिया संदेश**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम विद्यालय में ग्रीष्मावकाश की घोषणा के अवसर पर चेयरमैन अविनाश देव ने बच्चों को सिर्फ पढ़ाई से नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ी अहम सीख भी दी। उन्होंने बच्चों को आत्म-विकास, सतर्कता और सामाजिक जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि यह अवकाश आत्ममंथन और संस्कारों को अपनाने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि वर्षभर की कठिन पढ़ाई के बाद ग्रीष्मावकाश बच्चों के लिए मानसिक राहत का समय होता है, लेकिन इस दौरान सावधानी बेहद जरूरी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे लापरवाही से जलप्रपात में नहाना, बाइक राइडिंग या मोबाइल गेम्स का अत्यधिक उपयोग बच्चों को दुर्घटना या मानसिक तनाव की ओर धकेल सकता है।

अवकाश की घोषणा से पूर्व छात्रों से संवाद करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया और आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न खतरों पर प्रकाश डाला और कहा कि छोटी-सी गलती जीवनभर की सजा बन सकती है।

अविनाश देव ने छात्रों को बुद्ध, महावीर, विवेकानंद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्र ही देश को फिर से विश्वगुरु बना सकते हैं, बशर्ते वे छुट्टियों को सार्थक दिशा में लगाएं।

अंत में उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे छुट्टियों में कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे विद्यालय या परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचे, बल्कि पढ़ाई और चरित्र निर्माण को प्राथमिकता दें।

अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर संगोष्ठी, रघुवर दास होंगे मुख्य वक्ता

- **भव्य स्वागत की तैयारी, भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू भाजपा जिला कार्यालय में अमित तिवारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें 27 मई को होने वाली अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। संगोष्ठी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्य वक्ता होंगे।

यह कार्यक्रम 27 मई को दीनदयाल सभागार टाउन हॉल में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी भाग लेंगी। जानकारी देते हुए अमित तिवारी ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास 26 मई की देर शाम मेदिनीनगर के परिसदन भवन पहुंचेंगे। उनके स्वागत के लिए ठाकुरबाड़ी रेडमा चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है।

प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने बैठक में कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार को समर्पित रहा है। केंद्र सरकार भी उनके जीवन के उद्देश्यों से प्रेरणा लेकर देशभर में सांस्कृतिक स्थलों के विकास पर कार्य कर रही है। भाजपा द्वारा उनकी 300वीं जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम उनके योगदान को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री ज्योति पांडे ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विजय ठाकुर ने किया।

बैठक में अजय तिवारी, अरविंद गुप्ता, अभिमन्यु तिवारी, शिवकुमार मिश्रा, धीरेंद्र दुबे, सोमेश सिंह, प्रियरंजन कुमार, विपुल गुप्ता, रीना किशोर, श्वेता गर्ग, शुभम प्रसाद, सरवन गुप्ता, जितेंद्र तिवारी, कुमार गौरव, राकेश दुबे, नंदलाल गुप्ता, निरंजन कुमार, आनंद कुमार, विनय तिवारी, सुनील तिवारी, निलेश पांडे, नित्यानंद तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चैंबर की बैठक में उठे बिजली, उद्योग व सड़क जैसे अहम मुद्दे

- **30 जून तक होंगे चैंबर के चुनाव, 101 महिला उद्यमियों को एमएसएमई ऋण दिलाने का लक्ष्य**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को होटल ज्योति लोक सभागार में चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में व्यवसायियों की समस्याओं और विकास से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बिजली की भयावह स्थिति, पलामू में औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार, सोलर एनर्जी पार्क की स्थापना और सड़क जाम की समस्या जैसे मुद्दों को लेकर चेंबर का प्रतिनिधिमंडल सांसद, मंत्री और स्थानीय विधायकों से मुलाकात कर समाधान की दिशा में ठोस पहल करेगा। चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि मलय डैम में फ्लोटिंग सोलर पार्क, कोयल नदी पर पीपा पुल, और चैनपुर-शाहपुर मार्ग को जाम से निजात दिलाने जैसे विषय अब लंबित नहीं रखे जाएंगे।

बैठक में संगठनात्मक ढांचे पर भी पुनर्विचार करते हुए यह निर्णय लिया गया कि महिला विंग को छोड़कर चेंबर की सभी इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है और आगामी 30 जून तक नई इकाइयों के गठन हेतु चुनाव कराए जाएंगे।

बैठक में एमएसएमई योजना के तहत 101 महिला उद्यमियों को ऋण दिलाने का लक्ष्य रखा गया। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष रिंकू दुबे ने आश्वस्त किया कि इसके लिए राज्य स्तर पर बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अवसर पर शिव कुमार दुबे, सुनील सोनी, विपुल जी, राजेश गुप्ता एवं पूर्व विद्युत महाप्रबंधक आर.के. प्रसाद को चेंबर की सदस्यता प्रदान की गई। आर.के. प्रसाद ने बिजली उपभोक्ताओं को सन पावर कैपेसिटर लगाने की सलाह दी, जिससे बिल में 5% की छूट और 20% यूनिट की बचत संभव है।

बैठक के अंत में वरिष्ठ पत्रकार एवं थर्ड आई संस्थापक जसप्रीत सिंह की धर्मपत्नी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। बैठक में इंद्रजीत सिंह डिंपल ने संचालन किया। उपस्थित प्रमुख सदस्यों में कृष्ण अग्रवाल, अजय तिवारी, मनोहर कुमार लाली, धनंजय सोनी, सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, गुड्डू खान, राजदेव उपाध्याय, प्रदीप बाबू, संगठन मंत्री अरविंद गुप्ता, बिंदेश प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, आलोक माथुर, विक्रांत सिंघानिया, राजेश सोनी, सुरेंद्र तिवारी, गिरधारी गर्ग, कमल कुमार जैन, रंजन अग्रवाल, सतीश साहू, नवीन पांडे, अरविंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य शामिल थे।

गंगतुआ व मायापुर में ट्रांसफार्मर बदले गए, बिजली आपूर्ति होगी बेहतर

पाटन। बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ और सुचारु बनाने की दिशा में जिला परिषद सदस्य जय शंकर कुमार सिंह-संग्राम सिंह की पहल रंग लाई है। 22 मई 2025 को पाटन प्रखंड के दो महत्वपूर्ण गांवों में पुराने ट्रांसफार्मर बदलकर नए और अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए गए। उताकी पंचायत के ग्राम गंगतुआ में पहले 63 केवीए का ट्रांसफार्मर कार्यरत था, जिसे बदलकर अब 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। इससे गांव के सैकड़ों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और लो वोल्टेज की समस्या में कमी आएगी। वहीं पाल्हे पंचायत के ग्राम मायापुर में 25 केवीए के ट्रांसफार्मर के स्थान पर अब 63 केवीए क्षमता वाला ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। इससे स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी, खासकर खेती और घरेलू कार्यों में बिजली की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस कार्य के लिए ग्रामीणों ने जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगे भी इस प्रकार के विकास कार्य होते रहेंगे। संग्राम सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता है और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सशक्त करना जरूरी है।

लिलिपुट प्ले स्कूल में समर कैम्प में बच्चों ने मॉकटेल ड्रिंक का आनंद लिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नावाटोली स्थित लिलिपुट प्ले स्कूल में चल रहे सात दिनों के समर कैम्प में बच्चों ने विभिन्न फन एक्टिविटीज़ का मजा लिया। आज के दिन बच्चों ने मॉकटेल ड्रिंक (लेमोनेड स्प्राइटोपिया) बनाना सीखा और उसका स्वाद चखा। प्राचार्या रेणु गोयल ने बच्चों को बताया कि मॉकटेल कैसे तैयार की जाती है और घर पर मेहमान आने पर इसे कैसे परोसा जाता है। बच्चों ने ड्रिंक पीकर अपने-अपने एक्सप्रेशन दिए और अनुभव साझा किए।

इसके अलावा बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें लड़कों और लड़कियों की टीमें आमने-सामने थीं। कड़े मुकाबले के बाद अंत में लड़कों की टीम विजेता बनी। प्राचार्या रेणु गोयल ने बताया कि बच्चे समर कैम्प को खूब एन्जॉय कर रहे हैं। आगामी सोमवार को बच्चों के लिए एक विशेष थीम पर रैंप वॉक का आयोजन होगा। समर कैम्प का समापन 30 मई को पूल पार्टी के साथ धूमधाम से किया जाएगा।

वट सावित्री पूजन आज : अमर सुहाग की कामना को लेकर व्रत रखेंगी महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को सुहागिन महिलाएं वट सावित्री व्रत रखेंगी और अखंड सौभाग्य की कामना से विधिवत पूजन करेंगी। इस अवसर पर महिलाओं ने रविवार को सोलह श्रृंगार एवं पूजन सामग्री की जोरशोर से खरीदारी की। सोमवार को विभिन्न स्थानों पर वट वृक्ष के नीचे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन होगा और महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की प्रार्थना करेंगी।

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत के दिन वट, पीपल और नीम वृक्ष की पूजा करने से शनि, मंगल और राहु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव दूर होते हैं। इस दिन व्रती महिलाएं वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए उसके चारों ओर 108 बार कच्चा सूत लपेटती हैं। साथ ही सावित्री-सत्यवान की पौराणिक कथा का श्रवण करती हैं, जिससे उन्हें अखंड सौभाग्य व उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जीएलए कॉलेज के समीप मां अष्टभुजी मंदिर के पुजारी पं. घनश्याम तिवारी शांडिल्य ने बताया कि सोमवार को वट सावित्री व्रत पूजन संपन्न होगा। हालांकि यह दिन सोमवती अमावस्या नहीं है, क्योंकि सोमवती अमावस्या वही मानी जाती है जब अमावस्या की तिथि उदया काल में सोमवार को पड़े। इस बार अमावस्या की शुरुआत सोमवार सुबह 10:57 बजे से हो रही है और मंगलवार सुबह 8 बजे तक रहेगी। पं. तिवारी के अनुसार व्रत पूजन के लिए आवश्यक है कि अमावस्या मध्यान्ह काल में उपस्थित हो, जो इस बार सोमवार को हो रही है। अतः व्रत 26 मई, सोमवार को ही करना शास्त्रसम्मत एवं श्रेयस्कर रहेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चतुर्दशी के बाद सूर्यास्त से पूर्व अमावस्या यदि तीन मुहूर्त से अधिक रहे तो वह मान्य होती है, और इस बार यही योग बन रहा है। व्रत का पारण मंगलवार सुबह आठ बजे के बाद किया जाएगा।

रुक्मिणी हरण व रास लीला की भक्ति में डूबी लहलहे की भूमि

- **श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब**

मेदिनीनगर। स्थानीय पंचायत क्षेत्र में चल रही सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा वाचक मारुति किंकर जी महाराज ने रुक्मणी हरण और रास लीला जैसे गूढ़ प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी रही और वातावरण 'श्रीकृष्ण' नाम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा।

कथा की शुरुआत में महाराजश्री ने रुक्मणी जी के जन्म, उनके स्वभाव और भगवद्भक्ति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विदर्भ की राजकुमारी होते हुए भी उन्होंने सांसारिक वैभव को त्यागकर श्रीकृष्ण को जीवन का परम लक्ष्य बना लिया। उन्होंने बताया कि कैसे रुक्मणी जी ने श्रीकृष्ण को प्रेम-पत्र लिखकर समाज बंधनों को लांघते हुए उन्हें अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया और श्रीकृष्ण ने उनका हरण कर प्रेम व धर्म की विजय सुनिश्चित की। इसके उपरांत महाराजश्री ने रास लीला के अध्यात्ममय रहस्य को उजागर करते हुए कहा कि यह केवल नृत्य नहीं, अपितु आत्मा और परमात्मा के मिलन की दिव्य लीला है। उन्होंने बताया कि गोपियाँ उस जीवात्मा की प्रतीक हैं जो परमात्मा में पूर्णतः विलीन हो जाती हैं, जहाँ न अहंकार होता है, न बंधन केवल भक्ति और समर्पण शेष रह जाता है। पूरी कथा के दौरान श्रोता भावविभोर हो उठे। कहीं प्रेमाश्रु छलकते दिखे तो कहीं भक्तिरस में झूमते श्रद्धालु नजर आए। भजन, कीर्तन और महाराजश्री की वाणी ने समस्त वातावरण को कृष्णमय कर दिया। अंत में आरती व प्रसाद वितरण के साथ पंचम दिवस की कथा का समापन हुआ। आयोजक विवेकानंद त्रिपाठी ने बताया कि 26 मई को यज्ञ की पूर्णाहुति के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन है, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है। उन्होंने अपील की कि शेष दो दिवस की कथा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर भगवान की लीलाओं का रसपान करें।

राज्यभर से कांग्रेस कार्यकर्ता आज सरना धर्म कोड की मांग को लेकर रांची में देंगे धरना

मेदिनीनगर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर रविवार, 26 मई को पूर्वाह्न 11:00 बजे रांची स्थित राज भवन के समक्ष सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर राज्य स्तरीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू की उपस्थिति रहेगी। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिले के सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, विभिन्न मंच-मोर्चा संगठनों के अध्यक्षों, प्रखंड एवं नगर अध्यक्षों, पर्यवेक्षकों और मंडल कांग्रेस अध्यक्षों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रांची पहुंचकर इस धरना कार्यक्रम को सफल बनाएं।

अबुआ आवास बना रही महिला के साथ मारपीट, घायल

नवीन मेल संवाददाता

रंका। प्रखंड के सोनदाग पंचायत के हुरदाग गांव में तुरिया टोला में अबुआ आवास बनाने के लेकर महिला के साथ मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल पार्वती देवी को इलाज के लिए रंका सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया है। पार्वती देवी का बेटा ने बताया कि वह अपने हिस्से की जमीन पर अबुआ आवास बना रहा था। उसके परिवार के चाचा ने मां को लाठी डंडे से मारकर घायल कर दिया। महिला को सरकार की ओर से अबुआ आवास मिला है। विभाग द्वारा महिला को जल्द अबुआ आवास बनाने का नोटिस मिला था। इसे लेकर महिला अपने जमीन पर अबुआ आवास बना रही थी। पार्वती देवी घायल अवस्था में पहले रंका थाना गई थी। परंतु अधिक घायल होने कारण उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। डॉक्टर अतुल ने बताया कि महिला को गंभीर चोट लगी है। उसे सीटी स्कैन कराना होगा।

एसडीएम ने अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर पकड़ा, ड्राइवर व मालिक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने रविवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान कोटमा निवासी ट्रैक्टर ड्राइवर सुनील चंद्रवंशी को बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर से अवैध बालू परिवहन करते हुए पकड़ा। ड्राइवर की निशानदेही पर ट्रैक्टर मालिक जाकिर अंसारी को भी मौके पर बुलाया गया। पूछताछ के दौरान दोनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु अंचल अधिकारी मेराल व थाना प्रभारी मेराल को मौके पर ही उन्होंने दूरभाष से सूचना देते हुये निर्देश दिया। एसडीएम के निर्देश पर कुछ ही देर में अंचल अधिकारी मेराल यशवन्त नायक भी मौके पर पहुंच गए। एसडीएम ने बालू लदे ट्रैक्टर को उन्हें अग्रेतर कानूनी कार्रवाई हेतु हुए सौंप दिया। बालू के साथ पकड़े गए उक्त दोनों लोगों ने एसडीएम द्वारा की गई पूछताछ में बताया कि वे लोग काफी दिनों से यूरिया नदी से अवैध बालू उठाकर इसे नियमित रूप से अलग-अलग स्थानों पर मांग के अनुरूप ग्राहकों को सप्लाई करते हैं। एसडीएम ने खनन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को अवैध खनन के विरुद्ध लगातार सजगता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि इस प्रकार के आदतन बालू माफिया लोग हतोत्साहित हों।

बिना नंबर के ट्रैक्टरों की धर पकड़ के लिए चलाएं अभियान

अवैध बालू के साथ पकड़े गये इस ट्रैक्टर के मालिक जाकिर अंसारी से जब पूछा गया कि उन्होंने ट्रैक्टर में नंबर प्लेट क्यों नहीं लगायी है तो इस पर वह कोई उत्तर नहीं दे पाया। संजय कुमार ने कहा कि अवैध बालू परिवहन में ज्यादातर संलिप्त ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के सड़क पर दौड़ रहे हैं जो कि चलती फिरती मौतों की तरह है। क्योंकि ऐसे वाहन अक्सर एक्सीडेंट कर भाग जाते हैं। उनको ट्रेस करना आसान नहीं होता है। इसलिए उन्होंने सभी थाना प्रभारियों, अंचल अधिकारियों एवं परिवहन विभाग के कर्मियों को बिना नंबर प्लेट सड़क पर दौड़ रहे किसी भी प्रकार के मोटराइज्ड वाहनों की धर पकड़ कर निर्धारित प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन के निर्देश पर रविवार को खरौंधी मंडल के पंचायतों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की बात सुनी गयी। कार्यक्रम का आयोजन दिन के 11 बजे शुरू हुआ, जिसमें सभी पंचायतों के बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की प्रगति में हर नागरिक की भूमिका अहम है। हर छोटा कदम, बड़ी दिशा में बदलाव ला सकता है। उन्होंने जल संरक्षण, पर्यावरण बचाव, और लोकल उत्पादों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि वोकल फॉर लोकल आज सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। साथ ही उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।मंडल के सभी पंचायत प्रभारियों में बुधनाथ गुप्ता, बैजू गुप्ता, सुनील गुप्ता, उपेंद्र दास, जितेन्द्र यादव, बिनोद सिंह, रामखेलावन पासवान, रामचंद्र सिंह, एवं सुंडी पंचायत प्रभारी राजा सिंह ने अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम सुनवाने की जिम्मेदारी निभाई।मंडल अध्यक्ष संध्याकर विश्वकर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर एकत्र होकर कार्यक्रम को सुना और प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात किया। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं ने मन की बात के फोटो पोर्टल पर अपलोड किए। जिला व मंडल स्तर को भी उपलब्ध कराया।

एसडीएम ने ग्रामीणों के साथ दुलदुलवा का किया भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने रविवार को दुलदलवा गांव का औचक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने अलग-अलग मुहल्लों में स्थानीय ग्रामीणों से संवाद किया। इसके बाद ग्रामीणों को साथ लेकर गांव के अलग-अलग इलाकों का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम ने इस गांव को अवैध शराब से मुक्त करने के लिए इस माह गोद लिया था। इसलिए वे अक्सर इस गांव का दौरा करते रहते हैं। रविवार को भी गांव पहुंचने के बाद उन्होंने ग्रामीणों से शराब बंदी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। लोगों ने बताया कि जितने भी अवैध शराब व्यवसायी लोग व्यावसायिक रूप से भट्टियां खोलकर अवैध शराब बना रहे थे वे सब भट्टियां दुलदलवा में बंद हो चुकी हैं। अभी भी कुछ लोग घरों के अंदर चोरी छुपे तरीके दो-चार किलो महुआ डालकर शराब बना रहे हैं। ग्रामीणों ने सलाह दी कि महिला पुलिस और गांव की महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों की मदद से घर-घर में तलाशी अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि उन लोगों में भी भय बने जो थोड़ी बहुत भी चोरी छुपे घरों के अंदर बना रहे हैं। ज्यादातर ग्रामीणों ने कहा कि एसडीएम द्वारा इस गांव पर नियमित ध्यान देने के उपरांत अब स्थिति बहुत बदल गई है। जहां पहले इस गांव के लगभग हर गली मुहल्ले में शराब की भट्ठियां सरेआम धधकतीं रहती थीं, अब पूरे गांव के अंदर एक भी शराब भट्टी नहीं चल रही है। लोगों ने एसडीएम को बताया कि गांव में काफी लोग स्वास्थ्य समस्याओं और कुपोषण का शिकार हैं। ऐसे में स्वास्थ्य शिविर लगाया जाए तो बहुत अच्छा। एसडीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि इस सप्ताह गांव में वृहद स्तर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया जाएगा, ताकि यहां के लोग न केवल अपना स्वास्थ्य परीक्षण कर सकें। बल्कि यह भी पता चल सके कि वर्तमान में इस गांव में मानव स्वास्थ्य का स्तर क्या है। ग्रामीणों के पीडीएस डीलर की शिकायत पर एसडीएम ने की दुकान में छापेमारी की। दुलदुलवा के देवी धाम मंदिर के पास ग्रामीणों से बैठक करने के दौरान कुछ ग्रीन कार्ड धारकों ने बताया कि उनसे मार्च महीने का बायोमेट्रिक अंगूठा लगवा लिया गया है, किंतु उनका राशन नहीं दिया गया। साथ ही कुछ लोगों ने कम मात्रा में राशन देने की भी शिकायत की। इन शिकायतों को गंभीर मानते हुए एसडीएम ने तुरंत संबंधित पीडीएस दुकान में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान न केवल तराजू और बांट आदि की प्रारंभिक जांच की गई,बल्कि पोषक क्षेत्र के ग्रामीणों की मौजूदगी में पीडीएस डीलर से पूछताछ भी की गई। पूछताछ के दौरान डीलर ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्होंने मार्च महीने का ग्रीन कार्ड धारकों को राशन नहीं दिया है, जबकि उन्होंने अंगूठा लगवा लिया है।

अवैध शराब निर्माण का व्यवसाय समाप्ति की ओर

दुलदलवा गांव भ्रमण के क्रम में संजय कुमार को जो तस्वीर देखने को मिली। साथ ही जो स्थानीय लोगों का फीडबैक मिला उसके अनुसार गांव में जो बड़े स्तर पर अवैध महुआ शराब का निर्माण होता था। वह लगभग बंद हो चुका है। हालांकि अभी भी कुछ लोग घरों में छिटपुट बना रहे हैं, उनको भी ग्रामीणों की मदद से समझाने का काम किया जा रहा है, अगर तब भी नहीं मानते हैं तो उन छोटे-मोटे उल्लंघनकर्ताओं को भी जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

बहन के ससुराल वालों ने पंचायत के नाम पर बुलाकर दो भाइयों को पीटा

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मेराल थानांतर्गत पेंदली गांव निवासी अरकेश भुइयां और अवधेश भुइयां को उसकी बहन के ससुराल वालों ने पंचायत के नाम पर बुलाकर जमकर पिटाई कर दी। घटना में घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में घायल अरकेश भुइयां की माता प्रभावती देवी ने बताया कि उसकी बेटी निशा कुमारी की शादी पलामू जिलांतर्गत नावा थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलाड़ी गांव में बबलू भुइयां पिता जीतन भुइयां से हुई है। उसके ससुराल वाले बेटी के साथ मारपीट करते रहते हैं। उसे लेकर कई बार पंचायती भी हुई लेकिन स्थिति जस की तस है। महिला ने बताया कि उसके दामाद बबलू ने शनिवार सुबह फोन कर बताया कि निशा कुमारी को नहीं रखेंगे। आकर ले जाओ। तब पेंदली गांव के कुछ लोगों व रिश्तेदारों के साथ अरकेश व अवधेश तेलड़ी गांव शनिवार शाम पहुंचे। वहां पंचायती शुरू होने से पहले ही बबलू भुइयां, उसके भाई संतोष कुमार और अशोक राम ने मिलकर अरकेश व अवधेश की जमकर पिटाई कर दी। उसके अलावा साथ गए अन्य लोगों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। उसके बाद सभी लोग गढ़वा लौट गए। दोनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रोजगार संकटः केंदू पत्ता केंद्रों में मात्र 100 रुपये में काम पर लगाए जा रहे स्कूली बच्चे

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के भंडरिया और बड़गड़ प्रखंड के केंदू पत्ता केंद्रों पर बच्चों से काम कराने का मामला सिर्फ एक कानूनी अपराध नहीं, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी, गरीबी और संसाधनों की कमी की जटिल तस्वीर भी पेश करता है। हर साल गर्मी के मौसम में केंदू पत्ता उद्योग पूरे झारखंड में सक्रिय हो जाता है। मजदूर सुबह जंगलों में पत्ता तोड़ने चले जाते हैं, लेकिन सेंटरों पर उनकी अनुपस्थिति के चलते संवेदकों को छंटाई और गिनती के काम के लिए मजदूर नहीं मिलते। ऐसे में विकल्प के तौर पर वे गांव के स्कूली बच्चों को 100 रुपये देकर काम में लगा देते हैं। इन बच्चों की उम्र 8 से 14 वर्ष के बीच है। गर्मी की छुट्टियों में जब स्कूल बंद रहते हैं, तब ये बच्चे दिन के 4 से 5 घंटे तक सेंटर पर काम करते हैं। उनके पास न तो कोई सुरक्षा उपकरण होता है और न ही उनके लिए भोजन, पानी या आराम का समुचित प्रबंध। ग्रामीणों के अनुसार कई परिवार इतने गरीब हैं कि बच्चों की ये मामूली कमाई भी उनके लिए बड़ी राहत बनती है। इस परिस्थिति में जब जीविका के सीमित साधन हैं, तो पैसा ही पहली प्राथमिकता बन जाता है। प्रशासनिक और सामाजिक व्यवस्था की असफलता भी इस स्थिति को बढ़ावा दे रही है। जो संगठन पहले इन मुद्दों पर सक्रिय थे अब लगभग निष्क्रिय हो चुके हैं। पंचायत प्रतिनिधि भी इस मामले में मौन हैं। श्रम अधीक्षक संजय आनंद ने इस मुद्दे पर कहा कि यह गंभीर मामला है और इसकी जांच कर जिम्मेदार संवेदकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के कारण गरमा खेती के नुकसान से किसान परेशान

सगमा। प्रखंड मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों में दोपहर से शुरू हुए बूंदाबांदी के बाद तीन से चार बजे तक एक घंटे मूसलाधार बारिश हुई। बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली वहीं खेतों में लगी गरमा फसल के नुकसान की चिंता से किसान परेशान रहे। खेतों में लगी मूंग व उड़त के अलावा बैगन, खीरा, लौकी, साग, भिंडी जैसे फसल को भारी नुकसान होने का अंदेशा है। किसान नंदू कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, लालू कुशवाहा, रामचंद्र शाह, बिनोद गुप्ता, रविंद्र कुशवाहा, नरेश पाल, रघु कुशवाहा, सुरेंद्र मेहता, उदय मेहता ने बताया कि बारिश से गरमा खेती को भारी नुकसान पहुंच सकता है। एक दिन पहले भी बारिश हुई थी।

इलाज के दौरान सहायक पुलिस की मौत, गांव में शोक

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मोरबे गांव निवासी कृष्णा साह उर्फ बीटन साह के पुत्र झारखंड सहायक पुलिस जवान निरंजन प्रसाद गुप्ता की मौत हो गई। उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि छोटे भाई निरंजन की तबीयत लगभग एक माह पहले अचानक खराब हुआ था। इसके बाद रांची दिखाने ले गए थे। डॉक्टर ने वहां से जवाब दे दिया। उसके बाद छत्तीसगढ़ के रायपुर ले गये। ब्रेन में प्रॉब्लम होने के बाद ऑपरेशन कराया गया था। उसके बाद कुछ दिन ठीक रहें लेकिन पुनः तबीयत खराब हो गया। शनिवार को डॉक्टर ने रायपुर से जवाब दिया और सुबह गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव को पुलिस लाइन ले जाया गया और पुलिस द्वारा सलामी दी गई। बताते चले की जिला में सलामी देने के बाद पुलिस वाहन से पुलिस बल के साथ पार्थिव शरीर को ग्राम मोरबे लाया गया। जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह व पंचायत मुखिया प्रतिनिधि ललन प्रसाद सिंह भी पहुंचे और दुःख व्यक्त किया। साथ ही विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि यह बहुत ही दुःखद घटना है। निरंजन प्रसाद गुप्ता 2017 में झारखंड सहायक पुलिस में बहाल हुए थे। इसके बाद जिला मुख्यालय सहित विभिन्न थाना में कार्य किये। फिलहाल वह केटर थाना में कार्यरत थे। निरंजन प्रसाद गुप्ता की शादी 2020 में पलामू जिला के चैनपुर में पूजा कुमारी से हुआ था। फिलहाल निरंजन अपने पीछे पत्नी पूजा व साढ़े तीन वर्षीय पुत्र अंशु गुप्ता को छोड़ गए। सहायक जिला पुलिस संघ के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश द्विवेदी, जिला अध्यक्ष बसंत तुरिया, कोषाध्यक्ष अखिलेश रजक, मंत्री अशोक कुमार, एसआई संजय कुमार, सहायक पुलिस आनंद कुमार, अभिषेक यादव, मिथिलेश यादव, अनुज ठाकुर, हीरा चौधरी, रंजीत यादव, विकास तिवारी, सजल दुबे,अलियार अंसारी, उर्मिला कुमारी, प्रतिमा तिर्की, अंजू कुमारी, सोनी कुमारी, यशोदा कुमारी, माया कुमारी सहित दो दर्जन से अधिक सहायक पुलिस व सैकड़ो स्थानीय ग्रामीण शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में महिला घायल

चिनिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक बस स्टैंड के पास स्थित हनुमान मंदिर के पास सड़क दुर्घटना में टीवीएस मोपेड पर सवार दंपती दुर्घटनाग्रस्त होने से एक महिला घायल हो गई। फिलहाल उनका इलाज एक निजी क्लीनिक में चल रहा है। जानकारी के अनुसार चिरका गांव निवासी मुन्ना मंसूरी चिनिया बाजार से अपनी पत्नी को साथ घर लौट रहे थे। मोपेड पर उन्होंने लंबा सरिया भी बांधा था। जैसे ही वे हनुमान मंदिर के पास पहुंचे। सामने से आ रही एक कार के नीचे सरिया फंस गया। इस कारण मोपेड असंतुलित होकर खींच गया और दोनों सवार मौके पर गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता से दोनों घायलों को नजदीक के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। वहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि महिला के दाहिने पैर में गहरी चोटें लगी हैं।

श्री सर्वेश्वरी समूह ने अस्पतालों में भर्ती रोगियों के बीच फल, ब्रेड, बिस्कुट बांटा

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा बंशीधर नगर के सदस्यों ने रविवार को सेवा भाव का परिचय देते हुए अनुमंडलीय अस्पताल, कुपोषण केंद्र, वृद्धाश्रम व अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती रोगियों के बीच फल, ब्रेड, बिस्कुट, पानी की बोतलें तथा गर्मी से राहत दिलाने के लिए हाथ पंखे वितरित किए। समूह के उपाध्यक्ष हेमंत प्रताप देव ने जानकारी देते हुए बताया कि मानव सेवा को सर्वोच्च मानकर समूह समय-समय पर इस प्रकार के सेवा कार्य करता है। उन्होंने कहा कि रोगियों के बीच पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उन्हें आवश्यक सामग्री प्रदान करना न केवल राहत पहुंचाता है, बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि श्री सर्वेश्वरी समूह द्वारा विगत वर्षों में कई बार निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, असाध्य रोगों के इलाज के लिए मेगा कैंप, स्वच्छता अभियान और धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान जैसे कार्य किए जा चुके हैं। इस दौरान समूह के मंत्री आनंद जायसवाल, संयुक्त मंत्री नागेंद्र प्रसाद, राजेंद्र यादव, नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अनूप कुमार सिंहा, मनोज प्रताप देव, नवनीत कुमार सिन्हा, उदय कुमार सिंह, प्रमेंद्र कुमार सिंहा, दुर्गेश कुमार, श्रवण कुमार, दुर्गावती कुमारी, प्रिया यादव, नीलम यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

आनंद मार्ग विधि से हुआ श्राद्ध अनुष्ठान

मेराल। नेनुआ मोड स्थित विधायक प्रतिनिधि डॉ. लालमोहन के सुपुत्र के श्राद्ध अनुष्ठान आनंद मार्ग विधि से आचार्य हरिकृपानंद अवधूतब ने संपन्न कराया। इस अवसर पर ईश्वर प्राणिधान के बाद श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आचार्य हरिकृपानंद अवधूत ने कहा कि सामान्य जीवन यापन आरम्भ करने हेतु सभी की उपस्थिति एवं सांत्वना की प्रशंसा की। आनंद मार्ग विधि में दुखित परिवार द्वारा फिजूल खर्ची वर्जित है। भुक्ति प्रधान धर्मेंद्र देव ने बताया कि इस विश्व ब्रह्मांड में मृत्यु ही सत्य है, जिस प्रकार मनुष्य कपड़े बदलते है उसी तरह आत्मा शरीर बदलता है। हमें विचलित नहीं होकर इसे स्वाभाविक प्राकृतिक घटना मानकर संतोष करना पड़ता है। डॉ लाल मोहन ने दुख की घड़ी में सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति जाना, दिए निर्देश

रविवारीय चौपालः एसडीएम ने चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने नवादा पंचायत अंतर्गत सुखबाना गांव के वार्ड 14 में जन चौपाल लगाई। चौपाल में पहुंचे स्थानीय लोगों से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, मैया सम्मान योजना, नल जल योजना आदि की धरातलीय स्थिति के बारे में जाना। साथ ही लोगों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी विस्तार से सुना। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव और वार्ड सदस्य सीमा देवी ने बताया कि इस क्षेत्र में भू राजस्व संबंधित ऐसे कई मामले हैं, जिन पर प्रशासन को अविलंब ध्यान देने की आवश्यकता है। एसडीएम ने विस्तार से नागरिकों से पूछा तब ज्ञात हुआ कि इस वार्ड में 70-80 घर ऐसे हैं, जिनकी भूमि का नामांतरण नहीं हो पा रहा है। इन लोगों ने संजय कुमार को बताया कि वे लोग यहां पर कई दशकों से रह रहे हैं। उनके पास केवाला या शपथ पत्र से खरीदी हुई जमीन है, किंतु दाखिल खारिज ना हो पाने के कारण उनका नाम पंजी टू में दर्ज नहीं है। ऐसे में उन्हें डर है कि कहीं इस कमी का फायदा उठाकर भू माफिया लोग उनकी जमीन न हड़प लें। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि शहर की परिधि में स्थित होने और शहरीकरण बढ़ने से इस गांव की जमीन बहुत महंगी हो गई है। इसलिए जमीन माफियाओं की नजर अकसर इस गांव पर रहती है। बताया कि यहां पर अक्सर भूमि विवादों के चलते झगड़ा भी होता हैं। दो साल पूर्व यहां भूमि विवाद को लेकर हत्या भी हो चुकी है। ऐसे में इस गांव के भू राजस्व संबंधी मामलों को दुरुस्त करने की जरूरत ग्रामीणों ने बताई।

राजस्व कैंप लगाने का निर्देश

ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद एसडीएम ने सदर अंचल अधिकारी सफी अलम को दूरभाष पर ही निर्देश दिया कि वे इस गांव में एक-दो दिन का समय देकर भू राजस्व संबंधी मामलों को लेकर एक राजस्व कैंप लगवाएं। जिसमें दाखिल-खारिज, ऑनलाइन प्रविष्टि, लगान निर्धारण, एलपीसी आदि के अलावा भूमि विवादों से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर लोगों की शिकायतों और समस्याओं को सुनते हुए नियमानुसार कार्रवाई करें।

मुखिया व ग्रामीणों ने एसडीएम को दिया मांग पत्र

नवादा पंचायत की मुखियाआशा देवी और ग्रामीणों सुरेंद्र यादव, राहुल पासवान, दशरथ विश्वकर्मा, विनोद राम, दिनेश पासवान, वीरेंद्र कुमार, उषा देवी, कलावती देवी, ललिता चंद्रवंशी, शोभा देवी, सरिता देवी ने एसडीएम को गांव की समस्याओं से जुड़ा एक मांग पत्र भी सौंपा। जिसमें उन्होंने गांव में भू माफियाओं से जुड़े मुद्दों को इंगित किया। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी को आश्वस्त किया कि गांव की विधि व्यवस्था और भू राजस्व प्रबंधन को लेकर वे लोग निश्चिंत रहें। किसी को कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। संजय कुमार ने बताया कि अब से वे हर सप्ताह किसी न किसी गांव में इस प्रकार की जन चौपाल लगाकर वहां के लोगों की समस्याएं सुनते हुए उनके निराकरण का प्रयास करेंगे।

करंट की चपेट में आने से महिला घायल

रंका। प्रखंड के खरडीहा पंचायत के आंबेडकर टोला में करंट की चपेट में आने से ममता देवी उम्र 30 वर्ष गंभरी रूप से घायल हो गई। उसे 108 ऐंबुलेंस से रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां चिकित्सक डॉक्टर अतुल ने महिला का इलाज किया। इस संबंध में डॉक्टर अतुल ने बताया कि महिला अब खतरे से बाहर है।

दो मरीजों का सदर अस्पताल में हुआ सफल ऑपरेशन

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. नौशाद आलम ने रविवार को एक बार फिर अपनी चिकित्सीय सेवा से जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों का सफल ऑपरेशन कर उन्हें राहत पहुंचाई। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनमें से गढ़वा थाना क्षेत्र के उड़सूगी गांव निवासी दिनेश राम का दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया था। वहीं करमडीह गांव निवासी 20 वर्षीय पंकज कुमार का बायां जांघ टूट गया था। उक्त दोनों मरीजों का ऑपरेशन निजी क्लिनिक में कराने पर करीब 80 हजार से 1 लाख रुपए तक का खर्च आ रहा था। उसका खर्च वहन कर पाना उन गरीब परिवारों के लिए संभव नहीं था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ नौशाद आलम से मदद की गुहार लगाई। मरीजों की स्थिति को देखते हुए डॉ. नौशाद ने निःशुल्क ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। रविवार को अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में दोनों घायलों की सफल सर्जरी की। मरीजों और उनके परिजनों ने उक्त मदद के लिए डॉ. नौशाद का आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए एनसीसी कैडेट रवाना

गढ़वा। नामधारी महाविद्यालय के 41 एनसीसी कैडेट शनिवार को वार्षिक प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए रवाना हुए। शिविर का आयोजन २४ मई से २ जून तक 44 झारखंड बटालियन एनसीसी डाल्टनगंज के तत्वावधान में जिला स्कूल डाल्टनगंज में किया जा रहा है। मौके पर एनसीसी पदाधिकारी डॉ सतीश कुमार पांडेय ने संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी एक संगठन ही नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की सशक्त प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि कैडेटों ने सदैव कॉलेज का नाम रौशन किया है। यह प्रशिक्षण शिविर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होगा।

नपं ने अभियान चलाकर ट्रेड लाईसेंस की जांच की

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर शहरी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में नगर पंचायत कर्मियों द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना चौक के आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में चलाया गाया और ट्रेड लाइसेंस की जांच की गई। इस दौरान नप कर्मियों ने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों के पास ट्रेड लाइसेंस नहीं रहेगा उन पर झारखंड म्यूनिसिपल एक्ट 2011 के तहत प्रतिष्ठानों को सील करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। कर्मियों ने कहा कि यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगी। मौके पर कर्मियों ने कहा कि जिन भी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों ने ट्रेड लाइसेंस नहीं बनवाया है वह ट्रेड लाइसेंस अविलंब बनवाले। जांच का नेतृत्व पिंटू कुमार राजस्व निरीक्षक, नगर पंचायत लातेहार, आदित्य कुमार टीम लीडर जन सुविधा केंद्र एवं बिरसा कलेक्टर जन सुविधा केंद्र मौजूद रहे।

जिप की नियमित बैठक नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं : अध्यक्ष

- मान-सम्मान के लिए तीन जून को जिप सदस्य देंगे सामूहिक धरना

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला परिषद सदस्य अपने मान सम्मान व हक के लिए आगामी तीन जून को सामूहिक रूप से धरना व प्रदर्शन करेगें। इतना ही नहीं सदस्यों नें अपनी मांग को लेकर रांची में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सामूहिक रूप से सभी सदस्य त्याग पत्र देने का भी निर्णय लिया है। जिला परिषद के सदस्यों ने स्थानीय माको डाक बंगला में एक बैठक आयोजित कर यह निर्णय लिया है। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने की। बैठक में कहा गया कि जिला परिषद सदस्यों के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरे हो जाने के बावजूद अब तक सदस्यों को मान सम्मान और अधिकार नहीं मिला है, जिसके वे हकदार हैं। कहा गया कि जिला परिषद का नियमित बैठक नहीं होने के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। जिला परिषद के अधीन अधिकारी और कर्मियों के द्वारा सदस्यों के मान सम्मान के साथ खिलवाड़ किया जाता है। जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि जिला परिषद की बैठक और अनुपालन को लंबित रखा जाता रहा है। योजनाओं को बेवजह रोका जा रहा है। पूर्ण हो चुकी योजनाओं में भुगतान जानबूझ कर रोका गया है। सदस्यों के विभिन्न मुद्दों को अवगत कराने के बाद भी कोई नहीं सुनने वाला है। इससे बाध्य होकर अब आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने अपने हक और अधिकार व अन्य मांगों लेकर आगामी तीन जून को सामूहिक धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। सदस्यों नें अपनी मांग को लेकर रांची मे मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सभी सदस्य त्याग पत्र देने का भी निर्णय लिया है। मौके पर जिला परिषद कन्हाई सिंह, विनोद उरांव, बलवंत सिंह, बुद्धेश्वर उरांव, प्रियका कुमारी, संतोषी कुमारी, स्टेला नगेसिया, प्रतिमा देवी, जीरा देवी व सरोज देवी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

मजदूरी के लिए चेन्नई गया मजदूर, दो साल से घर नहीं लौटा, मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। चेन्नई मजदूरी के लिए गया मजदूर दो साल से घर नहीं लौटा है। मजदूर की पत्नी ने थाना में ठेकेदार के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। यह पूरा मामला लातेहार जिला के बालूमाथ थाना अंतर्गत आंबेडकर नगर का है। पत्नी उर्मिला देवी ने बालूमाथ थाना में आवेदन देकर बताया है कि 10 मई 2023 को बालूमाथ थाना क्षेत्र के मुरपा गांव निवासी मजदूर मकसूद मियां पिता शाहिद मियां ने पति अर्जुन राम उर्फ वृक्ष राम को कुछ पैसे देकर जबरदस्ती चेन्नई मजदूरी के लिए ले गया था। 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी पति घर वापस नहीं आया और ना ही कभी फोन से संपर्क हो पाया। जब मजदूर मकसूद मियां से जब कभी पति के संदर्भ में पूछा गया तो उसने टालमटोल करता रहा और अब पल्ला झाड़ते हुए जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया। मारपीट करने की धमकी देने लगा। इसके बाद पीड़ित महिला ने न्यायालय से गुहार लगाई। न्यायालय के आदेश पर स्थानीय थाना बालूमाथ में 15 मई 2025 को मजदूर ठेकेदार मकसूद मियां के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज किया गया है। इस संदर्भ में बालूमाथ थाना प्रभारी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मजदूर राम वृक्ष को खोजने के लिए पुलिस प्रयासरत है। वहीं लंबे समय से पति का गायब होने से पत्नी आहत है। बता दे कि लापता मजदूर का पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। पत्नी मजदूरी कर दोनों बच्चों को किसी तरह पाल रही है। पीड़ित पत्नी को स्थानीय थाना बालूमाथ से न्याय की उम्मीद है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम के मन की बात सुनी

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी बूथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी। मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल ने अपने घर में पीएम मोदी के मन की बात को सुनी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों से संवाद किए। आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। आक्रोश से भरा हुआ संकल्पबद्ध है।

आज हर भारतीय का यही संकल्प है कि हमें आतंकवाद को खत्म करना है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो पराक्रम दिखाया उसने हर हिंदुस्तान का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह कर दिया। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, यह हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया। यह उनका अदम्य साहस था और उसमें शामिल थी। भारत में बने हथियारों, उपकरणों और टेक्नोलॉजी की ताकत। उसमें 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी था। हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्निशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल है।

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाई महाराणी अहिल्याबाई होलकर की जयंती

लातेहार। जिला मुख्यालय के थाना चौक स्थित माता वैष्णो दुर्गा मंदिर के प्रांगण में महारानी अहिल्याबाई होलकर के 300 सौ वीं जन्म जयंती भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा दीप जलाकर और उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश से सीमा सिंह भाजपा महिला मोर्चा तथा लातेहार से स्थानीय वक्त के रूप में राजीव रंजन पांडेय शामिल हुए। साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, महामंत्री अमलेश सिंह, नगर अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी, अश्विनी सिंह, सोनू सिंह, महिला मोर्चा की महामंत्री अर्पणा सिंह, उषा सिंह, सुकन्या देवी, अभिनंदन प्रसाद, माता वैष्णो देवी मंदिर के पुजारी समेत अन्य शामिल थे।

जेएसएलपीएस के बीपीएम ने कार्यकताओं संग की बैठक, दिए निर्देश

गिद्धौर(चतरा)। प्रखंड परिसर में स्थित जेएसएलपीएस कार्यालय में बीपीएम सुरेंद्र प्रजापति ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ शनिवार को बैठक की। संचालन एफटीसी अनिल प्रजापति व एकाउंटेंट अमरजीत सिंन्हा ने संयुक्त रुप से किया। बैठक में लाखपति किसान का ऑनलाइन एंट्री करने, पिजी समूह में बिजनेस प्लान करने, एफपीओ में सदस्यों को जोड़ने व संख्या बढ़ाने, जिला में आरईसेटी में ट्रेनिंग के लिए टारगेट के अनुसार महिलाओं को भेजने, पशु सखी के द्वारा पीपीआर वैक्सीन अधिक से अधिक जानवरों को लगवाने, खरीफ फसल में लगने वाला बीज का अधिक से अधिक डिमांड समूह के महिलाओं से लेने एवं समूह से जुड़ी महिलाओं को बिजनेस प्लान करके आर्थिक रूप से सशक्त करने पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। हड़िया-माड़िया बनाने वाले गरीब महिलाओं को फूलों-झानो के तहत व्यवसाय के लिए प्रेरित करने का निर्देश बीपीएम ने सभी महिला कैडर को दिया। बैठक में एलएच, सीसी व क्षेत्र में कार्यरत दर्जनों महिला कैडर उपस्थित थी।

आजाद नगर में रेबीज संभावित कुत्ते को लेकर अभिभावक संघ अध्यक्ष ने की कार्रवाई की मांग

मेदिनीनगर। वार्ड संख्या 2, आजाद नगर सुदना क्षेत्र में एक पालतू लेकिन अब आवारा रूप में घूम रहे कुत्ते के कारण दहशत का माहौल बन गया है। इस संबंध में अभिभावक संघ अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता किशोर कुमार पांडे ने नगर निगम से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि उक्त कुत्ता बीमार प्रतीत हो रहा है और उसमें रेबीज जैसे लक्षण भी नजर आ रहे हैं। पांडे ने आशंका जताई कि यदि इस पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह किसी को काट सकता है या कोई अन्य अप्रिय घटना घट सकती है। उन्होंने नगर निगम से आग्रह किया कि तुरंत इस कुत्ते को पकड़कर आवश्यक चिकित्सा परीक्षण एवं कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन सुरक्षित रह सकें।

बीएस कॉलेज में 27 मई को कैंप का आयोजन

लातेहार। जिला मुख्यालय के बनवारी साहू महाविद्यालय परिसर में आगामी 27 मई को पीएफ से जुड़ी समस्याओं और शंकाओं को दूर करने के लिए कैंप लगेगा। इस संबंध में अधिक जानकारी दते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रदीप तिवारी ने बताया कि जिले के जो भी लोगों को पीएफ से संबंधित किसी तरह की समस्या रही है या शंका है, तो वह इस कैंप में आकर उसका समाधान करवा सकते हैं। कैंप में ईपीएफ से जुड़े कर्मचारी, पेंशनर या नियोक्ता पीएफ के विवाद का निपटारा करवा सकते हैं। ईपीएफओ अधिकारियों की ओर से पीएफ, पेंशन व कर्मचारी बीमा योजना से संबंधित सभी समस्याओं को सुना जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएफ बैलेंस की जानकारी दी जाएगी। बंद हुआ खाता, नियोक्ता और कर्मचारी के बीच विवाद का निस्तारण भी किया जाएगा।

दो फरार उग्रवादियों के घर इश्तेहार चिपकाया

बारियातू। पुलिस ने दो फरार उग्रवादी के घर इश्तेहार चिपका कर अविलंब सरेंडर करने की चेतवानी दी है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि रणजीत गंझू पिता नरेश गंझू ग्राम सती टांड़ थाना लावालौंग जिला चतरा व विनोद गंझू पिता शनिचर गंझू ग्राम जोरदाग थाना लावालौंग जिला चतरा के घर पर पुलिस ने न्यायलय के आदेश पर इश्तेहार चिपका कर सरेंडर करने को कहा गया है।

लातेहार में नेत्र जांच शिविर आज से

लातेहार। डीसी उत्कर्ष गुप्ता की पहल से लेंस कार्ट फाउन्डेशन, दिल्ली के द्वारा लातेहार की विभिन्न पंचायतों में आंख जांच शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर 26 से 30 तक प्रातः 08:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। उन्होने बताया कि सांसग पंचायत में 26 मई को , नावागढ़ पंचायत में 27 मई को, पाण्डेयपुरा पंचायत में 28 मई को, परसही पंचायत में 29 मई को, जबकि मोंगर पंचायत में 30 मई को कैंप लगाया जाएगा।

बेतला में बारिश से लोगों को मिली गर्मी से राहत

बेतला। बेतला में शनिवार की शाम हुई झमाझम बारिश हुई। इससे न सिर्फ तापमान में गिरावट आई है, बल्कि उमसभरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है। मालूम हो कि इसके पूर्व भीषण गर्मी से लोग त्राहि-त्राहि कर रहे थे। उमसभरी गर्मी से लोगों की रात की नींद हराम हो गई थी। बारिश से तापमान में आई गिरावट से लोगों ने राहत की सांस ली। इधर कुछ पशुपालकों ने शनिवार को हुई झमाझम बारिश को पशुओं और जानवरों के लिए फायदेमंद बताया। किसानों ने कहा कि बारिश से मवेशियों को अब चारा के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

लापरवाह कोयला लोड वाहनों को करें ब्लैकलिस्टेड : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया एसडीओ सन्नी राज के निर्देश पर अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न सड़कों पर शनिवार को दृश्यता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए परिवहन सड़क के किनारे सुरक्षा नियम बोर्ड, गति सीमा संकेत और परावर्तक टेप लगाए गए। इसके अलावा वाहनों की गति नियंत्रण रखने हेतु स्पीड गन का उपयोग वाहनों का स्पीड नियंत्रित करने हेतु किया गया। ज्ञात हो कि सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज की अध्यक्षता में कोल परियोजना क्षेत्र में होने वाले सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से अनुमंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक 15 मई 2025 को की गई थी। जिसमें एसडीओ ने परियोजना के पदाधिकारियों को साफ शब्द में निर्देशित करते हुए कहा था कि वाहन चालकों के लापरवाही के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की सूचना मिलते रहती है। इसपर नियंत्रण लगाने हेतु अभियान मोड में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरूक करें और इसके अलावे परियोजना क्षेत्र में निरंतर ड्रिंक एंड ड्राइव जांच, ओवर स्पीड जांच करें और दृश्यता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए सड़क के किनारे सुरक्षा नियम बोर्ड, गति सीमा संकेत, रिफ्लेक्टिव टेप लगाना सुनिश्चित करें। बैठक में प्राप्त निर्देश के आलोक में जिले के कोल परियोजना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण लगाने हेतु परियोजना द्वारा ट्रांसपोर्टरों द्वारा वाहनों का स्पीड जांच, ड्रिंक एंड ड्राइव जांच और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही दृश्यता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए सड़क के किनारे सुरक्षा नियम बोर्ड, गति सीमा संकेत, रिफ्लेक्टिव टेप समेत अन्य कार्य किए जा रहे है।

पूर्णाहुति के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ संपन

टंडवा (चतरा)। शनिवार को टंडवा प्रखंड अंतर्गत गाडीलौंग में आयोजित नौ दिवसीय रूद्र महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव में सराबोर रहे व पूरा क्षेत्र वैदिक मंत्रोच्चारण से गुंजायमान रहा। बताया गया कि आपसी सहयोग से जमा किये गये लगभग 75 लाख रूपए मंदिर के निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा व यज्ञ के आयोजन में खर्च किये गये हैं। महायज्ञ का हर्षोल्लास पूर्वक सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष दीपू चौरसिया, कोषाध्यक्ष सोनू चौरसिया, सचिव मनीष चौरसिया, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, उपसचिव राहुल चौरसिया, मीडिया प्रभारी कुलदीप दास, पूजा प्रभारी जुगल साव, द्वारका बरई, तिलेश्वर साव, प्रताप चौरसिया विजय गिरी, सुनील चौरसिया, चिंतामन बरई, कालेश्वर साव, राम लखन साव, अजीत यादव, शशि चौरसिया, प्रदीप साव, भीम साव, मनोज राणा, सुरेंद्र चौरसिया, लालमन साव, विपिन यादव, मीनू गुप्ता, जगदीश राम, प्रवीण यादव, उपेंद्र यादव, पप्पू चौरसिया, राजू चौरसिया, सुधीर चौरसिया, पवन चौरसिया, पिंटू राणा, विनय भुइंया, रामप्रवेश साव, दिनेश यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रभु प्रकाश पल्ली ने स्थापना का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रभु प्रकाश पल्ली साले ने धूमधाम से स्वर्ण जयंती मनाई। 11 बजे लोगों ने ईश्वर को 50 वर्षों तक कृपा बरसाने और कुशल रखने के लिए धन्यवाद दिया। इसकी नेतृत्व बिशप थियोडोर ने की। बिशप थियोडोर ने लोगों से अपने संदेश में कहा कि यह जुबली वर्ष साले पल्ली के लिए ही नहीं पर धर्मप्रांत के लिए भी ईश्वर को धन्यवाद देने का अवसर है। जिस प्रकार ईश्वर ने अपनी कृपा दृष्टी इस पल्ली में किया है। यह जुबली वर्ष को ईश्वर की दयालुता, विनम्रता, क्षमाशीलता और उदारता को दिखाता है। अब साले पल्ली के हर एक जन का यह उत्तरदायित्व है कि ईश्वर ने जो कृपा आप पर की है व वही आप सभी भी दूसरों से अपने पड़ोसी से करें। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों का अच्छा मार्ग दर्शक बने। मिस्सा पूजा में साले पल्ली से ही बहुत सारे पुरोहित और धर्म बहनों ने भाग लिया। मिस्सा के अंत में पल्ली की स्थापना और 50 वर्षों तक की लम्बी यात्रा का इतिहास पढ़ा गया और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर पल्ली पुरोहित मुक्तीलाल, फादर संजय गिद्ध, फादर सुरेश, फादर दिलिप, फादर बरथोलिमी सुमन, अमरदीप सहित अन्य फादर मिस्सा बलिदान में शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक खलखो के साले पारिष के अध्यक्ष सुमन एक्का, जेरोम जेराल्ड कुजूर, कुलदीप मिंज महिला संघ से पुनम टोप्पो, मुखिया उषा खलखो, मुखिया रेणुका टोप्पो, उपमुखिया राजेश टोप्पो सहित कई अन्य महिला पुरुष संघ और युवा संघ के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में संगीत प्रस्तुती साले पारिष के युवती संघ ने किया। साले पल्ली के इस अवसर पर स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह ,इस्तेखार अहमद, किशोर तिर्की, रामनरेश ठाकुर सहित कई लोग ने उपस्थित हो कर पल्ली वासियों को बधाईया दी।

पीटीआर के बेतला में पशुओं का टीकाकरण जारी

बेतला । पीटीआर के बेतला रेंज में जानवरों को संक्रमण रोग से बचाने के लिए विशेष पशु चिकित्सा शिविर के चौथे दिन रविवार को बेतला के तुरी टोला में विशेष टीकाकरण शिविर लगाया गया। इस दौरान पशु चिकित्सक डॉ सुनील कुमार, डॉ फरहद जब्बार और डॉ मीरा कुमार द्वारा एक दर्जन से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया। वहीं डॉक्टरों ने पशुओं को खुरपका-मुंहपका जैसे संक्रमण रोग से बचाव के लिए एफएमडी और एलएसडी वैक्सीन दिए जाने की बात बताई। इस दौरान वनपाल रामकुमार, वनरक्षी गुलशन सुरीन समेत कई पशुपालक मौजूद थे।

गौतम बने 15वें थाना प्रभारी, दिया योगदान

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना के नए थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक कुमार गौतम ने शनिवार को 15 वें थाना प्रभारी के रूप में योगदान दिया। योगदान देने के उपरांत नए थानेदार ने कहा कि थाना क्षेत्र में नशे के कारोबारी करने वालों को किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा। इस अवैध कार्य पर अंकुश लगाना पहली प्राथमिकता होगी। बताते चलें कि इसके पूर्व टंडवा थाना में पदस्थापित थे। आगे इन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था व शांति कायम किया जाएगा। थाना पहुंचने वाले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाएगा। थाना क्षेत्र के आम लोगों से सहयोग की अपील की। मौके पर निवर्तमान प्रभारी थाना प्रभारी अशोक कुमार पांडेय, पुलिस अवर निरीक्षक सोनी खलको समेत अन्य मौजूद थे।

बे-मौसम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

चतरा/कान्हाचट्टी। जिले के लगभग सभी क्षेत्रों में हो रहे प्रतिदिन बे मौसम बारिश से लोग परेशान हैं। बारिश के कारण लोगों का इन्फेक्शन खांसी और बुखार की समस्या से हो रहे हैं त्रस्त। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को हो रही है कठिनाई। साथ ही बे मौसम बारिश के कारण गरमा फसल को हो रहा है भारी नुकसान। किसान द्वारा कड़ी मेहनत कर उगाए फसल बे मौशम बारिश के कारण हो रहे नष्ट। ग्रामीणों का कहना है की मौसम इस प्रकार से रहेगी तो बाजार में सब्जी का भाव बहुत अधिक बढ़ जाएगा, अभी से ही सब्जी के भाव में वृद्धि देखी जा रही है, आने वाले समय में और भी आर्थिक बोझ का कारण बनेगी मौसम। हालांकि दूसरी और कुछ किसानों का कहना है कि प्रकृति ने शुरूआत अच्छी की है। इस वर्ष धान, मक्का आदि फसल का उत्पादन अच्छी होने की संभावना है।

सीएसपी केंद्र में पासबुक प्रिंट मशीन लगने से ग्राहको में हर्ष

पत्थलगड्डा। प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत सिंघानी में स्थित एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र में अब पासबुक प्रिंट मशीन की सुविधा होने से ग्राहकों में हर्ष है। इस मशीन के लग जाने से लोगो को बैंको की लाईन में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। यह जानकारी सीएसपी संचालक सतीश कुमार सिन्हा ने दी है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को अपने बैंक से लेन- देन की जानकारी पाने के लिए लोगों को काफी परेशानी होती थी। जिससे क्षेत्र के खाताधारकों को पासबुक प्रिंट कराने के लिए पत्थलगड्डा शाखा पर निर्भर रहना पड़ता था। हालांकि अब लोगों को बैंकों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

अनियंत्रित होकर बस सड़क किनारे गड्ढा में घुसा

सेन्हा-लोहरदगा। थाना क्षेत्र के अरु हेसवे पथ में मां सरना रोडवेज बस अनियंत्रित हो कर गड्ढा में घुस गया.जिसे क्रेन के सहायता से निकाला गया.किसी का हताहत होने की सूचना नही बस में चालक व उप चालक थे.वही जानकारी के अनुसार बताया जाता है.की डांडू करंज टोली निवासी गन्दूर लोहरा द्वारा अपना साला का विवाह में डांडू करंज टोली से सिमडेगा बरात जाने के लिये माँ सरना रोडवेज बस को रिजर्व किया गया था.जिस के लिये चालक बस को लेकर लोहरदगा से डांडू करंज टोली जाने के लिये निकला परन्तु अधिक रात होने के कारण चालक रास्ता भटक गया। उसी दौरान चौकनी हेसवे के बीच मे बस रास्ता किनारे गड्ढा में घुस कर पेड़ में अटक गया.बस में सवारी नही रहने के कारण बड़ा हादसा टल गया.जिसे काफी मकसत के बाद बस को क्रेन के सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

वट सावित्री व्रत को लेकर बाजारों में उमड़ी रौनक पूजन सामग्री की दुकानों पर दिखी चहल-पहल

धार्मिक आस्था से जुड़ा है यह पर्व, करवा चौथ जैसा मिलता है पुण्यफल

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न बाजारों में वट सावित्री पूजा को लेकर रौनक दिख रही है। सुबह से ही बाजार में पूजन सामग्री खरीदने के लिए महिलाओं के भीड़ जुट रही है। इधर महावीर चौक, शास्त्री चौक, अपर बाजार, गुदरी बाजार, बरवाटोली एवं इसके आसपास के क्षेत्र में सोमवार को मनाए जाने वाले वट सावित्री व्रत को लेकर रविवार को बाजारों में चहल-पहल तेज रही। पूजन में लगने वाले सामग्रियों की लोग खरीदारी कर रहे हैं। इसको लेकर सुबह से ही खासकर महिलाएं साड़ी, सौंदर्य प्रसाधन फल एवं पूजन सामग्री की दुकानों में खरीदारी कर रहे है। इसको लेकर बाजारों में चहल-पहल बढ़ी हुई है। बाजारों में पूजा में उपयोग की जानेवाली श्रृंगार सामग्री चूड़ी, सिंदूर, बिन्दी, मौली धागा, मेहंदी, रोड़ी, आईना, कंघी, आलता, रिबन, ब्लाउज पीस, कपड़ा, डलिया, पंखा, पाउडर, इत्र, काजल, परफ्यूम, तेल समेत अन्य पूजन सामग्रियों और श्रृंगार सामग्रियों को खरीदने के लिए महिलाओं की भीड़ देखी गई। महिलाएं सावित्री-सत्यवान की मूर्तियां, धूप, दीप, प्रसाद, बांस का पंखा, कलश और बांस से बनी अन्य सामग्री की खरीदारी में जुटी रही। इधर बांस से निर्मित सामान बेच रहे दुकानदार प्रदीप कुमार, सुभाष कुमार, अजय कुमार और आरती देवी ने बताया कि इस बार बांस की कीमत में वृद्धि होने के कारण इसकी कीमत में बढ़ोत्तरी हुई है। वही नवविवाहिताओं ने बताया कि वट सावित्री पर्व पति की लंबी आयु के लिए मनाया जाता है। सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ मास के अमावस्या की तिथि को मनाया जाता है। वट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। यह व्रत करवा चौथ के व्रत के समान ही फलदाई होता है। सुहागिन महिलाएं सोलह सिंगार करके दो टोकरी में पूजा का सामान लेकर बरगद के पेड़ के पास जाकर बरगद के पेड़ की जल अर्पित करती हैं। रोली चंदन लगाकर विधिवत पूजा करती हैं। कच्चा सूत बांधकर बरगद के वृक्ष की परिक्रमा करके अपने पति के दीर्घायु होने की कामना करती हैं। पुरोहित रामाधार पाठक, आनन्द पाठक, बृजमोहन पाठक ने बताया कि वट सावित्री का व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। वट सावित्री के दिन बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। इस बार वट सावित्री की पूजा आज होगी। बताया गया कि हर साल ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि के दिन वट सावित्री व्रत को सुहागिन महिलाएं करती हैं।

इस बार यह व्रत 26 मई सोमवार को शोभन योग में मनाया जाएगा। पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं वट सावित्री व्रत करती हैं। सनातन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है।

वट सावित्री पूजा की शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 26 मई को 12 बजकर 11 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 27 मई को सुबह 08 बजकर 31 मिनट पर तिथि का समापन होगा। ऐसे में 26 मई को वट सावित्री व्रत किया जाएगा। इसी दिन सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

न्यूज बॉक्स

15 जून को होगा जिला समिति का चुनाव

लोहरदगा। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज, लोहरदगा की कोर कमिटी की बैठक रविवार को संयोजक प्रो. शिवदयाल साहु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला समिति का सम्मेलन सह चुनाव आगामी 15 जून 2025 (रविवार) को तेली धर्मशाला, लोहरदगा में आयोजित किया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि चुनाव से पहले 01 जून से प्रचार-प्रसार अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत कोर कमिटी के पदाधिकारी जिले के प्रत्येक प्रखंड का दौरा करेंगे और समाज के अध्यक्ष व महासचिव बनने के इच्छुक सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा। अध्यक्ष व महासचिव पद हेतु नामांकन फॉर्म दिनेश चाय दुकान (कृषि बाजार के सामने) से शुल्क के साथ प्राप्त व जमा किए जा सकेंगे। नामांकन 10 जून से 14 जून तक किया जाएगा, जबकि नाम वापसी की अंतिम तिथि 15 जून (सम्मेलन के पूर्व) तय की गई है। धर्मशाला की देखरेख और बुकिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी कोर कमिटी सदस्य लाखपति साहु को सौंपी गई है। कोर कमिटी आयोजन के आय-व्यय का संपूर्ण लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी। बैठक में कार्यवाहक जिला अध्यक्ष मनोज साहु, रामबिलास साहु, विदेशी साहु, बजरंग साहु, शिवशंकर साहु, सोहन साहु, नंदकिशोर साहु मुन्ना, सत्यनारायण साहु सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे। तेली समाज का यह सम्मेलन संगठन को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सेवा भारती का 154वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के तत्वावधान में चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण में रविवार को लगातार 154वें सप्ताह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सुबह 7:30 बजे जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ. कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सह सचिव संजय चौधरी एवं अनामिका भारती ने भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। सभी उपस्थित लोगों ने "भारत माता की जय" के नारों के साथ राष्ट्र को नमन किया। इस शिविर में कुल 53 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवा कर लाभ प्राप्त किया। शिविर में हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी, वजन, हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि की जांच नि:शुल्क की गई, जबकि अन्य जांच आधारभूत शुल्क पर पैथोलॉजी द्वारा उपलब्ध कराई गई। डॉ. कुमुद अग्रवाल ने वर्षा ऋतु में मच्छरजनित बीमारियों से सावधानी बरतने की सलाह दी, वहीं दीपक सर्राफ ने कहा कि "जीव सेवा ही नारायण सेवा है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं।" उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल और अन्य सदस्यों ने बताया कि यह शिविर हर रविवार को एक घंटे के लिए नियमित रूप से लगाया जाता है। पैथोलॉजी के आशीष कुमार अग्रवाल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में सेवाभावी लोग उपस्थित रहे और शिविर संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

छारदा रोड न्यू बस्ती से हुई बाइक चोरी

सिसई(गुमला)। सिसई थाना क्षेत्र के छारदा रोड न्यू बस्ती से बाइक की चोरी की घटना हुई है। इस बावत बाइक मालिक सिसई बस्ती निवासी मो. अतिकूर रहमान अंसारी ने सिसई थाना में सन्हा दर्ज कराया है। अपने आवेदन में कहा है कि बीते शनिवार की रात में छारदा रोड न्यू बस्ती में जलसा का आयोजन किया गया था, रात साढ़े नौ बजे वो अपनी होंडा साइन-एसपी रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच 01 डीक्यू 6472 को छारदा रोड मस्जिद के पास खड़ी कर उक्त जलसा कार्यक्रम में शामिल होने गया था। आधे घंटे के बाद लगभग दस बजे वो अपने बच्चे को घर छोड़ने जाने के लिए बाइक रखे स्थल के पास पहुंचा,तब तक बाइक वहां से गायब था। काफी खोजबीन करने के बावजूद बाइक का कहीं कोई पता नहीं चला।

विश्व फुटबॉल दिवस पर टूर्नामेंट के माध्यम से लैंगिक समानता का संदेश दिया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विश्व फुटबॉल दिवस के अवसर पर सेंटर फॉर केटालाइज़िंग चेंज (सी3) द्वारा लोहरदगा जिले के सदर और कुरु प्रखंड में स्थानीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य खेल के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और लड़कों एवं पुरुषों की भूमिका को रेखांकित करना था। इस वर्ष की थीम "एकता में शक्ति है" के अनुरूप टूर्नामेंट ने खेल भावना के साथ-साथ शिक्षा, समान अवसर और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने का संदेश दिया। टूर्नामेंट में बमनडीहा, करंज टोली, उरूमूरु, मेरले सहित आठ टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम की खास बात एक सामूहिक शपथ रही, जिसमें खिलाड़ियों, दर्शकों, समुदाय के सदस्यों और नेताओं ने यह संकल्प लिया कि वे लड़कियों को शिक्षा, सम्मान और बराबरी का अधिकार देंगे और लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेंगे। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने और समानता लाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अपने घर, स्कूल और समुदाय में महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने की अपील की। आयोजन में पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, युवा क्लब, सहिया, सेविका और किशोर समूहों की सक्रिय भूमिका रही। लगभग 400 किशोर, किशोरियाँ और अभिभावकों ने भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया। सी3 संस्था जिले में किशोर स्वास्थ्य और विद्यालय कल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही है।

कैरो प्रखंड कांग्रेस कमेटी का विस्तार

कैरो / लोहरदगा । प्रखण्ड के स्व शिव प्रसाद साहू मेमोरियल भवन कैरो में रविवार को नव मनोनीत कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष बुधवा उराँव की अध्यक्षता में प्रखण्ड कमिटी विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओ की बैठक हुई।मौके पर सर्वप्रथम नव मनोनित प्रखण्ड अध्यक्ष का स्वागत किया गया। उसके बाद गहन विचार विमर्श,कार्यकर्ताओ से राय सुमारी के बाद सर्वसम्मति से प्रखण्ड उपाध्यक्ष के लिए महताब आलम और नाजिम आलम का चयन किया गया। वहीं प्रखण्ड महासचिव के लिये राममोहन उराँव,मोइन खान,ललित महतो,अनवर अंसारी,युनुश अंसारी, फूलकुमार भगत,प्रकाश उराँव,जोरावर खान,प्रवीण पांडेय का चयन किया गया। मौके पर प्रखण्ड अध्यक्ष समेत सभी पार्टी पदाधिकारियों ने दिए गए जिम्मेवारी को निभाने व पूरी निष्ठा के साथ पार्टी हित मे कार्य करने की बात कही। मौके पर प्रदेश यूथ कांग्रेस के अल्ताफ अंसारी,शरत कुमार विद्यार्थी,किशोर भगत, मुस्लिम अंसारी,मुनी उराँव,रामप्यारी उराँव,सहजादी खातून सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हनहट लैंपस लिमिटेड के अध्यक्ष पर अनियमिता का आरोप

लोहरदगा। जिले के कैरो प्रखण्ड अंतर्गत हनहट लैम्पस लिमिटेड के अध्यक्ष रंजीत लकड़ा पर ग्रामीणों ने गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2016 से रंजीत लकड़ा पद पर बने हुए हैं, जबकि लैम्पस का चुनाव पूरी तरह से कागजी हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव कब हुआ और कार्यकारिणी सदस्य कौन-कौन हैं, इस बात की कोई जानकारी नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, रंजीत लकड़ा सभी सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर कराकर बैठकें आयोजित करते हैं और अकेले ही लैम्पस का कामकाज चला रहे हैं। इससे लैम्पस में चल रही गड़बड़ियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। वर्ष 2021 में रंजीत लकड़ा अवैध शराब के मामले में आरोपी पाए गए थे और आठ महीने जेल भी गए थे।

केजीबीवी सेन्हा के खाते से 8 लाख 70 हजार रुपया का हुआ अवैध निकासी

सेन्हा-लोहरदगा। थाना क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सेन्हा के वार्डन पूनम कुमारी ने शनिवार सेन्हा थाना में आवेदन देकर जानकारी देते हुए बताया कि कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय सेन्हा के खाता से 8 लाख 70 हजार रुपया की अवैध निकासी कि गई है.वही पैसे का अवैध निकासी क्लोन चेक के माध्यम से निकाला गया है.पैसा निकासी में पांच फर्जी चेक का उपयोग किया गया है.वार्डन पूनम कुमारी द्वारा बैंक खाता को शाखा में अपडेट कराने के पश्चात मालूम हुआ कि बैंक शाखा गुमला से निकासी किया गया है.जो अज्ञात अपराधी द्वारा 24 अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच पैसे का निकासी किया है.वही थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने जानकारी देते कहा कि कस्तूरबा आवासीय विद्यालय सेन्हा से वार्डेन का जाली हस्ताक्षर कर चेक के माध्यम से अवैध राशि की निकासी का मामला है.जो सेन्हा थाना कांड संख्या 57/25, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) के तहत दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है.फर्जी पैसा निकासी करने वाले या साइबर वाले जो भी हैं। वे सभी जल्द ही पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

देश की बदलती तस्वीरों में युवाओं की विचारधारा अहम : सचिन कुमार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। रविवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू के नेतृत्व में जिले के विभिन्न बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और प्रधानमंत्री के संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान नगर अध्यक्ष सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया गया। श्री साहू ने कहा कि "देश की बदलती तस्वीरों में युवाओं की विचारधारा और उनका योगदान दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।"

प्रधानमंत्री ने बाघों की संख्या में वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, खेलो इंडिया में बिहार की उपलब्धियों, स्वच्छ भारत मिशन और मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती जैसे अनेक विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी नागरिकों से इन प्रयासों को अपनाने और आगे बढ़ाने का आह्वान किया। भाजपा नगर उपाध्यक्ष अशोक कांस्यकार ने कहा कि "'मन की बात' हमें देश की प्रगति और सामाजिक विकास की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है।" कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर प्रियंका साहू, जया मिश्रा, देवेंद्र पाठक, धनेश महतो, बबलू साहू, इश्तियाक अहमद, नंदू मुंडा, अभिराज कुमार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वैदिक लघु गुरुकुल में सनातन धर्म की मिल रही शिक्षा

लोहरदगा। वैदिक विश्व मंगल न्यास द्वारा संचालित वैदिक लघु गुरुकुल में प्रत्येक रविवार को सनातन हिंदू धर्म की शिक्षा देने की अनूठी पहल प्रारंभ कर दी गई है। इस शैक्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को वैदिक ज्ञान, धर्म और संस्कृति से जोड़ना है। रविवार को आयोजित प्रथम कक्षा में डॉ. अशोक आचार्य ने विद्यार्थियों को पुराणों की गूढ़ताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि परमात्मा ने वेदों के ज्ञान को कैसे सृष्टि तक पहुँचाया, इसका विस्तार पुराणों के माध्यम से हुआ। उन्होंने 18 पुराणों की श्लोक संख्या, रामायण के महाकाव्य स्वरूप तथा सनातन धर्म की उत्पत्ति संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. आचार्य ने यह भी समझाया कि वेदों की रचना की आवश्यकता क्यों पड़ी और ईश्वर ने सृष्टि के प्रारंभ में ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए वेदों के माध्यम को क्यों चुना।

चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की बैठक में जिला कमेटी का विस्तार

15 जून तक युवा मोर्चा की पूर्ण कमेटी गठित करने का लक्ष्य

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक यदुवीर धर्मशाला, लोहरदगा में सम्पन्न हुई, जिसमें हाल ही में संपन्न चुनाव के पश्चात जिला कमेटी का विस्तार किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने की। कमेटी विस्तार में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। परमेश्वर वर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदीप नारायण सिंह को महासचिव और श्याम सुंदर वर्मा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। कमेटी में बड़ी संख्या में कार्यकारी सदस्य, मार्गदर्शक मंडली, कानूनी सलाहकार और मीडिया प्रभारी शामिल किए गए हैं। बैठक में युवा मोर्चा का भी गठन किया गया, जिसमें मनोरंजन वर्मा को जिला युवा अध्यक्ष, प्रेम वर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष और सूरज कुमार वर्मा को महासचिव नियुक्त किया गया। उन्हें निर्देश दिया गया कि एक महीने के भीतर पूर्ण युवा कमेटी का गठन कर जिला समिति को सौंपें। जिला अध्यक्ष की स्वीकृति के बाद युवा मोर्चा पूरी तरह कार्यशील हो जाएगा। महिला मोर्चा और नगर कमेटी का गठन आगामी बैठकों में किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मैट्रिक और इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के होनहार बच्चों को सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए सम्मान समारोह आयोजित करने पर विचार हुआ। जिला अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने कहा, "समाज को आगे ले जाना हम सभी की जिम्मेदारी है। चुनाव में जीतने और न जीतने वाले सभी सदस्यों का सम्मान करते हुए हम सभी को साथ लेकर चलेंगे।"

जातीय जनगणना में सरना धर्म कोड अलग से करने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष रूस्तम अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में आगामी 26 मई को राजधानी रांची में सरना धर्म को मांग को लेकर राजभवन का घेराव कार्यक्रम एवं आगामी 29 मई को लोहरदगा जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली में प्रखंड क्षेत्र के कांग्रेसियों की अधिक से अधिक भागीदारी को लेकर आवश्यक विचार विमर्श किया गया इस बैठक में प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे जिला प्रवक्ता प्रदीप विश्वकर्मा, प्रखंड पर्यवेक्षक संतोष महतो एवं जिला मीडिया सेल के प्रकाश उरांव विशेष रूप से उपस्थित थे इस मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने उपस्थित पंचायत अध्यक्ष एवं कांग्रेसियों को संबोधित करते हुए कहा कि कल दिनांक 26 मई को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा आदिवासियों की चिर परिचित मांग जो उनके अस्मिता एवं धार्मिक पहचान से जुड़ा है। जातीय जनगणना में सरना धर्म कोड अलग से करने की मांग को लेकर जो झारखंड सरकार द्वारा विधानसभा से पारित कर केंद्र सरकार के पास भेजा गया है। जिसे केंद्र सरकार यथाशीघ्र लागू करे। वहीं 29 मई को जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी लोहरदगा के द्वारा किया जा रहा है इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय नेता शिरकत करेंगे। केंद्र की भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई है तभी से संविधान को खत्म करने की साजिश रची जा रही है जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस के हमारे नेताओं को सोनिया गांधी जी एवं राहुल जी को झूठा मुकदमा में फंसाया गया है इन्हीं सब मुद्दों को लेकर देशवासियों को भाजपा सरकार की गलत नीतियों का विरोध कर उनका पर्दाफाश किया जाएगा।

आदर्श मोटर सहयोग समिति लिमिटेड किस्को के अध्यक्ष की मनमानी रवैया से परेशान ट्रक ऑनर

किस्को के सभी ट्रक मालिको ने थामा इंटक यूनियन का दामन

- "आप सभी एकजुट रहें हम सभी मिलकर किसी भी जंग को जीत सकते हैं"

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पूर्व राज्यसभा सांसद सह छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन(इंटक) के महासचिव धीरज प्रसाद साहू के थाना रोड स्थित आवास पर में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मिलन समारोह में पाखर से रिचूघुटा चलने वाले बॉक्साइट ट्रक आंनर एसोसिएशन (आदर्श मोटर सहयोग समिति लिमिटेड किस्को) का विलय इंटक यूनियन में हुआ। वहीं दूसरी ओर पाखर से लोहरदगा चलने वाले ट्रकों के एसोसिएशन (पाखर लोहरदगा)(ट्रक ओनर एसोसिएशन)के सभी ट्रक मालिक आदर्श मोटर्स सहयोग समिति किस्को के अध्यक्ष के मनमानी रवैया से परेशान होकर छोटानागपुर बाक्साइड एंड कोल वर्कर्स इंटक यूनियन में शामिल हुए। सभी का स्वागत माला पहनाकर पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने किया। लगभग 300 ट्रक मालिको ने छोटानागपुर बाक्साइड एंड कोल वर्कर्स(इंटक)की सदस्यता ग्रहण की, लोहरदगा ,गुमला और लातेहार में चलने वाले सभी बॉक्साइट ट्रकों के सभी एसोसिएशन इंटक के हो गए। क्योंकि इससे पूर्व पाखर चलने वाले एसोसिएशन इंटक में शामिल नहीं थे ,बाकी सभी ट्रक एसोसिएशन पूर्व से ही इंटक में शामिल थे. सभी का स्वागत करते हुए सांसद पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू जी ने कहा कि यह एक शुरुआत है, पिछले दिनों पाखर के सभी श्रमिक जो इंटक से छूटे हुए थे वे इंटक में शामिल हुए ,जो ट्रक एसोसिएशन इंटक से छूटे हुए थे ,आज शामिल हो गए ,आने वाले समय में बॉक्साइट एवं कोयला में सभी जगह छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन (इंटक) बखूबी अपना दायित्व निभाएगी। उन्होंने कहा कि आप सभी एकजुट रहे हम सभी मिलकर किसी भी जंग को जीत सकते हैं। चाहे वह हिंडाल्को कंपनी हो या और भी कोई भी मुद्दा हो, इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल ने कहा की कुछ छुट भैया नेता अपने आप को ओरिजिनल इंटक का नेता बता कर बरसाती मेंढक की तरह टरटरा रहे हैं और मजदूर नहीं मिलने पर महिला के नेता बने हुए हैं ,किंतु उनको यह पता होना चाहिए कि हम सभी के अभिभावक स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू जी के समय से पूरे झारखंड में और खास करके लोहरदगा, लातेहार एवं गुमला जिलों में उन्हीं के नेतृत्व में इंटक आज तक काम कर रही है और इंटक का मतलब हमारे नेता धीरज प्रसाद साहू जी हैं. मिलन समारोह को संबोधित करते हुए अन्य वक्ताओं ने भी कहा कि धीरज प्रसाद साहू जी ही एक ऐसे नेता हैं जो सिर्फ देना सीखे हैं लेना नहीं .यहां पर कुछ स्वार्थी नेता जो कंपनी की दलाली करना पसंद करते हैं वैसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है जो केवल अपना ट्रांसपोर्टिंग और रेजिंग लेने के लिए मर रहे हैं,आज हेसल में रैयतो को उचित जमीन का मुआवजा का मामला हो ,विमरला ट्रक मालिकों के साथ इंसाफ का मामला हो या सभी ट्रक मालिकों को भाड़ा दिलाने का मामला हो या श्रमिकों की कोई भी समस्या हो धीरज प्रसाद साहू जी ने सभी को खुले मन से मदद किया है।

एंटी-क्राइम वाहन जांच अभियान में 25 वाहनों का कटा चालान

चैनपुर। पुलिस अधीक्षक शंभू सिंह के निर्देश पर रविवार को चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में रविवार को एक सघन एंटी-क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया. थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी और एएसआई धर्मपाल लुगुन के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान वाहनों के कागजात, हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस और ड्रिंक एंड ड्राइव की जांच की गई.चौधरी ने बताया कि जांच के क्रम में 25 वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं पाए गए, जिसके कारण उनका चालान काटा गया।

ग्रामीणों की बैठक, भारत आदिवासी पार्टी ने आदिवासी हितों की सुरक्षा की उठाई मांग

ठेठईटांगर। केरया गांव में रविवार को ग्रामीणों की आम बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामसभा संचालन, शराब नीति, जमीन अधिकार और पेसा कानून को लेकर कई अहम मुद्दे उठाए गए। बैठक की अध्यक्षता प्रोफिनियूस लुगुन ने की, जिन्होंने कहा कि केरया पूर्वी ग्रामसभा के प्रधान के इस्तीफे के बाद ग्रामसभा की गतिविधियां बाधित हो रही हैं। उन्होंने पारंपरिक और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र नया ग्राम प्रधान चुनने की मांग की।भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा को सर्वोच्च अधिकार प्राप्त है और उसे सशक्त बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कांग्रेस-झामुमो की शराब नीति को आदिवासी समाज के लिए विनाशकारी बताया और कहा कि गांव-गांव में शराब दुकानों की मंजूरी आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली पर हमला है।चिराग ने मांग की कि अबुआ सरकार संविधान के अनुच्छेद 19(5), 19(6) और समता जजमेंट 1997 के आलोक में आदिवासी हितों की रक्षा के लिए ठोस कानून बनाए।

सड़क हादसे में घायल ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत

कुरडेग। कुरडेग–कुटमाकछार मुख्य मार्ग पर शनिवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक राहुल मोटो की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा खुंटाटोली खालीजोर के पास उस समय हुआ जब एक सोलह चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया।हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का स्टीयरिंग बॉक्स चेसिस से पूरी तरह अलग हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पेड़ से टकराने के बाद ट्रक चालक ट्रक से गिरकर पक्की सड़क पर आ गया और ट्रक कुछ दूरी जाकर फिर से एक अन्य पेड़ से टकरा गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।रविवार सुबह इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई।

दर्दनाक सड़क हादसा में एक की मौत, एक गंभीर घायल

- **घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाए घंटों हो गई नहीं मिली एंबुलेश**

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर(गुमला)। चैनपुर थाना क्षेत्र के टोंगो संत पीटर के समीप रविवार दोपहल में दो मोटरसाइकिलों की जोरदार भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान भटौली निवासी दिलधरण रौतिया (45 वर्ष) पिता स्वर्गीय पोकला रौतिया के रूप में हुई है, जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, पकरीटोली निवासी दुबराज रौतिया (39 वर्ष) पिता राम प्रसाद रौतिया गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के वक्त गुमला प्रभारी महेंद्र करमाली चैनपुर आ रहे थे, जिन्होंने घायल दुबराज रौतिया को तत्काल चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।परिजनों ने बताया कि घायल को घंटों इंतजार के बाद गुमला सदर अस्पताल ले जाया जा सका।परिजनों के मुताबिक, दिलधरण रौतिया और दुबराज रौतिया किसी काम से कासिर गए थे और वापस लौटते समय यह दुर्घटना हुई।घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना के एएसआई नंदकिशोर कुमार और पुलिस जवान मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली एवं परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिक्षा परियोजना भवन में चोरी का खुलासा, दो चोर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना भवन, गुमला में हाल ही में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में दो चोरों को गिरफ्तार कर सीसीटीवी मॉनिटर सहित चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया गया है। गुमला थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने इस बाबत जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों में अंबेडकर नगर भुइयां मोहल्ला निवासी अशफाक खान उर्फ गुड्डू (पिता- स्व. इरफान खान) और सुमित कुमार (पिता- स्व. अनिल राम) शामिल हैं। पूछताछ में दोनों ने ताला तोड़कर शिक्षा परियोजना भवन से सीसीटीवी मॉनिटर की चोरी की बात कबूल की है। उनकी निशानदेही पर चोरी गया मॉनिटर अशफाक के घर से बरामद कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया की जब पुलिस टीम बाजार गुमला में गश्त कर रही थी, तभी दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। शक के आधार पर जवानों ने दौड़कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में उन्होंने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, अशफाक खान पूर्व में भी चोरी के आरोप में जेल जा चुका है, जबकि सुमित कुमार की यह पहली आपराधिक घटना है। फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने इसे एक बड़ी सफलता मानते हुए टीम को सराहना दी है।

सड़क जल्द बनाने की मांग को लेकर सैकड़ो की संख्या में जुटे ग्रामीण

- **बानो जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना ने संवेदक को अविलंब सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने की कही बात**

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बानो प्रखंड के एल्ला अंबा टोली में निर्माणाधीन सड़क के अधूरे कार्य और खराब स्थिति से नाराज़ होकर सैकड़ों ग्रामीण रविवार को सड़क पर उतर आए। प्रदर्शन का नेतृत्व सोय पंचायत की मुखिया सोमवारी कैथवार ने किया।ग्रामीणों के बीच सड़क पर एकजुट होने की सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य बिरजो कंडुलना मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने संवेदक रीजनेबल इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। साथ ही, मुंशी को गड्ढों पर डस्ट डालने के लिए भी कहा ताकि जब तक निर्माण कार्य प्रारंभ न हो, तब तक ग्रामीणों को थोड़ी राहत मिल सके।प्राप्त जानकारी के अनुसार, MRL-01-T01 योजना के तहत कोनसोदे प्रीतम चौक से एल्ला, तिनसोंगड़ा, बरबेड़ा होते हुए पंडरापानी (SHT-03) तक कुल 11.575 किमी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कई स्थानों पर पुलिया का कार्य भी प्रस्तावित है। लेकिन बीते कुछ महीनों से निर्माण कार्य ठप पड़ा है। सड़क की खुदाई के बाद दोनों किनारों पर मिट्टी भर दी गई है, जिससे बीच सड़क पर गड्ढे बन गए हैं और वहां जल जमाव व कीचड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है।ग्रामीण बिरसु गुड़िया और अन्य ने बताया कि यह क्षेत्र की एकमात्र संपर्क मार्ग है जिससे विद्यालय, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और प्रखंड कार्यालय तक पहुँचा जाता है। सड़क पर कीचड़ और गड्ढों की वजह से स्कूली बच्चों को गिरने से चोट लग रही है, वहीं ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।मुखिया सोमवारी कैथवार ने बताया कि सोय पंचायत के कुल आठ राजस्व गांवों में एल्ला अंबा टोली भी शामिल है। ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए संवेदक को कहा गया है कि जब तक कार्य दोबारा शुरू नहीं होता, तब तक कीचड़ और गड्ढों वाली जगहों पर डस्ट या मुर्रम डालकर आवाजाही लायक बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बारिश का मौसम नजदीक है, ऐसे में समय रहते कार्य न प्रारंभ हुआ तो स्थिति और खराब हो जाएगी।जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना ने मौके पर उपस्थित मुंशी अरमान अंसारी को निर्देश देते हुए कहा कि अगले दिन दोपहर 12 बजे तक सभी जलजमाव वाले गड्ढों पर डस्ट डाला जाए। मुंशी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि तय समय में डस्ट डाल दिया जाएगा और जल्द ही निर्माण कार्य भी फिर से शुरू किया जाएगा।इस प्रदर्शन में मुकेश साहू, अमृत जोजो, खातिरान जोजो, जुसपु गुड़िया, कल्याण जोजो, जोहान जड़िया, गुलशन जोजो, प्रेमचंद जोजो, इसाव्या जोजो, हलन जोजो, नेल्सन, तानी, सुरसेन जोजो, मेरी जोजो, सुसारी जड़िया, फिलीप जोजो, प्यारी जोजो, आनंदी जोजो, सुनिता जोजो, प्रमोदीन जोजो, ज़ोहन तोपनो, सुशिला जोजो, अनिता जोजो, जमुस तोपनो, सेवंती जोजो, सफीरा जोजो, आसीयान जोजो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई डीप बोरिंग की गुहार

पालकोट (गुमला)। पालकोट प्रखंड के बघिमा पंचायत अंतर्गत बड़का टोली गांव में भीषण जलसंकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किल कर दी है। नल-जल योजना के माध्यम से सीमित मात्रा में पानी की आपूर्ति हो रही है, लेकिन गर्मी के मौसम में यह भी जवाब देने लगी है। गांव के लोग वर्षों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब हालात विकराल हो चुके हैं। स्थानीय निवासी सत्यनारायण मिश्रा ने बताया कि गांव में सदियों से जल संकट की समस्या बनी हुई है। ग्रामीण नदी और कुएं का पानी पीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि गांव में बोरिंग कराना भी ग्रामीणों के लिए आसान नहीं है, क्योंकि हल्के बोरिंग में पानी नहीं निकलता और डीप बोरिंग की लागत वहन करना आम ग्रामीणों के लिए असंभव है। वहीं महिला सृष्टि देवी ने बताया कि गर्मी में जब पानी की किल्लत और बढ़ जाती है, तब चिलचिलाती धूप में महिलाओं को नदी तक जाकर पानी लाना पड़ता है। यह न केवल शारीरिक रूप से थकाने वाला है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम भरा है। स्थानीय निवासी सैलेश मिश्रा ने जिला प्रशासन से अपील की है कि गांव की इस गंभीर समस्या को देखते हुए जल्द से जल्द डीप बोरिंग की व्यवस्था कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके और उनका जीवन सामान्य हो सके।

बकरी चोरी के आरोप में एक व्यक्ति की हुई पिटाई

रांची। रांची के सुखदेव नगर इलाके में रविवार को बकरी चोरी करते हुये पकड़े जाने पर एक व्यक्ति की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी, जबकि उसके अन्य साथी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भागने में कामयाब हो गए। गनीमत यह रही कि पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और चोर को भीड़ से छुड़ा कर थाने ले गई। नाराज लोगों ने मौके पर खड़ी चोरों की कार को निशाना बनाया और उसमें तोड़फोड़ की। सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया की चोरी कर जितनी भी बकरियां ले जायी जा रही थीं, सबको बरामद कर लिया गया है।

आर एन सिंह सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया अहिल्याबाई होलकर की जयंती

सिसई (गुमला)। शनिवार को रंजीत नारायण सिंह सरस्वती विद्या मंदिर, कुदरा सिसई में महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही मातृ भारती का भी गठन किया गया। प्रधानाचार्य देवेंद्र वर्मा के साथ मातृ भारती की अध्यक्षा लीलावती देवी तथा अन्य आगंतुक माताओं एवं आचार्यों द्वारा संयुक्त रूप से अहिल्याबाई की चित्र पर पुष्प अर्पित तथा दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आचार्य मृत्युंजय कुमार ने बताया कि महारानी अहिल्याबाई होलकर एक महान न्याय प्रिय और धर्मभीरू महिला थी। एक गाय का बछड़े की हत्या हो जाने पर गाय को न्याय दिलाने के लिए अपने पुत्र को भी मृत्युदंड देने के लिए तैयार हो गई। प्रधानाचार्य देवेंद्र वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह वर्ष उनके जन्म का त्रिशताब्दी वर्ष के रूप में पूरे भारतवर्ष में मनाया जा रहा है।

कांग्रेस आज सरना धर्म कोड लागू करने को लेकर करेगी प्रदर्शन

रांची। प्रदेश कांग्रेस की ओर से 26 मई को सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में यह धरना-प्रदर्शन होगा। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने रविवार को बताया कि एक लंबे अरसे से आदिवासी समुदाय अपने धार्मिक पहचान को पाने के लिए सरना धर्मकोड की मांग कर रहा है, जिसका कांग्रेस पूरी तरह से समर्थन करती है और चाहती है कि आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड का एक कॉलम भी अंकित किया जाए।

वन अधिकार अधिनियम 2006 पर प्रशिक्षण से ग्रामीण हुए लाभान्वित

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के पंचायत भवन चैनपुर में आज फिया फाउंडेशन संस्था द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को वन कानून के महत्व और उसके तहत मिलने वाले अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक फिया फाउंडेशन के प्रखंड समन्वयक ललित कुमार और प्रेमजीत मुंडा थे। ललित कुमार ने वन अधिकार कानून 2006 के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कानून क्यों बना, कब लागू हुआ, कहाँ-कहाँ लागू है, और किसके लिए बना है। साथ ही, उन्होंने यह भी समझाया कि इस कानून के तहत कौन-कौन पात्र हैं और इसमें कितने तरह के अधिकार निहित है।प्रशिक्षण में सामुदायिक पट्टा मिलने के बाद की प्रक्रिया को भी गहराई से समझाया गया। इसमें सामुदायिक आवेदन कैसे भरते हैं, उसमें कौन-कौन से दस्तावेज लगाने होते हैं, इन सभी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। ललित कुमार ने बताया कि जब किसी ग्राम सभा को सामुदायिक पट्टा मिलता है, तो सबसे पहले ग्राम सभा द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी करना पड़ता है। इसकी सूचना अंचल कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय और वन अधिकार के नोडल पदाधिकारी को दी जाती है, जिसमें बताया जाता है कि गांव में सामुदायिक वन पट्टा प्राप्त हो गया है और सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति का गठन किया जाना है। इसके बाद, निर्धारित समय में ग्राम सभा कर समिति का चुनाव कैसे किया जाता है, यह भी बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया।

श्रीराम जानकी राधाकृष्णा मंदिर की वर्षगांठ पर निकली भव्य कलश यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध नवरत्नगढ़ की धरती सिसई एक बार फिर भक्ति की गंगा में सराबोर हो उठी। श्रीराम जानकी राधाकृष्णा मंदिर की चतुर्थ वर्षगांठ के पावन अवसर पर रविवार को नगर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुषों और कन्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा की शुरुआत मंदिर प्रांगण से हुई, जो मंगलगान और जयघोष के बीच मसनिया नदी तक पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार एवं पवित्र पूजन के साथ जल भराई की रस्म अदा की गई। श्रद्धालुओं ने कलशों में पवित्र जल भरकर यज्ञ मंडप तक यात्रा को पूर्ण किया। सम्पूर्ण नगर भक्ति की गूंज और श्रद्धा की आभा से आलोकित हो गया। इस शोभायात्रा में हिन्दू जागरण मंच के झारखंड प्रदेश संयोजक ऋषिनाथ शाहदेव, परावर्तन प्रमुख संजय वर्मा, प्रखंड संयोजक मुकेश ताम्रकार, विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल के प्रमुख कार्यकर्ता रोहित शर्मा, मुकेश श्रीवास्तव, मनोज वर्मा, उदय कुशवाहा, राजकुमार पौराणिक, अरुण नारायण सिंह तथा आयोजन समिति के दामोदर तत्वा, बजरंग बड़ाइक, सत्येंद्र साहू सहित अन्य दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे। मंदिर समिति द्वारा वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 25 मई से 31 मई 2025 तक श्री दुर्गा मंदिर प्रांगण में दिव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कथा काशी से पधारे प्रख्यात संत सप्तऋषि स्वामी कमल दास अग्निहोत्री जी महाराज के श्रीमुख से प्रतिदिन दोपहर 3:30 बजे से संध्या 7:30 बजे तक आयोजित हो रही है। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन 12 घंटे का अखंड हरिकीर्तन भी हो रहा है। 1 जून 2025 को पूर्णाहुति, सरना सनातन महा सम्मेलन तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही सात दिवसीय यह दिव्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा। नगरवासियों में आयोजन को लेकर अपार श्रद्धा और उल्लास देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

चुनाव को लेकर हलचल हुई तेज

सिमडेगा। नौ वर्षों के बाद एक बार फिर जिले में चैंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव को लेकर गतिविधि शुरू हुई है। चेम्बर ऑफ कॉमर्स के द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिले का कोई भी स्थायी दुकानदार और पंजीकृत व्यवसायी 1100 रूपए सदस्यता शुल्क के साथ चेम्बर ऑफ कॉमर्स का सदस्य बन सकता है। 31 मई तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और उसके बाद चेम्बर ऑफ कॉमर्स की नई कमिटी के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शनिवार को शहर के व्यापारियों का एक ग्रुप मार्केट कम्प्लेक्स में घूम घूमकर दुकानदारों को चेम्बर ऑफ कॉमर्स की जानकारी देते हुए सदस्यता अभियान चलाया।मौके पर कई दुकानदारों ने सदस्यता भी ग्रहण की।

न्यूज बॉक्स

डांट से नाराज़ किशोरी ने खाया चूहा मारने की दवा, अस्पताल में भर्ती

जारी। जारी थाना क्षेत्र के कोदाधोबारा गांव में एक 15 वर्षीय किशोरी ने पिता की डांट से नाराज़ होकर चूहा मारने वाली दवा खा ली, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई. परिजनों ने तुरंत उसे चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है.जानकारी के अनुसार प्रवीण तिर्की की पुत्री 15 वर्षीय ने शनिवार को अपने घर का काम कर रही थी. इसी दौरान किसी बात को लेकर उसके पिता प्रवीण तिर्की ने उसे डांट दिया. पिता की डांट से आहत होकर अपने कमरे में गई और वहां रखी चूहा मारने की दवा खा ली.कुछ देर बाद जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी. परिजनों ने बिना देर किए आनन-फानन में चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी उपचार कर रही है. घटना के बाद से परिवार में हड़कंप मचा हुआ है।

छात्रा को सांप ने काटा, समय पर इलाज से बची जान

गुमला। गुमला शहर के डीएसपी रोड स्थित मुरली बगीचा मोहल्ले में शुक्रवार की शाम एक 19 वर्षीय छात्रा रिया कुमारी सर्पदंश का शिकार हो गई। छात्रा जैसे ही घर के बाहर सड़क पर निकली, तभी एक काले रंग का विषैला सांप अचानक उसके पैर से लिपट गया। घबराकर छात्रा ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन इसी बीच सांप ने उसके पैर में डंस लिया और नाली में जा छिपा। घटना के तुरंत बाद छात्रा दौड़ती हुई घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। परिजन बिना समय गंवाए रिया को गुमला सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार छात्रा की हालत फिलहाल स्थिर है और उसे निगरानी में रखा गया है। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सांप की सक्रियता को देखते हुए बच्चों और बुजुर्गों को सतर्क रहने की सलाह दी है। परिजनों ने राहत की सांस ली है कि समय पर इलाज मिल जाने से रिया की जान बच गई।

50 वर्षीय व्यक्ति ने खाया उर्वरक, अस्पताल में भर्ती

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के तुरियाडीह हुटार गांव में एक 50 वर्षीय व्यक्ति द्वारा उर्वरक खाने का मामला सामने आया है। पीड़ित रतन उरांव की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें देर रात गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार, रतन उरांव शनिवार की रात गांव में घूमने के बाद घर लौटे। कुछ ही देर बाद उन्होंने घर में रखा उर्वरक (खाद) खा लिया। उर्वरक सेवन के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें चक्कर आने लगे। आनन-फानन में परिजन उन्हें रात 10 बजे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि रतन उरांव ने उर्वरक क्यों खाया। परिजन भी इस संबंध में कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं। डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

पत्नी के वियोग में पति ने खाया कीटनाशक, रिम्स रेफर

गुमला। पालकोट थाना क्षेत्र के काली मंदिर के समीप रहने वाले बिरसा उरांव ने पत्नी के मायके चले जाने के वियोग में कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद परिजनों ने पहले उसे कोलेबिरा अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां से चिकित्सकों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा उरांव अक्सर शराब पीने का आदी था और शराब के नशे में पत्नी से अक्सर विवाद करता था। कुछ दिन पहले इसी बात से नाराज होकर पत्नी अपने सबसे छोटे बेटे को लेकर मायके चली गई। पत्नी के चले जाने के बाद वह अपने चार बच्चों के साथ घर पर ही था, लेकिन बच्चों की देखभाल में असमर्थ था। परिजनों ने बताया कि उसने पत्नी से फोन पर घर लौटने की गुजारिश की, जिस पर पत्नी ने शर्त रखी कि जब तक वह शराब नहीं छोड़ेगा, तब तक वह वापस नहीं आएगी। इस बात से आहत होकर बिरसा उरांव ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। फिलहाल उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस को भी घटना की सूचना दे दी गई है और मामले की जांच जारी है।

पेड़ से टकराया पिकअप, दो घायल

भरनो (गुमला)। भरनो चट्टी मुख्य सड़क पर रविवार को जामटोली गांव के समीप एक डीजे साउंड लदा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया और पलट गया। इस दुर्घटना में पिकअप में सवार दो साउंड ऑपरेटर घायल हो गए। घायलों की पहचान इटकी थाना क्षेत्र के लु गांव निवासी छोटू लकड़ा और छोटू उरांव के रूप में हुई है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से भरनो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, डीजे साउंड वाहन समसेरा गांव से साउंड सिस्टम लोडकर नगड़ी की ओर लौट रहा था। जामटोली गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही एक कार और साइकिल सवार को बचाने के क्रम में चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पेड़ से टकरा गया और पलट गया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना पर भरनो थाना के एसआई मंटू चौधरी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। ग्रामीणों की तत्परता और पुलिस की मदद से घायलों को समय पर इलाज मिल सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क दुर्घटनाओं के लिए संवेदनशील है और वहां अक्सर वाहनों की तेज रफ्तार से खतरा बना रहता है।

बानो प्रखंड मुख्यालय में ग्रीष्मकालीन मेला शुरू, खेल-तमाशे और दुकानों से गुलजार

बानो। बानो प्रखंड मुख्यालय में हर साल लगने वाला ग्रीष्मकालीन मेला रविवार को पारंपरिक विधि-विधान के साथ आरंभ हो गया। मेला का शुभारंभ गांव के पहान द्वारा ग्राम देवता की पूजा कर किया गया, जिसके बाद विधिवत मेला शुरू हुआ।यह मेला केवल बानो प्रखंड ही नहीं, बल्कि रनिया, आनंदपुर, कोलेबिरा जैसे पड़ोसी प्रखंडों के ग्रामीणों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र होता है। ग्रामीणों के लिए यह मेला सिर्फ एक मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल और पारंपरिक संस्कृति से जुड़ाव का अवसर भी है।मेला में इस बार ड्रैगन झूला, चकरी झूला, टावर झूला और मौत का कुआं जैसे रोमांचक खेल-तमाशे लगाए गए हैं, जो बच्चों और युवाओं को खासा आकर्षित कर रहे हैं। वहीं, महिलाओं और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए साज-सज्जा, बर्तन, कृषि उपकरण और श्रृंगार की दुकानें भी सजाई गई हैं।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

आपकी मुस्कुराहट में अनंत परमात्मा की हँसी स्पन्दित होनी चाहिए। उनके प्रेम की बयार को दूसरों के हृदयों में आपकी मुस्कुराहटें फैलाने दें। उनका तेज संक्रामक होगा। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

टैरिफ युद्ध और बदलती बात

अपनी समृद्धि और गुणवत्तापूर्ण जीवन से सर्वाधिक आकर्षण के केंद्र रहे अमेरिका की बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने अपने हितों को सर्वोपरि रखने में कोई झिझक नहीं थी भले उसका संसार में जो भी असर हो। वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप अपने वाचाल और बदलते बयानों से भले विचित्र लगें पर अमेरिका का ऐतिहासिक चरित्र लगभग यही है जिस पर अब अंकुश भारत अपने सबसे बड़े बाजार की ताकत का इस्तेमाल कर लगा पाने लगा है। अमेरिका अभी भारत से सीधे टक्कर नहीं ले सकता पर परोक्ष युद्ध में उलझाने से बाज भी नहीं आ सकता। उसके पास दुकान है और हमारे पास विश्व का सबसे बड़ा बाजार यदि ईमानदारी से हम डटे रहें तो चीन की तरह इसे भी झुका सकते हैं। अमेरिका द्वारा हाल ही में चीन पर थोपे गए टैरिफ वृद्धि में कटौती की है। अमेरिका ने चीनी आयात पर टैरिफ को 145 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी कर दिया है, जबकि चीन ने अमेरिकी आयात पर शुल्क को 125 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया है। इससे द्विपक्षीय व्यापार तनाव में काफी कमी आई है और इसी वजह से वित्तीय बाजारों में तेजी आई। बुरी खबर दोतरफा है। सबसे पहले, आधुनिक मानकों के हिसाब से शेष टैरिफ अब भी ऊंचे हैं। कुल मिलाकर, बहुत संभव है कि यह एक नई आधार रेखा तय हो गई है। द्विपक्षीय टैरिफ-मुक्त व्यापार बीते युग की बात हो गई है। दूसरी बात, ये टैरिफ कटौतियां 90 दिनों तक लागू रहेंगी, जबकि बातचीत जारी रहेगी। बातचीत में संभवतः कई ऐसे मुद्दे शामिल होंगे, जिनका समाधान मुश्किल होगा। चीन की मुद्रा प्रबंधन नीति और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों द्वारा संचालित औद्योगिक सब्सिडी प्रणाली पर चर्चा होगी। साथ ही, कई गैर-टैरिफ अवरोध भी होंगे, जिन्हें बीजिंग नल की तरह चालू और बंद कर सकता है। चीन असीमित मात्रा में अमेरिकी सामान खरीदने की पेशकश कर रहा है- यह ट्रंप के प्रथम राष्ट्रपति काल के अमेरिका-चीन 'पहले चरण के समझौते' की पुनरावृत्ति है, जिसे लागू नहीं किया गया था। जब तक अमेरिका बीजिंग की जवाबी कार्रवाइयों के आगे झुकने का निर्णय नहीं ले लेता, तब तक अमेरिका को दोबारा धोखा मिलते देखना कठिन है। इन बिंदुओं पर सहमति न बनने से यह बदसूरत सच्चाई उजागर हो जाएगी कि दोनों देश संवेदनशील माने जाने वाले सामान पर द्विपक्षीय निर्यात नियंत्रण लागू किए हुए हैं, जैसे सेमीकंडक्टर (अमेरिका से चीन) और प्रसंस्कृत महत्वपूर्ण खनिज (चीन से अमेरिका)। अन्य देशों के साथ अपनी तथाकथित 'पारस्परिक' वार्ता में, अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों पर दबाव डाल रहा है कि वे अमेरिकी बाजारों में भेजे जाने वाले अपने निर्यात से चीन से आयातित कुछ संवेदनशील वस्तुओं को हटा दें। चीन इन अमेरिकी मांगों से बेहद नाखुश है और उसने इन मांगों को अपनाने वाले व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी है। कुल मिलाकर, इस घोषणा को एक संघर्ष विराम समझौते के रूप में देखा जा सकता है, जो इस अंतर्निहित संरचनात्मक वास्तविकता को नहीं बदलता है कि अमेरिका और चीन बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा के एक दीर्घकालिक चक्र में फंसे हुए हैं। इस चक्र में उतार-चढ़ाव (नवीनतम घोषणा और पूर्व के टैरिफ युद्ध) होंगे। फिलहाल, दोनों पक्ष जीत की घोषणा करने और अन्य मामलों पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमत हुए हैं।

अमेरिका अभी भारत से सीधे टक्कर नहीं ले सकता पर परोक्ष युद्ध में उलझाने से बाज भी नहीं आ सकता।

बीएचयू का भाषाविज्ञान विभाग और मैं

भाग - 2

एक विद्यार्थी के लिए समय लेना कठिन तो था। परंतु मुझे समय मिल गया।उस समय बीएचयू के कुलपति डा. हरिनारायण जी थे और उनके पीए/पीएस थे बाला जी (बाल सुब्रह्मण्यम्)। बड़े कर्मठ और अनुशासनप्रिय व्यक्ति थे। मैं तो एक छात्र था। परंतु ईश्वर की कृपा से जल्दी ही उनका स्नेहभाजन बन गया। मैंने कुलपति से मिलने के लिए जब भी समय माँगा, उन्होंने दे दिया। दो महीने के अंदर मैं चार बार कुलपति से मिला था। वही अपना माँग-पत्र और उसका रिमाइंडर लेकर। वे हर बार बड़े प्रेम से मेरी बात सुनते और 'देखेंगे' का आश्वासन देते।चौथी बार नियति ने पलटी मारी। इस बार कुलपति श्री हरिनारायण जी ने आगे का रास्ता मुझे सुझाया। उन्होंन कहा- आप ऐसे दौड़ते रहेंगे, तो कोई बात नहीं बनेगी। आप एक मीटिंग बुलवाइए, जिसमें सभी संबंधित अधिकारी शामिल हों। वे लोग बताएँगे कि विभाग की क्या स्थिति है। उनके इस सुझाव से मुझे अँधेरे में प्रकाश मिल गया। मैंने बाला जी से मीटिंग की एक तारीख तय कराई। अब वह तारीख मुझे याद नहीं है। तारीख मिल जाने के बाद मैंने मीटिंग की एक सूचना तैयार की। कुलसचिव, उपकुलसचिव (एकेडेमिक), डीन तथा इंचार्ज हेड डा. सत्यस्वरूप मिश्र को इसकी जानकारी दी। आपको यह जानकर हैरानी हो रही होगी कि मीटिंग की सूचना कुलपति कार्यालय से नहीं जारी की गई थी। मैंने यह सूचना स्वयं सबको दी थी। वह मान्य भी हुई थी।परंतु उसी दौरान एक घटना घट गई, जिसके लिए मैं तैयार नहीं था। मेरे गुरु डा. बीपी गुप्त जी कोई पदाधिकारी नहीं थे। इसलिए बैठक में उन्हें नहीं बुलाया था। परंतु डीन ने डा. गुप्त जी का भी नाम जोड़ दिया। डीन बदल चुके थे। नये डीन लाइब्रेरी साइंस के प्रोफेसर/हेड डा. पी. के. कौल बने थे। कौल जी गौर वर्ण तथा ऊँचे डीलडौल के व्यक्ति थे। बड़ा प्रभावशाली व्यक्तित्व था।भाषाविज्ञान विभाग को पूर्ण विभाग का दर्जा दिलाने के लिए मैं प्रयत्न कर रहा हूँ, डा. सत्यस्वरूप मिश्र जी बस इतना ही जानते थे। उसके लिए क्या-क्या कर रहा हूँ, वह उनको मालूम नहीं था। डा. गुप्त जी को तो कुछ नहीं मालूम था। उन्हें कुछ मालूम न पड़े, अब तक मैंने इसकी पूरी सावधानी रखी थी। कारण ऊपर बता चुका हूँ। यह सब पता चल जाने के बाद गुप्त जी ने मुझसे स्वयं कहा था कि उनके 'हेडशिप' में विभाग बनवा कर आप क्या करेंगे! इन्चार्ज हेड डा. मिश्र जी थे, तो पूर्ण विभाग बनने के बाद हेड वे ही बनेंगे, यह तो स्पष्ट था।खैर, अगली समस्या मेरी यह थी कि बैठक में मुझे अपने गुरु डा. बीपी गुप्त का डट कर सामना करना पड़ेगा। बैठक के एक दिन पहले रात में देर तक मैंने दुर्गाशप्तशती का पाठ किया था आत्मबल प्राप्त करने के लिए।वह समय आ ही गया। बैठक की तारीख तो नहीं याद, परंतु समय तीन बजे का था। चूँकि मैं इस इस पूरे खेल खेल का सूत्रधार था, इसलिए समय से थोड़ा पहले कुलपति कार्यालय पहुँच गया। परंतु डा. गुप्त जी तो मुझसे भी पहले पहुंच गए थे। कार्यालय के सामने गलियारे में बड़ी बेचैनी से चहलकदमी कर रहे थे। बेचैनी स्वाभाविक थी। विभाग के बारे में कुलपति के साथ यह पहली बैठक थी। डीन ने तो उन्हें केवल इतना ही बताया था कि कुलपति के साथ बैठक है।मुझे देखकर वे चौंके। पूछा आप कैसे? मैंने कहा- गुरु जी, यह बैठक हमने ही बुलाई है। हमारी कुछ माँगें हैं, उन पर विचार करने के लिए।फिर मैं अंदर कार्यालय में जाकर बैठ गया।बैठक का समय हुआ। सभी आहूत महानुभाव कुलपति के कक्ष में पहुंचे। कुलपति के अर्धचंद्राकार टेबल के सामने सभी लोग बैठ गए। मेरे दाहिनी ओर डा. गुप्त जी थे, उनके बाद डा. मिश्र जी थे, उनके बाद डीन, फिर उपकुलसचिव (एकेडेमिक), कुलसचिव। मेरे बायीं ओर पहले वर्ष का एक छात्र गंगाधर सिंह था। उसके बाद दूसरे वर्ष के छात्र मेरे अग्रज तुल्य मित्र श्री मनबोध पांडेय थे।सबके बैठ जाने के बाद मैंने तुरंत संचालन आरंभ कर दिया। मुझे डर था कि बैठक की दिशा कहीं बदल न जाए! मुझे क्या कहना है, वह मैंने पहले से तैयार कर रखा था - 'सर! यह बैठक छात्रों के द्वारा बुलाई गई है। छात्रों की कुछ माँगें हैं। मैं क्रम से एक-एक माँग पढूँगा। संबंधित अधिकारी उसका उत्तर देंगे।' परंतु जो अंतिम वाक्य वाक्य था, वह बड़ा गजब का था। उसके शब्द आज भी मेरी चेतना में गूँजते हैं। वह वाक्य मैंने डा. गुप्त जी के लिए तैयार किया था। वह वाक्य था - 'कृपया, इस बैठक को व्यक्तिगत कुत्सित राजनीति का अखाड़ा न बनाया जाए।'एक-एक शब्द को मानो चबाते हुए मैंने वह वाक्य बोला था। उसके लिए बहुत प्रेक्टिस की थी। आप कल्पना कीजिए। बीएचयू जैसे विश्वविद्यालय के कुलपति तथा विश्वविद्यालय के अन्य उच्च अधिकारियों के समक्ष ऐसा बोलना बड़े साहस का काम था। साथ ही बड़ी अशिष्टता का भी काम था। फिर भी मैं बोल गया। परिस्थिति ही ऐसी थी। मैं भयभीत बिल्कुल नहीं था।क्षण भर के लिए पूरे कक्ष में सन्नाटा छा गया। परंतु मैंने बोलना जारी रखा। बैठक बहुत लंबी नहीं चली। कारण कि उसमें लंबी-चौड़ी बहस जैसा कोई विषय न था। मैं अपनी एक-एक माँग पढ़ता गया और थोड़ी चर्चा के बाद सारी माँगों को स्वीकृति मिल गई। फिर कुलपति जी से मैंने कहा- सर, यह सब हमें लिखित लिखित चाहिए। उन्होंने हमारे डीन महोदय की ओर संकेत करते हुए कहा वह आपके डीन दे देंगे। डीन कौल जी ने हामी भरी और बैठक पूरी हुई। बड़ी आसानी से हमारी माँगें पूरी हो चुकी थीं। परिणामतः मेरा दिमाग कुछ अधिक ऊँचाई पर पहुंच गया था। इसलिए मैंने एक अनधिकार चेष्टा कर दी। दूसरे दिन पूरी कार्यवाही का विवरण लिखकर डीन महोदय के पास ले गया और उस पर उनसे हस्ताक्षर करने को कहा। डीन महोदय से मुझे डाँट मिली। कारण कि कार्यवाही का विवरण लिखना मेरा यानी किसी छात्र का काम नहीं था। कार्यालय का काम था। दूसरे दिन डीन आफिस की तरफ से इस आशय का पत्र हमें मिल गया कि हमारी सभी माँगें मान ली गई हैं। परंतु डीन महोदय ने उसमें एक ऐसा मुद्दा अपनी तरफ से जोड़ दिया था, जिसकी चर्चा बैठक में नहीं हुई थी।

वह मुद्दा डा. बीपी गुप्त जी के पक्ष में था। वह देखकर डा. मिश्र जी बहुत परेशान हुए। अब क्या किया जा सकता था। डीन ने अपने अधिकार का प्रयोग कर दिखाया था। फिर मैं डिप्टी रजिस्टार श्री श्री मुखर्जी जी से मिला। उनको यह बात बताई और अपनी चिंता से उन्हें अवगत कराया। मुखर्जी साहब भी बड़े सज्जन व्यक्ति थे। उनका भी मुझ पर बहुत स्नेह था। खड़े-खड़े हमारी बातें हो रही थीं। उन्होंने मेरी पीठ पर हाथ रखा और बड़े स्नेह से कहा - चिंता क्यों करते हो! मैं हूँ न ! लागू तो हमें ही करना है! कागज पर लिखा रहने दो।हमारी माँगें पूरी हो चुकी थीं। परीक्षा के लिए केवल तीन महीने का समय रह गया था। कोर्स अधूरा होने का हवाला देकर अब मैं नयी नियुक्ति के लिए डीन पर और अधिक दबाव बनाने में जुट गया। उस समय मुझे यह तो पता था नहीं कि ऐसे काम इतनी जल्दी नहीं होते। परंतु हमें तो अपने काम से मतलब था।उसी दौरान एक दिन शाम को लगभग पाँच बजे डीन आफिस की तरफ से निकल रहा था। देखा डा. मिश्र जी बड़ी तेजी से डीन आफिस की सीढ़ियाँ उतर रहे थे। मैं रुक गया। पास आकर उन्होंने बताया कि फेकेल्टी मीटिंग थी। उस दिन डीन ने हमारे लिए एक नयी व्यवस्था बनाई थी। जर्मन विभाग के प्रोफेसर/हेड थे डा. उपाध्याय जी। बड़े स्मार्ट थे। विदेशी विभाग के प्रोफसर थे तो उनका हावभाव भी विदेशी जैसा रहता था। जब तक हमारे यहाँ नयी नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक हमारा कोर्स पूरा करने की जिम्मेदारी डीन महोदय ने उन्हें सौंप दी। दूसरे दिन साढ़े तीन बजे वे विभाग में आने वाले थे। मिश्र जी व्यक्तिगत तौर पर उनसे बहुत घबराते थे। हमारा एक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषाविज्ञान का था। वही पढ़ाने के लिए उपाध्याय जी आने वाले थे। मिश्र जी ने कहा कि कुछ कक्षाएँ देकर देखते हैं। **(क्रमशः)**

बीएचयू की **बात**

योगेन्द्रनाथ मिश्र

पवित्रता के ठेकेदार

गाँव के कोने में एक बुज़ुर्ग रहते हैं जिन्हें सब 'पवित्रता के ठेकेदार' कहते हैं। उनकी बातों में ऐसा ठंडापन और कठोर नियम होता है मानो वे किसी प्राचीन नियम-पुस्तक से सीधे उतर आए हों। शादी-ब्याह हो या पूजा-पाठ, यहाँ तक कि छींकने के नियम भी उनके पास दर्ज हैं। उनकी पत्नी ने सात जन्मों तक किसी पुरुष को नहीं देखा, वे अपनी संतानों की शादी मंडप में ही करते हैं, दहेज देने और लेने का नियम कड़ाई से निभाते हैं। अगर कोई अपनी मर्जी से कदम उठाए, तो वे इसे पवित्रता का उल्लंघन मानते हैं। गाँव की कलंक-चर्चा उनका सबसे बड़ा मनोरंजन है। दिनभर वो दूसरों की बुराइयाँ गिनाते, लोगों के कुकर्म गढ़ते और उन घटनाओं पर चूर्ण फूँकते रहते हैं जिससे उनका दिल खुश होता है। बचा-खुचा वक्त वे अपनी मूँछों के सफेद बाल उखाड़ते हुए बिताते हैं, या फिर बर्तन बेचनेवाली की राह देखते रहते हैं, शायद अपने अकेलेपन को भुलाने के लिए। वे अपनी पवित्रता का पूरा ठेका संभाले बैठे हैं, मानो इस ठेकेदारी में उनका जीवन ही समाया हो। खाने के बाद उनका पहला काम कलंक-चर्चा का चूर्ण फूँकना होता है। उनका हाजमा इससे उत्तम रहता है। वे बीते दिनों की कथाएँ बताकर अपनी आत्मा को संतृष्ट करते हैं — दो लड़कियाँ भाग गईं, तीन स्त्रियाँ गर्भपात कर चुकी हैं, चार शादियाँ गैर-बिरादरी में हो गईं, और दो पतिव्रता लोग प्रणय-प्रसंग में फँस गए। हाल ही में तो दांत की तकलीफ़ लेकर आए और फिर भी खबरों का ताना-बाना बुनना नहीं छोड़ा। कहते हैं, "अमुक साहब की लड़की अमुक लड़के के साथ भाग गई है, इलाहाबाद में शादी कर ली। देखो, कितना बुरा ज़माना आ गया।" पर मैं जानता हूँ, वे सच में बुरे ज़माने से दुखी नहीं, बल्कि खुश हैं। जितना ज़्यादा पतन होगा, उन्हें उतना ही गर्व होगा यह कहते हुए कि इतने बुरे समय में भी वे सही राह पर हैं। ये लोग बड़ी चतुराई से अपने पतन को समूह के पतन में बदल देते हैं, ताकि उनकी गलती छुप जाए और वे खुद को सही साबित कर सकें। ये लोग अपनी गिरावट की कहानी खुद गढ़ते हैं और उसपर गर्व करते हैं, जबकि असल में वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से कतराते हैं। मेरी आदत है कि मैं उनकी बातों का पुराण उल्टा-पुल्टा जवाब देता हूँ। एक बार मैंने कहा, "देश में अच्छी शादियाँ तो लड़की भगाकर ही हुई हैं। कृष्ण ने रुक्मिणी का हरण किया था, अर्जुन ने सुभद्रा से शादी की। इसमें उनकी मंजूरी थी, और अगर भाई सहयोग करे तो लड़कियाँ आसानी से भाग जाती हैं।" ये सुन वे चौंक गए, "भगवान कृष्ण की बात अलग है।" मैंने जवाब दिया, "हाँ, भगवान अलग हैं। जब भगवान कोई काम करें तो वह धर्म बन जाता है, पर साधारण इंसान अगर वही करे तो वह अपराध बन जाता है। उस लड़की ने अपनी मर्जी से शादी की, इसमें क्या गलत है?" वे गरम हो गए, "आप उल्टी बातें करते हो, रीति-रिवाज, परंपरा क्या होती है? लड़का-लड़की अलग जाति के हैं।" **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी **बात**

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

"श्रृंगार के पास तमाम तरह की कुंठाओं के इलाज की है क्षमता!"

श्रृंगार शब्द का नाम सुनते ही मन में गुदगुदी सी होने लगती है। यह एक ऐसा शब्द है जिसकी उपस्थिति मात्र से एक संपूर्ण संसार हमारी नजरों के सामने आ खड़ा होता है क्योंकि इसका दायरा अपने आप में बहुमुखी है। इसमें सजावट की सज्जनता, सौंदर्य प्रसाधन, प्रेम, आकर्षण की भावनाओं आदि के साथ साथ सामाजिक परिवर्तन के तत्व भी मौजूद होते हैं। सामान्यतः हम शरीर को सुंदर बनाए रखने के लिए आभूषण, कपड़े, कॉस्मेटिक्स आदि के उपयोग से श्रंगार का अर्थ निकाल लेते हैं। भारतीय संदर्भ में इसे देखें तो न केवल इसके नौ रसों के बगैर किसी भी साहित्यिक रचना की कल्पना असंभव बन जाती है तो अनादि काल से यह हमारी महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार की गति के साथ बंधा हुआ नजर आने लगता है। माथे पर बिंदी, मांग में सिंदूर, हाथों में चूड़ी-कंगन और पैरों में पायल जैसी चीजें देखकर एक साधारण से व्यक्ति को भी यह बखूबी पता चल जाता है कि हमारे संस्कारों से बंधे इस संदर्भ का संबंध हमारी संस्कृति के साथ कितनी गहराई तक जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं, यह एक ऐसा मामला है जो हमें धरती के अन्य सभी जीव जन्तुओं से विशिष्ट बनाए रखने का साधन भी मुहैया करा जाता है। हम सभी जानते हैं कि बैल, गधे, हांथी आदि में से कोई भी श्रृंगार के प्रति कतई उदारता नहीं दिखा सकता। ऐसा इसलिए होता है कि अपनी तमाम विशिष्टताओं के बावजूद जानवर कोई भी हो वह वह मनुष्य नहीं हो सकता है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य होने के नाते केवल हम ही हैं जो हांथ घुमा सकते हैं, सीधा खड़े हो सकते हैं, नाना प्रकार के आविष्कारों की सोच सकते हैं, भाषा व लिपि के माध्यमों से तमाम प्रतीकों का हस्तांतरण कर सकते हैं और श्रृंगार के महत्व को जान सकते हैं। इस दृष्टिकोण से देखें तो सौंदर्य के प्रति हमारी यह उदारता मनुष्य की असीमित क्षमता का एक प्रदर्शन बनकर स्वतः सामने आ जाता है। सौंदर्यबोध के प्रति यह सबकुछ सार्वभौमिक तथ्य के विषय हैं परन्तु इसकी मौलिकता का विषय हमेशा से विवादित बन कर सामने आता रहता है। इस विवाद की गंभीरता का अनुमान सिर्फ इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि दो पीढ़ियों के बीच सौंदर्य का यह मामला हमारे लिए सदैव "कम्यूनिकेशन गैप" का विषय रहा है। इस पूरे तथ्य की मौलिकता देखनी हो तो अति पिछड़ेपन व आदिकालीन संस्कृति का आरोप झेल रहे झारखंड की माटी से अच्छा उदाहरण शायद ही कहीं और देखने सुनने को मिले। ऐसा इसलिए कि यह एक ऐसी माटी रही है जिसकी अपनी एक अलग ही संस्कृति रही है और सौंदर्यबोध को लेकर यह हमेशा से एक मौलिक अवधारणा का मालिक रहा है। इस मौलिकता के बीच आज भले ही "डाममंड रिंग" की भौतिकता का प्रचलन जोरों पर नजर आ रहा है परन्तु कल पर नजर डालें तो यहाँ की युवतियों को इतराने के लिए पत्तों से बने कान के नैसर्गिक श्रृंगार, फीता, पैरों की माला, गले के हार से लेकर खोंसा, खोंगसो, चांदवा, बेड़ा, कंठी, गांठिया, झलका, मलकुड़ी, तरपत, ताड़ा, कलियारी, डंडी आदि का बोलबाला हुआ करता था। आज यह सबकुछ विलुप्तप्राय हो चुका है और इतिहास के पन्नों में कहीं गुम हो चुका है। इतना ही नहीं, वर्तमान पीढ़ी अब श्रृंगार के उपरोक्त साधनों से पूरी तरह बाहर होते हुए इनके प्रति बेरूखी की राह पर चल चुका है। निसंदेह सौंदर्यबोध भी परिवर्तनशील होता है और शेष भूभागों की तरह झारखंड की माटी में रचा बसा मौलिकता का रंग भी बेरंग हो चुका है। ऐसे में बेरंग होते इस रंग की रस्म अदायगी का नतीजा सामने है कि निरंतर बढ़ रहे सुविधा साधनों के बीच आज समाज में कहीं न कहीं असंतोष है, विद्वेष है, कुंठा है और कम्युनिकेशन गैप की उग्रता है? साथ में सवाल यह भी है कि यह सब कुछ कहीं श्रृंगार रस की मौलिकता में रचे बसे भाव की क्षीणता का कुप्रभाव तो नहीं है? संजीदगी से देखें तो ऐसा कुछ भी नहीं है क्योंकि अपने आप में एक पूरे कालखंड को समेटने में सक्षम श्रृंगार ही वह रस है जिसके पास तमाम तरह की कुंठाओं के लिए कारगर दवा भी होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

संस्कृति की **बात**

केदारनाथ दास

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

हिज्जा हिज्जा रूप का, पढा हजारों बार।
मुखर मौन में मिल गया, शब्द कोश का सार।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

"भाषा ही जीवन है"

मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग और विशिष्ट बनाने वाला सबसे बड़ा गुण उसकी भाषा है। भाषा ही जीवन है, यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व का मूल है। जिस प्रकार हमारे शरीर के लिए श्वास आवश्यक है, उसी प्रकार हमारे व्यक्तित्व, संबंधों, समाज और संस्कृति के लिए भाषा आवश्यक है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, यह विचारों, भावनाओं, संस्कारों और सभ्यता की संवाहक है। हमारे जीवन में भाषा की भूमिका सर्वव्यापक है। सोचने से लेकर समझाने तक, सीखने से लेकर सृजन तक, हर प्रक्रिया में भाषा की उपस्थिति है। यह आत्माभिव्यक्ति का माध्यम है, आत्म-संयम का औजार है, और सामाजिक संवाद की रीढ़ है। भाषा हमें यह सिखाती है कि कब, क्या, कैसे और कितना बोलना चाहिए। यही संयम और विवेक भाषा को जीवनदायिनी बनाते हैं। जब हम अपनी भाषा पर नियंत्रण रखते हैं, संयम से बोलते हैं, तो संबंधों में मिठास आती है, विवादों में शांति मिलती है और संवाद में सौंदर्य रचता है। वहीं अनर्गल, असंयमित और कटु भाषा न केवल व्यक्तिगत संबंधों को बिगाड़ती है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न कर सकती है।

भाषा हमारे व्यक्तित्व का आईना होती है। व्यक्ति का बोली-बातचीत का तरीका, उसकी शब्द चयन की क्षमता, उसकी वाणी में विनम्रता या उद्दंडता ये सब उसके चरित्र और संस्कारों को दर्शाते हैं। एक सुशिक्षित और सुसंस्कृत व्यक्ति वही होता है जिसकी भाषा में संतुलन, संवेदना और विचारशीलता हो। इसीलिए कहा गया है – "वाणी को मधुर बनाएँ, यही आपकी असली पहचान है।" भाषाएँ अनेक प्रकार की होती हैं – मौखिक, लिखित, सांकेतिक, दृश्य-श्रव्य, और डिजिटल संचार की आधुनिक भाषाएँ। विश्व में हजारों भाषाएँ हैं, भारत में ही 122 से अधिक प्रमुख भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ बोली जाती हैं। भारतीय भाषाओं का इतिहास अत्यंत प्राचीन है – संस्कृत, प्राकृत, पाली से लेकर हिंदी, उर्दू, बांग्ला, तमिल, तेलुगु, मराठी आदि भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। भाषा की उत्पत्ति मानव सभ्यता के आरंभिक काल में हुई जब लोगों ने विचारों को ध्वनियों, संकेतों और प्रतीकों के माध्यम से प्रकट करना शुरू किया। धीरे-धीरे यह व्यवस्थित रूप में विकसित हुई और आज के विस्तृत भाषाई संसार की नींव बनी। आज की युवा पीढ़ी डिजिटल और वैश्विक युग में पल रही है। उनके लिए बहुभाषी होना एक कौशल है, लेकिन मातृभाषा से जुड़ाव उनकी जड़ों से जुड़ने जैसा है। हिंदी, अंग्रेज़ी, और क्षेत्रीय भाषाओं में संतुलन बनाकर संवाद करना आज की ज़रूरत है। युवाओं को यह समझना होगा कि भाषा केवल पेशेवर सफलता नहीं, सामाजिक सौहार्द और आत्म-संवर्धन का भी माध्यम है। भाषा केवल संवाद नहीं, आंदोलन का माध्यम भी है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक सुधार आंदोलनों तक, भाषा ने ही विचारों को जनता तक पहुँचाया। गांधीजी का 'हिंदी को जनभाषा बनाओ' का आह्वान हो या भगत सिंह के पत्र – ये सभी उदाहरण बताते हैं कि भाषा कितनी शक्तिशाली होती है। धार्मिक शांति हो या राजनीतिक समरसता, सामाजिक समरसता हो या सांस्कृतिक संरक्षण हर क्षेत्र में भाषा का संयमित और सकारात्मक प्रयोग ही समाधान देता है।

भाषा ही जीवन है, क्योंकि वह हमारी आत्मा, सोच, भावना और व्यवहार का आधार है। भाषा हमें जोड़ती है, सिखाती है, सजग बनाती है। हमें चाहिए कि हम अपनी बोली पर ध्यान दें, वाणी में संयम रखें और भाषा के माध्यम से प्रेम, शांति और विकास का संदेश फैलाएँ। भाषा के माध्यम से ही हम समाज को दिशा दे सकते हैं, पीढ़ियों को जोड़ सकते हैं और आत्म-निर्माण के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं। "संयमित भाषा, संयमित जीवन – यही है सभ्यता की असली परिभाषा।"

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

ऐतिहासिक उपलब्धि

संयुक्त राष्ट्रीय पर्वतारोहण दल ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय पर्वतारोहियों की एक टीम ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने का कीर्तिमान स्थापित किया। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले इस दल में भारतीय सेना के जवान, प्रशिक्षक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि देश के प्रमुख पर्वतारोहण संस्थानों — जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स पहलगाम, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी और हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट दार्जिलिंग — के प्रशिक्षकों की संयुक्त पर्वतारोहण टीम ने 23 मई 2025 को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह अभियान 26 मार्च 2025 को शुरू हुआ था। 26 मार्च को नई दिल्ली से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा हरी झंडी दिखाकर पर्वतारोहियों के दल को रवाना किया गया था। इस दल का नेतृत्व नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के प्राचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया और जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के प्राचार्य कर्नल हेम चंद्र सिंह ने किया। इस दल में पांच विशेषज्ञ प्रशिक्षक शामिल थे।

प्रशिक्षकों में जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के हवलदार राजेन्द्र मुखिया, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के राकेश सिंह राणा, सूबेदार बहादुर पाहन, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट के पासंग तेनजिंग शेर्पा और हवलदार थुप्स्तन त्सेवांग शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि टीम ने एवरेस्ट पर चढ़ाई से पूर्व, 18 अप्रैल 2025 को अपनी अनुकूलन प्रक्रिया के तहत माउंट लोबुचे (6,119 मीटर) को भी सफलतापूर्वक आरोहित किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के इस चुनौतीपूर्ण अभियान के दौरान पर्वतारोहियों ने भीषण मौसम और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना किया। इस दौरान पूरी टीम ने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय टीम भावना का परिचय दिया।

ऐतिहासिक उपलब्धि

- माउंट एवरेस्ट पर एनसीसी की तीसरी सफल चढ़ाई है।
- इससे पहले 2013 और 2016 में यह सफलता प्राप्त की गई थी।

टीम की वापसी

- चढ़ाई के बाद टीम सुरक्षित एवरेस्ट बेस कैंप लौटी।
- अब टीम काठमांडू की ओर अग्रसर है।

रक्षा मंत्रालय का बयान

- मंत्रालय ने इसे भारत के पर्वतारोहण इतिहास में एक नया मील का पत्थर बताया।

कैडेट्स का प्रदर्शन

- इस वर्ष की विशेषता रही दस सदस्यीय कैडेट टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन।
- टीम में नव प्रशिक्षण प्राप्त पर्वतारोही शामिल थे।

माउंट एवरेस्ट फतह कर एनसीसी दल ने रचा इतिहास, रक्षा मंत्रालय ने बताया 'मील का पत्थर'

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस उपलब्धि के साथ पर्वतारोहियों की इस टीम ने भारत के पर्वतारोहण इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। टीम अब सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप से उतरकर काठमांडू की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि इसी माह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पर्वतारोहण दल ने 18 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। इसके बाद टीम सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप पर लौट आई। वह ऐतिहासिक उपलब्धि थी और एनसीसी अभियान दल द्वारा माउंट एवरेस्ट पर तीसरी सफल चढ़ाई थी। इससे पहले 2013 और 2016 में भी यह सफलता मिली थी। इस वर्ष के अभियान की एक प्रमुख विशेषता दस सदस्यीय कैडेट टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन था, जिसमें नव प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पर्वतारोही शामिल थे।

सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी : भागवत

नई दिल्ली (हि.स.)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके। उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वास्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था।

उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे। भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है। संघ मर्यादाओं के भीतर रहकर जहां भी संभव हो सहायता करता है। संघ का उद्देश्य केवल भारत में नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। हिंदुत्व को लेकर चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संप्रदाय नहीं है और न ही यह कोई बंद विचारधारा है। यह सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या जैसे मूल्यों पर आधारित जीवन दृष्टि है जिसमें विविधताओं का सम्मान और स्वीकार है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्थान एक धर्मप्राण राष्ट्र है और धर्म ही सृष्टि को संचालित करता है। यह मानना या न मानना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन सत्य को मानने से लाभ होता है और नहीं मानने पर हानि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व को कट्टर या राजनीतिक विचार कहना गलत है और यह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है। भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकता का विचार संविधान में भी निहित है। हम सभी एक समाज और एक राष्ट्र हैं। यह अपनाने का विचार है ना कि ध्रुवीकरण का। उन्होंने यह भी कहा कि कोई स्वयं को हिंदू कहे या भारतीय या इंडिक- यदि उसकी भावना एकता की है तो शब्दों से फर्क नहीं पड़ता। समरसता के विषय पर उन्होंने कहा कि केवल कानून से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होती क्योंकि इसका निवास मन में होता है। इसे मन से निकालना होगा। उन्होंने कहा कि बंधुभाव ही समरसता का आधार है और स्वतंत्रता तथा समता तभी टिकाऊ बनती है जब इनका आधार बंधुभाव हो। जब हम यह मानते हैं कि सभी अपने हैं तभी हम सभी समान होते हैं।

भागवत का आह्वान – नीति आधारित भारत के लिए एकता जरूरी

भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को अब जागरूक होना पड़ेगा। उसे अपने भेदों और स्वार्थों को त्याग कर एक सामर्थ्यवान और नीति आधारित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान, कृषि और उद्योग में क्रांति हो चुकी है अब सत्य और करुणा आधारित जीवन के पुनर्निर्माण के रूप में धर्म क्रांति की आवश्यकता है। महिलाओं की भूमिका पर उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ में महिला कार्य राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से होता है। संघ की शाखा का कार्यक्रम पुरुषों के लिए होता है लेकिन महिलाएं इन कार्यक्रमों में सहभागी होती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का उद्धार पुरुष नहीं कर सकते महिलाएं स्वयं ही अपना उद्धार करेंगी और इसी के माध्यम से समाज का भी कल्याण होगा। संघ उनका सशक्तिकरण करता है ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन चलाना नहीं है बल्कि एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए जीवन के हर क्षेत्र में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि यह कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि समाज के सामूहिक प्रयास से होता है और हमें सबको साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

चार राज्यों की 5 सीटों पर उपचुनाव, नतीजे 23 जून को

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव की घोषणा कर दी है। 19 जून को मतदान होगा, जबकि 23 जून को मतगणना होगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर चार राज्यों केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा की है। ईसीआई ने बताया कि गुजरात के कादी (एससी) और विसावदर विधानसभा, केरल की निलंबूर, पंजाब की लुधियाना और पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने आगामी उपचुनाव का शेड्यूल जारी करते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 26 मई 2025 (सोमवार) को राजपत्र अधिसूचना जारी होने के साथ होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 जून (सोमवार) तय की गई है, जबकि 3 जून (मंगलवार) को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 5 जून (गुरुवार) तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 19 जून 2025 (गुरुवार) को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद 23 जून (सोमवार) को वोटों की गिनती होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, 25 जून 2025 (बुधवार) तक पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी।

पाकिस्तान से संबंध के आरोपों के समर्थन में सबूत न दे पाना मुख्यमंत्री शर्मा की कमजोरी: गोगोई

असम। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का इन आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने में नाकाम रहना उनकी 'कमजोरी' है कि उनके (गोगोई) ''पाकिस्तान के साथ संबंध हैं। गोगोई ने पड़ोसी देश की कथित यात्राओं पर किसी प्रकार का स्पष्टीकरण जारी करने से बचते हुए कहा कि लोगों को धैर्य रखना चाहिए, क्योंकि मुक्केबाजी के मुकाबले में 'नॉकआउट पंच' अंत में दिया जाता है। गोगोई ने अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र जोरहाट के माजुली इलाके में संवाददाताओं से कहा, "यह (राजनीति में) कोई नयी बात नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

वृष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

मिथुन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा।

कर्क : परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी।

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कन्या : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

तुला : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

धनु : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी।

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें।

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

देश में दो दिन में कोरोना से दो मौतें फिर बढ़ने लगे संक्रमण के मामले

- 27 नए केस, एक्टिव मरीज 363 हुए; नए मामले केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक में

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में कोरोना के नए वैरिएंट से 2 दिन में 2 मरीजों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक- बेंगलुरु में कोरोना पीड़ित 84 साल के बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया है। इससे पहले ठाणे में 21 साल के युवक की मौत हुई थी। बीते दिन शनिवार को 23 नए कोरोना केस सामने आए। महाराष्ट्र के ठाणे में 8, राजस्थान-कर्नाटक में 5, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3, मध्य प्रदेश के इंदौर में 2 और यूपी के नोएडा में एक मामला सामने आया है। कुल एक्टिव केसों की संख्या 363 पहुंच गई है। देशभर में बढ़ते मामलों के बीच शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने समीक्षा बैठक की। इस बैठक में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अधिकारी शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कोविड के नए मामले केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से सामने आए हैं।

कोरोना को लेकर भागलपुर में 10 बेड का कोविड वार्ड तैयार

देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने लगे हैं। इस हालात को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन अलर्ट मोड में आ गए हैं। भागलपुर के मॉडल सदर अस्पताल में एहतियातन 10 बेड का विशेष कोविड वार्ड तैयार किया गया है।

माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास और शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा : प्रधानमंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि माओवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई के परिणाम सामने आ रहे हैं और इससे प्रभावित रह चुके क्षेत्रों में विकास एवं शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में कहा कि पहले माओवादी हिंसा की चपेट में रहे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में काटेझरी जैसे दूरदराज के गांवों में अब बस सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं संभव हो गई हैं।प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के काटेझरी गांव का जिक्र करते हुए कहा, ''बस से यात्रा करना आम बात है लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं, जहां पहली बार बस आई। वहां के लोग इस दिन का वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब पहली बार गांव में बस आई, तो लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशालाओं जैसी शैक्षणिक सुविधाओं के प्रसार का भी उदाहरण दिया। मोदी ने कहा, ''मुझे यह जानकर खुशी हुई कि कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम शानदार रहे। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला 95 प्रतिशत परिणामों के साथ 10वीं कक्षा की परीक्षा में छत्तीसगढ़ में शीर्ष स्थान पर रहा।

आईटीबीपी टीम बनी मिसाल, स्वच्छता के संकल्प से पहाड़ जैसी चुनौतियों को दी मात : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र किया। पीएम मोदी ने भरोसे के साथ कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी लोग इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, "स्वच्छ भारत की बात हो और 'मन की बात' के श्रोता पीछे रहें, ऐसा कैसे हो सकता है भला? मुझे पूरा विश्वास है कि आप सब अपने-अपने स्तर पर इस अभियान को मजबूती दे रहे हैं।

हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है

बड़े भाई तेज प्रताप को पार्टी से निकाले जाने पर तेजस्वी यादव

पटना (आईएएनएस)

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव के तेज प्रताप को पार्टी से निकाले जाने पर तेजस्वी यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। मेरे बड़े भाई की बात है, तो राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है। निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, "हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं, जनता के सुख-दुख में हम भाग ले रहे हैं, जनता के मुद्दे को उठा रहे है। हम नेता विरोधी दल हैं। जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है।

जांगड़ा के बयान को मनोहर लाल ने बताया गलत

करनाल । पहलगाम आतंकवादी हमले में अपना सिंदूर खोने वाली महिलाओं पर एक बयान देकर भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा विवादों में फंस गए हैं। सांसद के बयान को लेकर कांग्रेस भाजपा पर हमलावर है। कांग्रेस ने पीएम मोदी से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने स्पष्टीकरण भी जारी किया है।

भारत बनी चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जदयू नेता ने बताया गर्व की बात

पटना (आईएएनएस)

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर जदयू की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इसे भारतीयों के लिए गर्व का दिन बताया। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "नीति आयोग की बैठक और देश के आंकड़ों के आधार पर वैश्विक स्तर पर विश्लेषण किया जाता है। भारत, जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है। देश ने आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटते हुए अर्थव्यवस्था के मामले में बड़ी छलांग लगाई है।

श्रद्धालुओं के लिए खुले हेमकुंड साहिब-लोकपाल के कपाट

- श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चमोली पुलिस ने किए पुख्ता इंतजाम।
- हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर विशेष निगरानी व्यवस्था लागू।
- मुख्य पड़ावों पर एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं।

गोपेश्वर (हि.स.)

सिख धर्म की आस्था के प्रमुख केंद्र और पवित्र तीर्थस्थल श्री हेमकुंड साहिब और लोकपाल के कपाट रविवार को विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। रविवार को गुरुअरदास, शबद कीर्तन और गुरुवाणी हेमकुंड साहिब के कपाट खोल दिए गये हैं। कपाट खुलने की प्रक्रिया के तहत शनिवार को गोविन्दघाट गुरुद्वारा से 'पंच प्यारों' की अगुवाई में सिख श्रद्धालुओं का पहला जत्था भारी पुलिस सुरक्षा, बैंड-बाजों की धुन और पवित्र निशान साहिब के साथ हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ था। इस जत्थे ने रात्रि विश्राम घांघरिया गुरुद्वारे में किया। रविवार को जत्था "बोले सो निहाल, सत श्री अकाल" के जयकारों के साथ हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ। इसके बाद शुभ मुहूर्त में श्री हेमकुंड साहिब के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। सिख आस्था के इस प्रमुख स्थल के साथ ही हिंदुओं की आस्था के प्रतीक लोकपाल मंदिर (लक्ष्मण मंदिर) के कपाट भी विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। गौरतलब है कि श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रतिवर्ष मई-जून माह में प्रारंभ होकर अक्टूबर तक चलती है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शीश नवाने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जनपद चमोली पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ावों पर विशेष रूप से एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गई हैं।

इस अवसर पर हेमकुंड ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र बिंद्रा ने यात्रा व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए थानाध्यक्ष विनोद रावत और चौकी प्रभारी घांघरिया अमनदीप सिंह को सम्मानित किया गया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कतर की शूरा काउंसिल से मुलाकात की

पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ समर्थन मांगा

दोहा (आईएएनएस)

रविवार को भारत के सभी प्रमुख दलों के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल कतर की राजधानी दोहा पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने किया। उन्होंने कतर की शूरा काउंसिल से मुलाकात की, जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का मजबूत और एकीकृत संदेश दिया गया और परिषद को ऑपरेशन सिंदूर के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राजीव प्रताप रूडी, अनुराग ठाकुर और वी. मुरलीधरन, कांग्रेस के मनीष तिवारी और आनंद शर्मा, तेलगु देशम पार्टी के श्री कृष्ण देवरायलु, आम आदमी पार्टी के विक्रमजीत सिंह साहनी और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन शामिल थे। यह दल कतर के बाद दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र की यात्रा भी करेगा। इस पूरी यात्रा का उद्देश्य भारत की विदेश नीति को मजबूती देना और आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत करना है।

अपनी मुलाकातों के हिस्से के रूप में, प्रतिनिधिमंडल ने कतर के विधायी निकाय को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी, जो कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से की गई एक सटीक सैन्य कार्रवाई थी। उन्होंने दुनिया से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। इससे पहले दिन में प्रतिनिधिमंडल ने दोहा स्थित भारतीय दूतावास परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में आतंकवाद से लड़ने के भारतीय संकल्प को दोहराया

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)

कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख थिंक टैंक, अकादमिक नेताओं और मीडिया के समक्ष अपनी बात रखी। इस बातचीत में प्रतिनिधिमंडल ने दृढ़ता के साथ भारत के आतंकवाद से लड़ने के संकल्प को रेखांकित किया। इसकी पुष्टि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर की। वाणिज्य दूतावास के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, "शशि थरूर के नेतृत्व में राजनयिक आउटरीच यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क पहुंचे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। भारतीय प्रतिनिधियों ने "आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता और एकीकृत राष्ट्रीय संकल्प का दृढ़ संदेश दिया और आतंकवाद का मुकाबला करने, इसके नेटवर्क को समाप्त करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय तंत्र की वकालत की।" इसके साथ ही भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ एक्शन

यूपी में 20 व्हाट्सएप ग्रुप व 500 फोन नंबर एटीएस के रडार पर

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (यूपी एटीएस) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में वाराणसी के नवापुरा से मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, तुफैल के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र के 500 से अधिक मोबाइल नंबर अब निगरानी में हैं। जांच में पता चला कि पाकिस्तान से जुड़े कई वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल होने के बाद तुफैल को फैसलाबाद की नफीसा नाम की महिला से संपर्क करने का निर्देश दिया गया। धीरे-धीरे वह हनी ट्रैप में फंस गया। तुफैल नियमित रूप से नफीसा से चैट करता था और उसे संवेदनशील जगहों की तस्वीरें भेजने लगा।

यूक्रेन पर रूस का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला, 13 की मौत

रूस। रूसी सेना ने कल रात यूक्रेन पर अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रात भर चले इस विनाशकारी हमले में रूसी सेना ने यूक्रेनी शहरों पर 367 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव, खार्किव, मायकोलाइव, टेरनोपिल और खमेलनित्सकी में हुए हमलों में तीन बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर के अनुसार, दक्षिणी यूक्रेन के मायकोलाइव में, एक रूसी ड्रोन हमले में 77 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। हमले में एक आवासीय अपार्टमेंट की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें विस्फोट से एक बड़ा छेद हो गया और मलबा जमीन पर बिखरा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के हेल्थ इंश्योरेंस का मामला

उद्योगपतियों से कपिल सिब्बल ने मांगे 50 करोड़ रुपए

- सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में हुआ विरोध

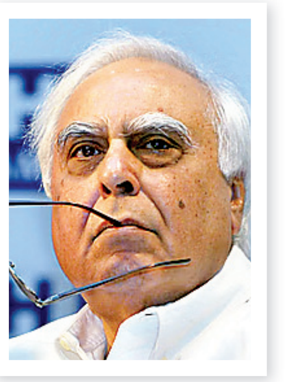

ब्यूरो

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बार के सदस्यों के लिए सामूहिक चिकित्सा बीमा पॉलिसी के लिए कुछ बड़े उद्योगपतियों से 50 करोड़ रुपये जुटाए हैं, लेकिन उनकी इस करनी का एसोसिएशन के भीतर एक वर्ग ने विरोध किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह जो सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का बीते सप्ताह नए अध्यक्ष बने हैं का कहना है कि एससीबीए के नए अध्यक्ष के रूप में मेरा पहला प्रयास कार्यकारी समिति की बैठक में इस नीति पर चर्चा करना होगा। मेरा व्यक्तिगत विचार है कि इस नीति पर निश्चित रूप से फिर से बातचीत करने या इसे समाप्त करने की आवश्यकता है, क्योंकि हम 2 लाख रुपये के कवर के लिए जो प्रीमियम दे रहे हैं, वह 5 लाख रुपये के कवर के लिए दिए जाने वाले प्रीमियम से बहुत ज्यादा है। एससीबीए की आम सभा की बैठक में विकास सिंह ने अपना विरोध जताया था। यह पूछे जाने पर कि क्या सिब्बल के प्रयास से हितों के टकराव का मुद्दा उठता है, तो इस पर विकास सिंह ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि ये सीएसआर फंड हैं या नहीं। विकास सिंह ने कहा कि यदि यह सीएसआर निधि नहीं है तो इसमें कोई विवाद नहीं है, क्योंकि यह धन एसोसिएशन को दिया जाता है, किसी व्यक्ति को नहीं।

वहीं इस मामले में कपिल सिब्बल ने कहा है कि यहां हितों का कोई टकराव नहीं है। सवाल ही कहां है? दान एसोसिएशन को दिया जाता है, किसी सदस्य को नहीं। इसके अलावा, व्यक्तिगत रूप से, मैं इनमें से कई कंपनियों के खिलाफ़ या उनके पक्ष में पेश हो चुका हूं और फिर से पेश हो सकता हूँ। मैं उन पर आरोप लगाता हूँ। हमारा पेशेवर करियर हमारी दोस्ती पर आधारित नहीं है।इस मामले में कपिल सिब्बल ने कहा कि मुकेश अंबानी (रिलायंस इंडस्ट्रीज) ने 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि अनिल अंबानी (रिलायंस समूह), गौतम अडानी (अडानी समूह), एन चंद्रशेखरन (टाटा संस), समीर मेहता (टोरेंट समूह), जीएम राव (जीएमआर समूह), कुमार मंगलम बिड़ला (आदित्य बिड़ला समूह), अनिल अग्रवाल (वेदांता) और लक्ष्मी मित्तल (आर्सेलर मित्तल) ने 5-5 करोड़ रुपये दिए।सिब्बल ने कहा कि कॉरपोरेट्स को आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत कर छूट मिलेगी। निर्दिष्ट संस्थाओं को दिए गए दान को धारा 80जी के तहत कर योग्य आय से घटाया जा सकता है। एससीबीए के नए अध्यक्ष सिंह ने कहा कि उनका प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि यह नीति केवल बार के जरूरतमंद सदस्यों या बुजुर्ग माता-पिता का समर्थन करने वाले सदस्यों के लिए उपलब्ध हो। इस बारे में विकास सिंह ने कहा कि इसे हमारे जैसे लोगों के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाना चाहिए। पिछली कार्यकारी समिति द्वारा घोषित नीति, मेरे, सिब्बल आदि सहित सभी के लिए है। इस तरह के पैसे का उपयोग कभी भी इसके लिए नहीं किया जा सकता है यह सब मेरी कार्यकारी समिति के साथ चर्चा करने के बाद ही किया जाएगा। कपिल सिब्बल के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले 95 प्रतिशत वकील अच्छी कमाई नहीं करते हैं। वे पूरे देश से दिल्ली में प्रैक्टिस करने आते हैं। उनमें से ज्यादातर की कमाई अच्छी नहीं होती। उन्हें किराए, अपने परिवार पर पैसे खर्च करने पड़ते हैं और अगर वे बीमार पड़ जाते हैं, तो उन्हें मेडिकल बिल का भुगतान करना पड़ता है। सिब्बल ने कहा कि एससीबीए के लगभग 2,700-2,800 सदस्य हैं जिनके पास वोटिंग अधिकार हैं, और वे स्वास्थ्य कवर के लिए पात्र होंगे।

सिब्बल ने कैसे अपने पुराने क्लाइंट्स से जुटाए 50 करोड रु.

21 मई को एससीबीए द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कपिल सिब्बल ने बताया कि उन्होंने पैसे कैसे जुटाए। सिब्बल ने कहा कि मैंने उन लोगों से पैसे इकट्ठा करना शुरू किया, जिनकी मैंने पिछले 52 सालों से सेवा की है। मैंने वेदांता के अनिल अग्रवाल को फोन किया। वे तुरंत सहमत हो गए और हमें 5 करोड़ रुपए का योगदान दिया। मैंने अपने एक प्रिय मित्र अनिल अंबानी को फोन किया और उनके पास हां कहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। कपिल सिब्बल ने कहा कि मैंने गौतम अडानी को फोन किया और कहा कि अब आपके लिए योगदान देने का समय आ गया है क्योंकि आप कमोबेश भारत के बादशाह हैं और आपके लिए 5 करोड़ रुपये बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि अगर आपको और चाहिए तो मैं और दूंगा, लेकिन ये रहे 5 करोड़ रुपये। इसलिए उन्होंने 5 करोड़ रुपये दिए। उन्होंने कहा, "श्री कुमार मंगलम बिड़ला, मेरे पुराने मित्र हैं। उन्होंने कई सालों तक बिड़ला साम्राज्य की सेवा की... कभी उनसे कुछ नहीं मांगा। इसलिए मैंने कहा, आपसे 5 करोड़ रुपये और चाहिए, और उन्होंने हां कह दिया। कपिल सिब्बल ने बताया कि राशि जुटाने के बाद क्या किया गया। उन्होंने कहा कि मैंने अपोलो समूह से संपर्क किया, जो मेरे क्लाइंट भी हैं। मैं परिवार के मुखिया को जानता हूं, अपोलो समूह का मुखिया मेरा पुराना दोस्त है। इसलिए मैंने कहा कि देखो, हम चाहते हैं कि तुम इसे संभालो। उन्होंने बाजार को देखा और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी नामक एक कंपनी को पकड़ा। और हमने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से बात करना शुरू किया कि हमारे युवा वकीलों को किस तरह के लाभ मिल सकते हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं... इस देश में कोई भी बीमा पॉलिसी इतनी सारी सुविधाएं नहीं देती जितनी यह देती है।भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एससीबीए को 50 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि निस्संदेह, यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है जो कानूनी समुदाय के कल्याण के लिए गहरी चिंता को दर्शाती है।

ट्रंप बनाम हार्वर्ड विश्वविद्यालय : अंतरराष्ट्रीय छात्र दाखिले पर राष्ट्रपति का नया हमला

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय पर अपने हमले तेज़ कर दिए हैं। उन्होंने अपने प्रशासन के उस कदम का बचाव किया, जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विश्वविद्यालय में दाखिला देने की हार्वर्ड की क्षमता पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही थी। यह नया हमला एक अमेरिकी न्यायाधीश द्वारा शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को निलंबित करने के बाद आया है। न्यायाधीश ने ट्रम्प प्रशासन को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की विदेशी छात्रों को नामांकित करने की क्षमता को रद्द करने से रोक दिया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के अनुरूप शिक्षा में प्रथाओं को ढालने के व्हाइट हाउस के प्रयासों को बढ़ावा दे रहा था।

एप्पल पर टैरिफ संकट

टैरिफ के बिना बिक्री : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपने बयान से पलट गए है। डोनाल्ड ट्रम्प ने एप्पल कंपनी से कहा है कि वो भारत में अपने प्लांट लगाने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी भी दे डा ली है जो कि एप्पल कंपनी के लिए है। डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर ऐसा होता है तो कंपनी को संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने उत्पाद बेचने पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में परमाणु ऊर्जा से संबंधित कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते समय ये टिप्पणियां कीं।

केरल में लाइबेरिया का कार्गो शिप डूबा

नेवी-कोस्टगार्ड ने बचाईं 24 जानें कंटेनर्स में खतरनाक केमिकल थे

कोच्चि । एजेंसी

केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएमसी एल्सा 3 डूब गया। इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स भरे थे। शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। 24 मई को दोपहर करीब 1:25 बजे कोच्चि तट से 38 समुद्री मील की दूरी पर करीब 26 डिग्री तक झुकने की खबर दी गई। इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी के मरीन रेस्क्यू सब सेंटर ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। देर शाम तक रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया और फिलीपींस के 24 क्रू मेंबर्स में से 21 को बचा लिया गया। बाकी तीन सीनियर क्रू मेंबर शिप को डूबने से बचाने की कोशिश के लिए शिप पर ही रहे। हालांकि, शिप का झुकाव बढ़ता रहा और आज वह डूब गया। नेवी शिप आईएनएस सुजाता ने बाकी तीन क्रू मेंबर्स को भी बचा लिया। शिप के एक तरफ झुकने की वजह का अभी पता नहीं चला है।

पाक को चीन से हथियार, भारत अब भी रूस पर निर्भर

नई दिल्ली । अमेरिका की रक्षा खुफिया की एक नई रिपोर्ट में यह बताया गया है कि पाकिस्तान, अपने अस्तित्व के लिए भारत को एक खतरे के तौर पर देखता है। इस वजह से वह अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक बनाने और सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए चीन से आर्थिक और सैन्य समर्थन ले रहा है। वहीं, भारत, पाकिस्तान को सिर्फ एक सुरक्षा चुनौती मानता है जिसे संभाला जा सकता है। भारत असली खतरा चीन को मानता है और अपनी सैन्य तैयारियां भी उसी के हिसाब से करता है। मेक इन इंडिया के बावजूद भारत अभी भी रूसी हथियारों पर निर्भर है। यूनाइटेड स्टेट्स डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी की वर्ल्ड थ्रेट असेसमेंट 2025 रिपोर्ट में कहा गया है।

जस्टिस नागरत्ना का सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा बनना तय

बन सकती हैं देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश

ब्यूरो

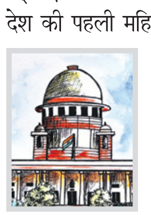

नई दिल्ली। जस्टिस बीवी नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में शामिल हो गईं। जस्टिस अभय एस ओका के सेवानिवृत होने के बाद लगभग यह साफ हो चुका है। नागरत्ना अब 5वीं सबसे वरिष्ठ जज होने के नाते आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बन जाएंगी, और 29 अक्टूबर, 2027 को देश की चीफ जस्टिस के रूप में सेवानिवृत्त होने तक इसका हिस्सा रहेंगी।कॉलेजियम में अब सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना शामिल होंगे। सीजेआई गवई सोमवार को शीर्ष न्यायालय में रिक्तियों को संबोधित करने और कई उच्च न्यायालयों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां करने के लिए अपनी पहली कॉलेजियम बैठक बुला सकते हैं। जस्टिस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत में तीन न्यायाधीशों का पद रिक्त हो जाएगा।कॉलेजियम प्रणाली के तहत, जो सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद 1993 में अस्तित्व में आई, सुप्रीम कोर्ट के पांच शीर्ष न्यायाधीश व 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण तथा पदोन्नति की सिफारिश करते हैं। इस व्यवस्था के तहत सरकार कॉलेजियम को सिफारिश लौटा सकती है। कॉलेजियम द्वारा दोबारा सिफारिश दोहराए जाने पर सरकार आमतौर पर सिफारिश स्वीकार कर लेती है। लेकिन ऐसे मामले भी आए हैं जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 30 अक्टूबर 1962 को जन्मी जस्टिस नागरत्ना पूर्व मुख्य न्यायाधीश ई.एस. वेंकटरमैया की पुत्री हैं। उन्होंने 28 अक्टूबर 1987 को बेंगलुरु में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया और संविधान, वाणिज्य, बीमा और सेवा से संबंधित क्षेत्रों में प्रैक्टिस की।18 फरवरी, 2008 को उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया तथा 17 फरवरी, 2010 को वे स्थायी न्यायाधीश बनीं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 29 अक्टूबर, 2027 तक रहेगा और 23 सितंबर, 2027 के बाद पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल एक महीने से अधिक का हो सकता है।

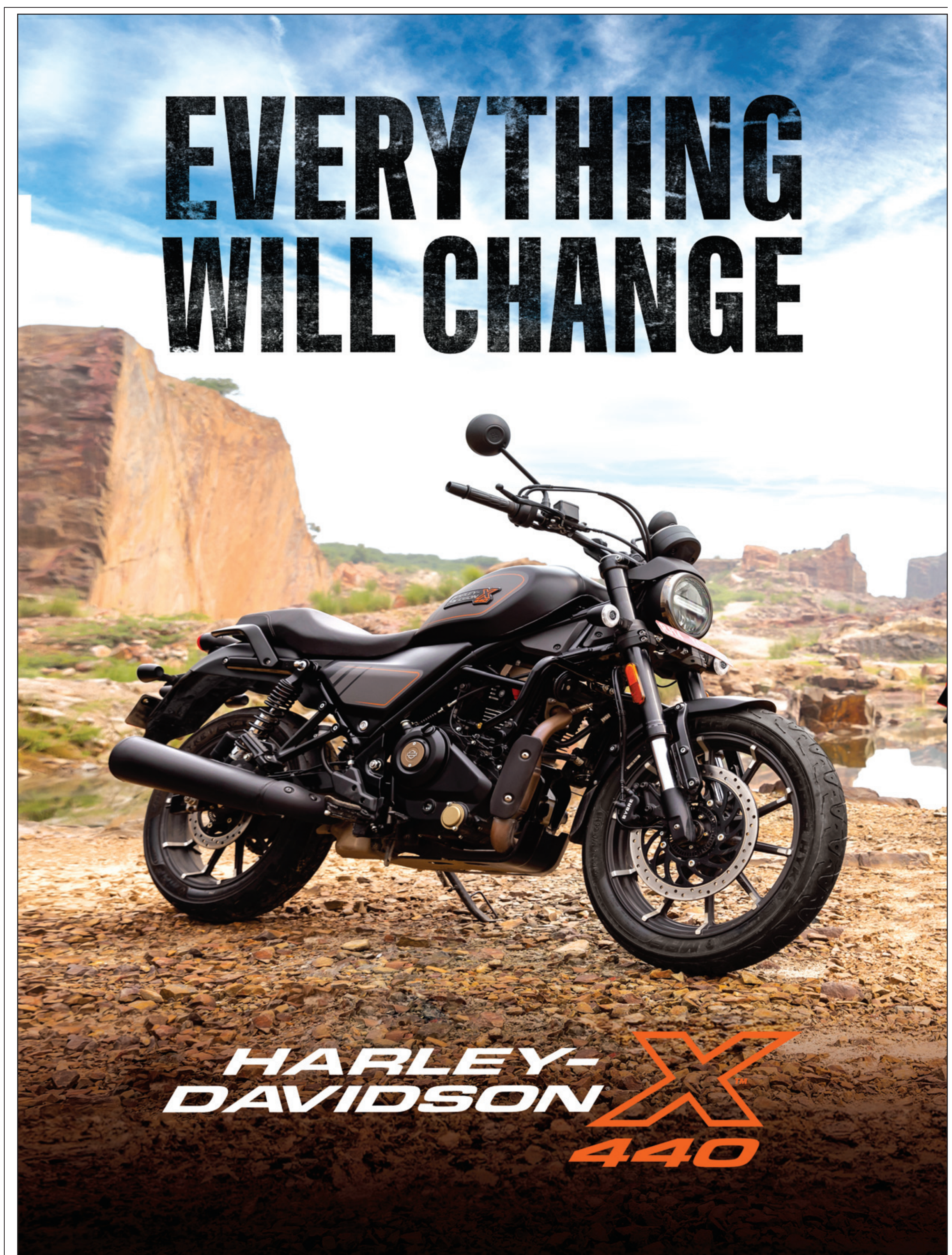

सरना धर्म कोड भाजपा कांग्रेस कर रही राजनीति : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने सरना धर्म कोड पर आदिवासी समाज को भ्रमित कर वोट की राजनीति पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड पर कांग्रेस और भाजपा सिर्फ पाखंड करने का कार्य कर रही है। सरना धर्म कोड के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा की ढोंग भरी राजनीति की आदिवास मूलवासी जनाधिकार मंच कड़े शब्दों में निंदा करती हैं। दोनों दल आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान को लेकर केवल वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। श्री नायक ने कहा कि कांग्रेस ने 2014 में यूपीए सरकार के दौरान सरना धर्म कोड को खारिज कर आदिवासियों की धार्मिक पहचान को नजर अंदाज किया था।

न्यू मधुकम में बालक के गले से सोने की चेन और लॉकेट छिनतई

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के न्यू मधुकम रोड नंबर दो में रहने वाले अखिलेश ठाकुर के पुत्र से स्कूटी पर सवार तीन उचक्कों ने शनिवार को दिन में गले में पड़ी सोने की चेन और लॉकेट छिन ली। इसके बाद उचक्के मौके से भाग निकलने में कामयाब हो गए। मामले में बालक के पिता की लिखित शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। बताया गया है कि घटना के समय बालक घर के बाहर गली में खड़ा था। इससे पूर्व भी उससे पता पूछने के बहाने चेन छिनतई का प्रयास किया गया था, लेकिन उचक्के घटना को अंजाम देने में सफल नहीं हो सके थे। केस दर्ज किए जाने के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए उचक्कों की पहचान का प्रयास कर रही है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का रांची में हुआ अभिनंदन, कहा

दुनिया हमारी नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। धरती आबा भगवान विरषा मुंडा की पावन पवित्र धरती पर राजस्थान फाऊंडेशन, रांची चैप्टर के तत्वाधान में आयोजित राजस्थान और भारत के लोकप्रिय, जन-जन के प्रिय और सभी भारतवासियों के दिलों पर राज करने वाले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को रांची के स्वर्णभूमि के सभागार मे पहुंचे जहां उनका नागरिक अभिनंदन और स्वागत किया गया।

स्वर्ण भूमि के सभागार के द्वार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का मारवाड़ी महिला युवा समिति की महिलाओ द्वारा मंगल तिलक, आरती के और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया ।

श्री गणेश वंदन व शंखनाद के साथ अभिनंदन स्वागत का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। राजस्थान फाउंडेशन रांची चैप्टर के अध्यक्ष अजय मारू, पुनीत पोद्दार, कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा, ऐश्वर्य सेठ और आयोजन समिति के सदस्यों ने ओम बिरला को पगड़ी, अंग वस्त्र, पुष्प पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

फाउंडेशन की ओर से गौ माता स्वरूप स्मृति चिन्ह उन्हें भेंट कर उनका अभिनंदन और स्वागत किया। वहीं, फाउंडेशन के द्वारा सांसद व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का भी अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन और स्वागत किया गया। राजस्थान फाऊंडेशन ,रांची चैप्टर के अध्यक्ष अजय मारू ने

▸ 2047 में सामूहिक प्रयासों से विकसित भारत बनेगा : ओम बिरला

अपने स्वागत भाषण में कहा की आज हम लोगों के लिए सबसे बड़ा महत्वपूर्ण दिन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत अभिनंदन करने का रांची को सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने विचारों को रखते हुए कहा कि झारखंड व बिरसा मुंडा की धरती समृद्धि राज्य, संस्कृति की धरोहर है। झारखंड प्रदेश ऐसा प्रदेश है जहां पर प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है व्यापार यहां का तेजी से आगे बढ़ रहा है आर्थिक व सामाजिक जीवन में बड़ा परिवर्तन यहाँ देखने को मिल रहा है। हमें गर्व है हमारे देश की सेना ने दुनिया को अपना सौर्य दिखाया हम हमेशा शांति का संदेश दुनिया वालों को देते आये है लेकिन कोई देश अगर हमारे इस संरक्षण का गलत फायदा उठाता है तो भारत आतंकवादियों का आतंक का सफाया करेगा।

आतंकवाद के गंभीर परिणाम होंगे।अब नए भारत के सपनों को पूरा करने का समय सरकार कर रही है। झारखंड आगे बढ़ेगा तब देश आगे बढ़ेगा।इसके लिए हमेशा प्रयास करना होगा। आज पूरी दुनिया में भारत का विश्वास बढ़ा है।। हम तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। विकसित भारत और विकसित भारत के संकल्प की ओर हम आगे बढ़ रहे है। भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत के हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। दुनिया के लिए भारत निवेश में सबसे बड़ा देश माना जाता है । हर क्षेत्र में हम दुनिया से आगे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी अगर कोई कंपनी है तो उसमें इंडिया का ही सीओ है । देश मे विकास का काम हो रहा है । यातायात ,वायु जैसे सभी क्षेत्रों में झारखंड को बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध हुई मिली है। आज पब्लिक सेक्टर ,बैंकिंग सेक्टर में भारत स्ट्रांग है। योग और आयुर्वेद जो हमारी उपज है पूरी दुनिया उसका इस्तेमाल कर रही है। भारत की सेना ने आतंकवादियों के स्थल पर जाकर उन्हें मिट्टी में मिलाने का कार्य किया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक नीति बनाई है जो भी आतंकी हमला करेगा भारत उसे कभी नहीं छोड़ेगा आतंकवाद की कोई भी घटना अगर हमारे देश में होगी हम आतंकीयो के देश में घुसकर पूरी तत्परता के साथ जवाब देकर उसे नष्ट करेंगे। मंच पर मुख्य रूप से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ,आदित्य साहू ,सी पी सिंह,नवीन जायसवाल,पूर्व सांसद महेश पोद्दार,अजय मारू,गोवर्धन गाड़ोदिया, पुनीत पोद्दार, मुकेश काबरा थे। रांची की 180 से भी ज्यादा धार्मिक, सामाजिक , ब्यापारियों के पदाधिकारियो ने माननीय ओम बिड़ला जी सहित रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ, संस्था का मोमेंटो देकर अभिनंदन , स्वागत किया।

ऑपरेशन सिंदूर को पूरी दुनिया ने देखा : सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची वासियों को जिनका वर्षों से इंतज़ार था वो क्षण आज आया है जो आज हमें अपार जन समूह की उपस्थिति में लोकसभा अध्यक्ष का अभिनंदन और स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा यह कार्यकाल हम सबो व रांची के लिए इतिहास बनेगा कि आप सभी धार्मिक, सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं सहित प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति में राजस्थान के अति लोकप्रिय, मृदुभाषी, यशस्वी लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत और अभिनंदन करने का स्वर्णिम साथ हमें प्राप्त हो रहा है । संजय सेठ ने कहा देश पूरा उत्साहित है ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना का पराक्रम जो 23 मिनट का था। अब हजारों सैनिकों के ऑपरेशन को पूरी ने देखी। दुनिया ने देखा हम मजबूती के साथ लड़े हैं। हम दुनिया की तीसरी सबसे शक्ति शाली ताकत है। पीएम ने एक देश एक चुनाव का भी नारा लगाया उन्होंने कहा करोड़ों लाखों रुपए खर्च होते हैं समय और व्यापार में नुकसान होता है एक साथ चुनाव कराकर लाखों करोड़ों का बचत और आने वाले पीढ़ी को भी इसका लाभ दे सकते हैं।

अंतिम अभ्यर्थी का प्राप्त अंक अनारक्षित श्रेणी का कट ऑफ मार्क्स होगा और कट ऑफ मार्क्स से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले किसी भी प्रकार के आरक्षण का लाभ नहीं लेने वाले आरक्षित श्रेणी के एसटी, एससी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांग सभी श्रेणी के आरक्षित अभ्यर्थी को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विज्ञापन में प्रावधान के अनुसार सभी आरक्षित श्रेणी की कोटिवार प्रावधान सीट के अनुसार उसी कैटेगरी से 2.5 गुना अभ्यर्थियों को चयनित कर इंटरव्यू लिया जायेगा, लेकिन आयोग ने नियम का पालन नहीं किया। बिना कट ऑफ मार्क्स और मार्कशीट के मुख्य परीक्षाफल प्रकाशन कर इंटरव्यू की तिथि की घोषणा कर दी है। देवेंद्र नाथ महतो ने यह भी दावा किया है कि जिस दिन कट ऑफ मार्क्स जारी होगा, उस दिन और भी गड़बड़ी सामने आएगी।

उन्होंने मांग की है कि सरकार और आयोग मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल आरक्षण और नियमावली का पालन करते हुए कोटिवार परीक्षाफल और कट ऑफ मार्क्स जारी करे।

विस अध्यक्ष ने बिड़ला का किया स्वागत

रांची। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के रांची आगमन पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर उनसे शिष्टाचार भेंट की। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने उनके आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होने कहा कि पीठासीन अधिकारियों की बैठक में मेरी मुलाक़ात उनसे हमेशा होती रही है। आज झारखंड में उनका स्वागत करने का मौका मिला। देश की सर्वोच्च पंचायत लोक सभा के अध्यक्ष का झारखंड की धरती पर आगमन हम सभी के लिए हर्ष का विषय है।

ओम बिरला का राजभवन में हुआ स्वागत

रांची। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के राज भवन आगमन पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने स्वागत किया गया। मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी मौजूद थे।

15 जून को आरटीआई वर्कशॉप

● निवर्तमान सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। थड़पखना स्थित सिटी फोटो लैब में आयोजित बैठक में संयोजक विनोद जैन बेगवानी और संयोजिका रेणुका तिवारी ने 15 जून, 2025 को रांची प्रेस क्लब में होने वाले आरटीआई वर्कशॉप की जानकारी दी। वहीं उपस्थित लोगों को बताया कि उक्त कार्यक्रम में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 और उसके अंतर्गत बने नियमावली पर विस्तृत रूप से एक कार्यशाला प्रख्यात आरटीआई एक्टिविस्ट और रिसोर्स पर्सन दीपेश निराला द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निवर्तमान सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी उपस्थित रहेंगे। उक्त बैठक में उमाशंकर सिंह, स्वरूप कुमार सेठी, शाहिद आलम, हरीश नागपाल, राजकुमार, संतोष मृदुला उपस्थित हुए, और कार्यक्रम को लेकर जिम्मेवारी एवं दायित्व दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन हरीश नागपाल ने दिया।

नगर निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस ने बनाए पर्यवेक्षक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में होने वाले आगामी नगर निकाय चुनाव को देखते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पर्यवेक्षक बनाए हैं। सांसद, मंत्री, विधायक और गत लोकसभा-विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे नेताओं को नगर निगम, नगर पंचायत और नगर परिषद क्षेत्रों के पर्यवेक्षक के रूप में मनोनीत किया है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव को गंभीरता से लेते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में अग्रेतर कार्रवाई करें, ताकि हम नगर निकाय चुनाव में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकें। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि विभिन्न नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के लिए वरीय नेताओं को जिम्मेवारी दी गई है। देवघर नगर निगम, मधुपुर नगर परिषद व गोड्डा नगर परिषद के लिए कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव, महगामा नगर परिषद के लिए दीपिका पांडेय सिंह, बासुकीनाथ नगर परिषद के लिए बादल पत्रलेख, चतरा नगर परिषद व लातेहार नगर पंचायत के लिए केएन त्रिपाठी, चास नगर निगम के लिए श्वेता सिंह, चिरकुंडा नगर परिषद के लिए अनुपमा सिंह, धनबाद नगर निगम के लिए अजय दुबे, रांची नगर निगम व कपाली नगर परिषद के लिए यशस्विनी सहाय, बुंडू नगर पंचायत व खूंटी नगर पंचायत के लिए कालीचरण मुंडा, सिमडेगा नगर परिषद के लिए भूषण बारा, गुमला नगर परिषद के लिए सुखदेव भगत, लोहरदगा नगर परिषद के लिए डॉ रामेश्वर उरांव, बचरा नगर पंचायत के लिए अंबा प्रसाद, रामगढ़ नगर परिषद के लिए ममता देवी, हजारीबाग नगर निगम के लिए मुन्ना सिंह, पाकुड़ नगर परिषद के लिए निशत आलम, मिहिजाम नगर परिषद व जामताड़ा नगर पंचायत के लिए डॉ इरफान अंसारी, फुसरो नगर परिषद के लिए कुमार जय मंगल, मानगो नगर निगम के लिए बन्ना गुप्ता, बिश्रामपुर नगर परिषद व माझियांव नगर पंचायत के लिए सुधीर कुमार चंद्रवंशी, छतरपुर नगर पंचायत के लिए राधाकृष्ण किशोर, मेदिनीनगर नगर निगम के लिए केएन त्रिपाठी को पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है।

अज्ञात बाइक ने बुजुर्ग को मारा धक्का हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चुटिया के स्टेशन रोड में एक बुजुर्ग की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात बुजुर्ग व्यक्ति स्टेशन रोड स्थित अमृत होटल के रास्ते से गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात बाइक ने बुजुर्ग को धक्का मार दिया, जिससे बुजुर्ग गिर गया। बाइक सवार घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। कुछ देर में बुजुर्ग व्यक्ति दोबारा उठा और चलने लगा। इसी क्रम में एक ऑटो गुजर रहा था, जिस पर बुजुर्ग व्यक्ति गिर गया। आसपास में मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए ऑटो चालक को पकड़ लिया। चालक अपनी गाड़ी बुजुर्ग को लेकर अस्पताल ले जाने लगा। हालांकि, रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद चुटिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। छानबीन में पुलिस को पता चला कि बुजुर्ग व्यक्ति स्टेशन रोड में भीख मांगकर गुजारा किया करता था। वहीं, पुलिस की टीम बुजुर्ग की पहचान करने में जुट गई है।

जागरुकता और समय पर स्क्रीनिंग से ब्लड कैंसर का सफल इलाज संभव : डॉ कोतवाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित तीन दिवसीय 9वीं वार्षिक ईस्टर्न हेमेटोलॉजी ग्रुप ईएचजी कॉन्फ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस आयोजन में देशभर से 60 से अधिक हेमेटोलॉजी विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में झारखंड के 120 चिकित्सक समेत कुल 450 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया। सम्मेलन में सिकल सेल एनीमिया, ल्यूकेमिया, जीन थेरेपी, लिम्फोमा, थैलेसीमिया और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। डॉ चेयरपर्सन एवं प्रोफेसर, गंगाराम हॉस्पिटल दिल्ली कर्नल ज्योति कोतवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मेलन हेमेटोलॉजी के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और तकनीकी अद्यतन का एक सशक्त मंच बना है।

डॉ कोतवाल ने झारखंड में सिकल सेल मिशन के तहत हो रहे कार्यों की प्रशंसा की। बताया कि राज्य में एचपीसीएल मशीन और सेल काउंट जांच की सुविधा बढ़ी है। लेकिन, मरीजों की संख्या को देखते हुए एक और रेफरल सेंटर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ब्लड कैंसर का समय पर निदान और इलाज संभव है, जरूरत है जागरुकता और स्क्रीनिंग की। देर से पहुंचते हैं मरीज, इसलिए स्थिति गंभीर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के डॉ शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि मरीज अक्सर देर से इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में प्लेटलेट्स की कमी, एप्लास्टिक एनीमिया और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ अभिषेक रंजन ने कहा कि झारखंड में हेमेटोलॉजी क्षेत्र को विकसित करने की आवश्यकता है। वहीं, को-सेक्रेट्री डॉ अजय के महलका ने बताया कि सम्मेलन में नई तकनीकों और प्रोटोकॉल्स पर चर्चा की गई, जिससे भविष्य में राज्य को लाभ होगा।

जेपीएससी मुख्य परीक्षा के परिणाम में आरक्षण का उल्लंघन : देवेंद्र

रांची। जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने जेपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के परिणाम में आरक्षण के उल्लंघन का और परीक्षाफल में मनमानी करने का आरोप लगाया है। रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने कहा कि जेपीएससी की ओर से 11 माह बाद 20 मई को 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षाफल प्रकाशन किया गया। परीक्षाफल प्रकाशन के बाद विवाद उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि परिणाम में एसटी, एससी, ओबीसी आरक्षण से छेड़छाड़ की गई है। इसमें नियम का उल्लंघन किया गया है। नियम में मुख्य परीक्षाफल से इंटरव्यू के लिए चयनित सूची में विज्ञापन के प्रावधान के अनुसार अनारक्षित कुल सीट की 2.5 गुना सूची तैयार की जानी थी।

सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर के रैंप विवाद

पथ निर्माण प्रधान सचिव, डीसी व नगर निगम प्रशासक को समन, मांगा जवाब

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर के रैंप विवाद को लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने नगर विकास विभाग सह पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, रांची जिले के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह को समन जारी किया है। समन के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के कार्यालय में 29 मई 2025 (गुरुवार) को समय दोपहर 02:00 बजे उपस्थित होने का निर्देश जारी किया गया है। केंद्रीय सरना समिति व चडरी सरना समितिकीओरसे चारमईको राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा से सिरमटोली-मेकन -फ्लाईओवरके रैंप निर्माण के कारण सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थलके संरक्षण को लेकर शिकायत पत्र सौंपा गया था। इस मामले को लेकर आयोग की ओर से राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी को निर्देश दिया गया था कि 13 मई को श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में बैठक आयोजित की जाए, लेकिन 12 मई को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचितजाति, अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग विभाग के सचिव कृपानंद झा ने आयोग को पत्र के माध्यम से सूचित किया कि अपरिहार्य कारणों से 13 मई को बैठक आयोजित नहीं कीजा सकती है। इसके बाद मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने आर्यभट्ट सभागार में आदिवासी समाज के बुद्धिजीवियों के साथ बैठक की। बैठक में रांची जिले के आइटीडीए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर भी उपस्थित थे। बैठक के बाद एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया था कि तीन दिनों के अंदर सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर व कनेक्टिंग फ्लाईओवर का डीपीआर समेत आदिवासी समाज के लोगों पर की गई प्राथमिकी व अन्य वास्तविक दस्तावेज आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही यह भी कहा गया था कि निर्धारित समयावधि के दौरान किसी प्रकार का जवाब नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों को आयोग के समक्ष 29 मई 2025 (गुरुवार) को समय दोपहर 02:00 बजे उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया है ।

आदिवासी समाज के लोगों पर हुए प्राथमिकी की मांगी रिपोर्ट

बैठक के दौरान आदिवासी समाज के बुद्धिजीवियों ने एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा को बताया था कि ई-टेंडर पोर्टल पर सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर का डीपीआर उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा डीपीआर तैयार करने से पूर्व संबंधित अधिकारियों ने सरना स्थल की वर्तमान स्थिति का भी आकलन नहीं किया। साल 2020 में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि पूर्व में मेकान की ओर से तैयार किए गए डीपीआर में कई खामियां है। बैठक के दौरान पूर्व मंत्री गीता श्री उरांव व सविता कच्छप ने बताया था कि गलत आरोप लगाकर आदिवासी समाज के लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। केंद्रीय सरना स्थल पर सरहुल व करमा पूजा के दौरान बड़ी संख्या में विभिन्न अखड़ा व आदिवासी समाज के लोग एकत्रित होते हैं। सरना धर्मावलंबियों के लिए यह प्रमुख स्थल है। सिरमटोली फ्लाई ओवर के रैंप निर्माण के कारण सरना स्थल तक पहुंच पथ संकीर्ण हो गया है। इससे आदिवासी समाज की सांस्कृतिक गति विधि व सुरक्षा प्रभावित होगी। इस मामले को लेकर आदिवासी समाज के लोगों ने अपने अधिकार व सरना स्थल के संरक्षण को लेकर विरोध-प्रदर्शन, मानव श्रृंखला बनाकर, धरना देकर, पुतला दहन कर व काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया था। फिर भी राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के लोगों को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया।

पृष्ठ एक के शेष

किसान जागरूक होंगे...

बढ़ोतरी तय है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि निदेशालय में जीर्णोद्धार के बाद तैयार कांफ्रेंस हॉल का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। कृषि निदेशक ताराचंद ने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत आबादी खेती और किसानी से जुड़ी हुई है। राज्य में खरीफ की फसल को ही मुख्य फसल के तौर पर जाना जाता है। इस साल बीज वितरण के लिए 5 सरकारी कंपनियों को बीज मुहैया कराने का काम दिया गया है, ताकि बीज का वितरण पूरे राज्य में एक साथ शुरू हो सके। बीज दिवस के मौके पर रातु, बुढ़मू, कांके, मांडर, चान्हो और ओरमांझी प्रखंड के दो किसानों को बीज उपलब्ध कराया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' है...

सामान्य जीवन की ओर बढ़ते गांवों का प्रतीक है। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में शैक्षिक सफलता और खेल व विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों की भागीदारी ने साबित किया कि परिवर्तन संभव है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि इस वर्ष 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से जुड़ा मुख्य आयोजन विशाखापट्टनम में होगा, जिसमें वे स्वयं भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि 'योग' सिर्फ 'हेल्दी लाइफस्टाइल' नहीं, बल्कि 'कलेक्टिव वेलबीइंग' का माध्यम भी है। आंध्र प्रदेश सरकार के 'योगआंध्र' अभियान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि 10 लाख लोगों का एक 'योग पूल' तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने डब्ल्यूएचओ के साथ हुए समझौता ज्ञापन का जिक्र करते हुए कहा कि अब 'ट्रेडिशनल मेडिसिन' को एक 'साइंटिफिक ग्लोबल फ्रेमवर्क' में शामिल किया जाएगा, जिससे आयुष को दुनिया भर में नई पहचान मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विश्व मधुमक्खी दिवस' के अवसर पर शहद उत्पादन में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि बीते 11 वर्षों में देश में 'स्वीट रिवोल्यूशन' आया है, जिससे शहद उत्पादन 60 प्रतिशत बढ़ा है। 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन मिशन' और 'शहद मिशन' के तहत हजारों किसानों को प्रशिक्षण, उपकरण और बाजार से जुड़ाव मिला। छत्तीसगढ़ का 'सोन हनी' जैसे स्थानीय ब्रांडों ने वैश्विक पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री ने लोगों से स्थानीय उद्यमियों से शहद खरीदने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की सफलता पर खुशी जताई, जिसकी मेजबानी बिहार के पांच शहरों ने की। पांच हजार से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और बिहार की खेल भावना की सराहना की। यह पहला आयोजन था, जिसे ओलंपिक चैनल के माध्यम से वैश्विक स्तर पर दिखाया गया। महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान शीर्ष विजेता रहे। कुल 26 नए रिकॉर्ड बने, जिसमें कई खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। बिहार ने भी 36 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेलता है, वही खिलता है और ऐसे आयोजनों को भारतीय खेलों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बताया। प्रधानमंत्री ने गुजरात के गिर के शेरों की बढ़ती आबादी से जुड़ी खबर साझा करते हुए कहा कि यह संरक्षण और जनभागीदारी का परिणाम है। गुजरात के गिर वन में एशियाटिक शेरों की संख्या पांच वर्षों में 674 से बढ़कर 891 हो गई है। प्रधानमंत्री ने इसे समाज की 'ओनरशिप' की भावना का उदाहरण बताया और वन अधिकारियों, खासकर महिलाओं की भागीदारी, आधुनिक तकनीक और जनसहभागिता को इसका श्रेय दिया। 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के डॉ चेवांग नोरबू भूटिया द्वारा स्थापित 'क्राफ्टेड फाइबर' ब्रांड की सराहना की। उन्होंने पारंपरिक बुनाई को आधुनिक फैशन से जोड़ते हुए कहा कि इसने स्थानीय महिलाओं, पशुपालकों और स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी जीवन जोशी ने पोलियो के बावजूद चीड़ के पेड़ों की छाल से 'बगेट' नाम की अनोखी कला विकसित की। प्रधानमंत्री ने उन्हें जीवंत प्रेरणा बताते हुए उनके साहस और रचनात्मकता की भूरी-भूरी प्रशंसा की। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले की ग्रामीण महिलाएं अब ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर खेती में क्रांति ला रही हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें 'स्काई वॉरियर्स' कहकर संबोधित किया और बताया कि तकनीक और संकल्प मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीएसई की 'शुगर बोर्ड' पहल की जानकारी दी, जिससे बच्चे चीनी की खपत के प्रति जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने इसे स्वस्थ जीवनशैली की ओर एक बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने आइटीबीपी की माउंट मकालू चढ़ाई टीम के पर्यावरण की दृष्टि से किए गए विशेष कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने यहां से 150 किलो गैर-अपघटनीय कचरा नीचे लाकर स्वच्छता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

लालू प्रसाद ने बड़े बेटे तेज...

कर अनुसरण किया है। दरअसल, एक दिन पहले शनिवार को तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया अकाउंट का कथित पोस्ट वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर दावा किया गया था कि यह पोस्ट तेज प्रताप यादव ने किया है, जिसमें उन्हें एक युवती के साथ देखा गया था। इसमें लिखा गया था, मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं, उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हम लोग पिछले 12 साल से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं। हालांकि, इस पोस्ट से जुड़े स्क्रीनशॉट के वायरल होने के कुछ घंटे बाद तेज प्रताप यादव की तरफ से सफाई भी आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को है एवं मेरे तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालों को परेशान और बदनाम किया जा रहा है, मैं अपने शुभचिंतकों और फॉलोअर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम चि ली को 2-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को अर्जेंटीना के रोसारियो में चिली पर 2-1 से जीत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण चार देशों के टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत की। भारत के लिए सुखवीर कौर (39') और कनिका सिवाच (58') गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। चिली के लिए एकमात्र गोल जावेरिया सेंज (20') ने किया। चिली की जावेरिया सेंज ने 20वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को दूसरे क्वार्टर में मामूली बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने तीसरे क्वार्टर में 39वें मिनट में सुखवीर कौर के सौजन्य से बराबरी का गोल करके तुरंत जवाब दिया। मैच के अंतिम क्षणों में, कनिका सिवाच ने 58वें मिनट में विजयी गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। टीम का अगला मैच 26 मई को उरुग्वे के खिलाफ होगा। मैत्रीपूर्ण मैचों के महत्व के बारे में बात करते हुए, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडेकर ने कहा, "हम इस साल के अंत में जूनियर विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं, और चूंकि रोसारियो का दौरा चार देशों का टूर्नामेंट है, इसलिए हम

विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस टीम से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य जितना संभव हो उतना अनुभव हासिल करना और पिछले प्रदर्शनों के आधार पर यह आकलन करना है कि हमने कितना सुधार किया है।" विपक्षी टीमों के बारे में पूछे जाने पर, खांडेकर ने कहा, "जब भी आप कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हैं - चाहे वह दौरा हो, द्विपक्षीय श्रृंखला हो, टेस्ट मैच हो या टूर्नामेंट हो - आप भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं।

आर्सेनल ने बार्सिलोना को 1-0 से हराकर महिला चैंपियंस लीग जीती

एजेंसी

लिस्बन। स्टिना ब्लैकस्टेनियस के गोल की बदौलत आर्सेनल की महिलाओं ने लिस्बन में बार्सिलोना को 1-0 से हराकर 2024/25 यूईएफए महिला चैंपियंस लीग जीत ली है। 2007 की सफलता के कारण यूरोपीय चैंपियन बनने वाली एकमात्र अंग्रेजी टीम होने के बाद, आर्सेनल की महिलाओं ने अब अपने शानदार इतिहास में एक और महाद्वीपीय खिताब जोड़ लिया है, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड 15 लीग खिताब, 14 एफए कप और सात लीग कप जीते हैं। पुर्तगाल में जीत टीम के लिए एक उल्लेखनीय अभियान का समापन करती है, जिसने सितंबर में पहले क्वालीफाइंग दौर में टूर्नामेंट में प्रवेश किया था। ग्रुप चरणों में पहुंचने के लिए हैकेन और रेंजर्स को हराने के बाद, आर्सेनल ने नॉकआउट चरणों में पहुंचने के लिए बायर्न म्यूनिख, जुवेंटस और वेलारेन्गा से आगे रहकर काम किया, भले ही अक्टूबर में जोनास ईडेवाल की जगह रेनी स्लेगर्स ने मैनेजर के रूप में काम किया हो। इसके बाद उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए नाटकीय रास्ता अपनाया, पहले चरण में 2-0 की हार को पलटते हुए क्वार्टर

फाइनल में एमिरेट्स स्टेडियम में रियल मैड्रिड को 3-0 से हराया और फिर ल्योन को उनके ही मैदान पर 4-1 से हराकर कुल मिलाकर 5-3 से आगे बढ़कर लिस्बन शोपीस में अपनी जगह पक्की की। आर्सेनल की महिलाओं ने तीन बार की विजेता और पिछले धारकों को हराया, जिसमें ब्लैकस्टेनियस ने 74वें मिनट में विजयी गोल करके ट्रॉफी हासिल की, जिससे प्रतियोगिता के एक ही संस्करण में आठ मैच जीतने वाली पहली अंग्रेजी टीम बन गई।

खिताब से चूके श्रीकांत, मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे

कुआलालंपुर। किदांबी श्रीकांत को मलेशिया ओपन 2025 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। रविवार को उन्हें चीन के ली शि फेंग से मात्र 36 मिनट में 11-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, श्रीकांत खिताबी मुकाबले में कोई वास्तविक चुनौती पेश करने में असमर्थ रहे। 32 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी लगभग छह वर्षों में अपने पहले बीडब्ल्यूएफ फाइनल में पहुंचे थे, इससे पहले वे 2019 में इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे। श्रीकांत ने मैच के बाद कहा, "यह एक बहुत अच्छा सप्ताह रहा है। यह मेरा तीसरा टूर्नामेंट है। मैंने पहले दो में भी अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन वास्तव में वे मैच नहीं जीत सका। लेकिन अब तक जिस तरह से खेल खेला गया, उससे मैं बहुत खुश हूं।''उन्होंने कहा, "आज मैं जिस तरह से खेलना चाहता था, वैसा नहीं हुआ, लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि उन्होंने (फेंग) अच्छा खेला। मैं फिर से खेलकर बहुत खुश हूं। मैं बस खुद को खुश रखना चाहता हूं। मेरे करियर में एक ऐसा समय था जब मैं वहां खड़े रहने का आदी हो गया था, और फिर काफी समय हो गया।" सेमीफाइनल में, उन्होंने शनिवार को जापान के विश्व नंबर 23 युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-18, 24-22 से हराया।

पीएम मोदी ने बिहार में खेलो इंडिया के आयोजन की तारीफ की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 122वीं कड़ी में खेलो इंडिया गेम्स के उत्साह और युवा प्रतिभाओं की उपलब्धियों को देशवासियों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में बिहार के पांच शहरों में आयोजित खेलों इंडिया गेम्स में पूरे भारत से 5,000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने बिहार की मेहमान नवाजी और खेल भावना की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा, "साथियों, बीते दिनों खेलों इंडिया गेम्स की बड़ी धूम रही। 'खेलो इंडिया' के दौरान बिहार के पांच शहरों ने मेजबानी की थी। वहां अलग-अलग कैटेगरी के मैच हुए थे। पूरे भारत से वहां पहुंचे एथलीटों की संख्या पांच हजार से भी ज्यादा थी। इन एथलीटों ने बिहार की खेल भावना की, बिहार के लोगों से मिली आत्मीयता की बड़ी तारीफ की है।" पीएम ने कहा कि बिहार की धरती ने इस आयोजन को और भी खास बनाया। यह पहला मौका था जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स को ओलंपिक चैनल के माध्यम से दुनियाभर में प्रसारित किया गया। विश्व ने भारत के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा और सराहा। इस आयोजन में महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान शीर्ष तीन विजेताओं में रहे, जिन्हें पीएम ने विशेष रूप से बधाई दी।

चेन्नई ने 83 रन से जीता सीजन का आखिरी मैच

एजेंसी

अहमदाबाद। डेवाल्ड ब्रेविस (57) और डेवोन कॉन्वे (52) के आतिशी अर्धशतकों तथा अंशुल कंबोज (13 रन पर तीन विकेट) और नूर अहमद (21 रन पर तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से चेन्नई सुपरकिंग्स ने गुजरात टाइटंस को यहां उसके घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को आईपीएल मुकाबले में 83 रन से हराकर जोर का झटका दिया। चेन्नई ने पांच विकेट पर 230 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद गुजरात को 18.3 ओवर में 147 रन पर थाम लिया। गुजरात की टीम इस मुकाबले में शीर्ष दो में जगह बनाने के इरादे से उतरी थी लेकिन चेन्नई ने उसे पांचवीं हार का स्वाद चखा दिया। गुजरात की 14 मैचों में यह पांचवीं हार रही जबकि चेन्नई ने 14 मैचों में चौथी जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

हालांकि इस हार के बावजूद गुजरात 18 अंकों के साथ अब भी शीर्ष पर है लेकिन पंजाब किंग्स और आरसीबी के पास गुजरात से आगे निकलने का मौका है जिनके 17-17 अंक हैं। अपने आखिरी मैचों में पंजाब का मुकाबला मुम्बई इंडियंस से और आरसीबी का मुकाबला एसआरएच से होना है। पंजाब अंक तालिका में दूसरे, आरसीबी तीसरे और मुंबई 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। मुंबई की प्लेऑफ की बाकी तीनों टीमों से बेहतर रन रेट स्थिति है और आखिरी मैच की जीत उसे नंबर एक स्थान पर ले जा सकती है।

चेन्नई की टीम जीत गई लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि वे अंकतालिका में सबसे नीचे रहते हुए, सीजन का समापन कर रहे हैं। हालांकि एक निराशाजनक सीजन का समापन एक जीत के साथ होना, उनके लिए काफी सुखद होगा। आज के मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की, अच्छी फील्डिंग की और गेंदबाजी में भी उनका प्लान काफी क्लियर था। दूसरी तरफ जीटी के लिए यह हार परेशानी का सबब बन सकती है। अब उन्हें टॉप 2 में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों के परिणाम पर नजर रखनी होगी। हैरानी की बात है कि पिछले चार मैचों में प्लेऑफ में जगह बना चुकी चारों टीमों को हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से, सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 42 रन से और लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रन से हराया था। गुजरात को लगातार दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स से 83 रन से हार का सामना करना पड़ा। यानी शीर्ष चार टीमों को लगातार चार मैच में प्लेऑफ से बाहर हो चुकी टीमों से शिकस्त झेलनी पड़ी। गुजरात की तरफ से इस मुकाबले में ओपनर साई सुदर्शन ने सर्वाधिक 41 रन बनाये जबकि कप्तान शुभमन गिल 13 रन बनाकर आउट हुए। शाहरु खान ने 19, राहुल तेवतिया ने 14 और राशिद खान ने 12 रन बनाये। अरशद खान ने 14 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 20 रन का योगदान दिया।

डूरंड कप पहली बार पांच राज्यों में खेला जाएगा

134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के लिए छह स्थान तय किए गए हैं

1. कोलकाता में दो (विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन)
2. इम्फाल (खुमन लम्पक स्टेडियम)
3. रांची या जमशेदपुर (मोरहाबादी स्टेडियम या जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स)
4. शिलांग (जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम)
5. कोकराझार(साई स्टेडियम)
6. नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी वर्तमान में गत विजेता हैं, जिन्होंने पिछले साल रोमांचक फाइनल में मोहन बागान को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

एजेंसी

कोलकाता। एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट, इंडियनऑयल डूरंड कप, अपने 134वें संस्करण के साथ लौट रहा है। इस साल पहली बार टूर्नामेंट पांच राज्यों में आयोजित किया जाएगा और मणिपुर की राजधानी इम्फाल दो साल के अंतराल के बाद इसकी मेजबानी करते हुए वापसी कर रही है। डूरंड कप आयोजन समिति ने इस साल के टूर्नामेंट की तारीखें 22 जुलाई से 23 अगस्त 2025 के बीच तय की हैं। असम का कोकराझार तीसरे साल लगातार मेजबान रहेगा , जबकि झारखंड का जमशेदपुर और मेघालय के शिलांग को पिछले साल मेजबान स्थलों में जोड़ा गया था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता, जिसे भारतीय फुटबॉल का मक्का कहा जाता है, 2019 से डूरंड कप का मुख्य आधार बना हुआ है और इस साल लगातार छठी बार मुख्य मेजबान रहेगा। पूर्वी भारत में स्थानांतरण के बाद से, डूरंड कप ने खुद को देश की प्रमुख फुटबॉल प्रतियोगिता के रूप में फिर से स्थापित किया है। टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है और सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमें अब इसमें हिस्सा लेती हैं। भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा तीनों सेनाओं की ओर से आयोजित किया जाने वाला यह टूर्नामेंट विशेष है, क्योंकि इसमें सेनाओं की टीमें देश के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ खेलती हैं। पिछले कुछ वर्षों में इसमें विदेशी सेनाओं की टीमें भी भाग लेने लगी हैं। भारतीय सेना का लक्ष्य इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को पूर्वोत्तर भारत तक पहुंचाना है, और इस वर्ष के मेजबान शहर उसी दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। सभी राज्य सरकारों और स्थानीय स्वायत्त निकायों ने हमेशा की तरह इस लोकप्रिय टूर्नामेंट को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया है, जो इस क्षेत्र के फुटबॉल प्रेमियों की कल्पना का केंद्र बना हुआ है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

केंद्र की एमएसपी पर गेहूं खरीद 29.7 मिलियन टन के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने अप्रैल से जून तक चलने वाले 2025-26 रबी मार्केटिंग सीजन के दौरान अब तक 29.7 मिलियन टन (एमटी) से अधिक गेहूं की खरीद की है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 सीजन के बाद से यह सबसे अधिक खरीद है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इस साल गेहूं की खरीद पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13.5 प्रतिशत अधिक है और अधिकांश प्रमुख उत्पादक राज्यों में खरीद पूरी होने के करीब है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी का मानना है कि इस साल रिकॉर्ड फसल के कारण गेहूं खरीद का अंतिम आंकड़ा 320-325 लाख टन तक पहुंच जाएगा 2024-25 में कुल गेहूं खरीद 265.9 लाख टन रही। मंत्री ने कहा कि सरकार ने मार्केटिंग वर्ष 2025-26 के लिए 312 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा गया है।

21 भारतीय स्टार्टअप्स ने जुटाई 139.5 मिलियन डॉलर की फंडिंग

मुंबई। भारतीय स्टार्टअप्स ने इस हफ्ते 21 डील्स के जरिए 139.5 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया है। यह देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर निवेशकों के विश्वास को दिखाता है। इस हफ्ते की स्टार्टअप कंपनियों द्वारा जुटाई गई फंडिंग में पांच ग्रोथ स्टेज और 13 अर्ली स्टेज डील थीं। हालांकि, तीन स्टार्टअप्स ने फंडिंग राशि का खुलासा नहीं किया है।आठ डील के साथ दिल्ली-एनसीआर शीर्ष पर था, जबकि चार डील के साथ बेंगलुरु दूसरे स्थान पर था। इसके बाद मुंबई, चेन्नई, भुवनेश्वर और अहमदाबाद का स्थान था। फिनटेक तीन डील के साथ इस हफ्ते सबसे अधिक फंडिंग प्राप्त करने वाली कैटेगरी थी, जिसके बाद ई-कॉमर्स, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट सेक्टर का स्थान था। इसके अतिरिक्त डीप टेक, हेल्थ टेक और साइबर सिक्योरिटी में निवेशकों की रुचि जारी रही। आठ डील के साथ सीड फंडिंग का इस हफ्ते वर्चस्व रहा। इसके बाद सीरीज ए, बी और डी स्टेज में सबसे अधिक इन्वेस्टमेंट हुई। सीड फंडिंग का अधिक मिलना दिखाता है कि निवेशक नए आईडिया में पैसा लगाने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। ग्रोथ और लेट स्टेज सेगमेंट में स्टार्टअप्स को 65.75 मिलियन डॉलर की फंडिंग मिली।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत शासन का परिणाम : कैट

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत शासन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद और कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के आर्थिक सुधारों, डिजिटल परिवर्तन पहलों और समावेशी विकास नीतियों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "भारत का आर्थिक उत्थान सुधार, मजबूती और पुनरुत्थान की कहानी है।" खंडेलवाल के मुताबिक, जन-केंद्रित शासन, राजकोषीय विवेक और व्यापार-समर्थक रणनीतियों ने भारत को विश्व के विकास इंजन में बदल दिया है। खंडेलवाल ने कहा कि मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, गति शक्ति और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं जैसी प्रमुख यजनाओं ने बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, रिकॉर्ड विदेशी निवेश आकर्षित करने और अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि यह मील का पत्थर छोटे व्यवसायों के लिए डिजिटल तकनीकों को तेजी से अपनाने और आगे बढ़ने के बड़े अवसर पैदा करेगा।

खंडेलवाल के मुताबिक, "भारत की बेहतर वैश्विक स्थिति से निवेशकों का विश्वास भी बढ़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप एफडीआई, पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी और ग्लोबल वैल्यू चेन के साथ गहन एकीकरण होगा।" खंडेलवाल के अनुसार, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था अधिक रोजगार पैदा करने और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, "इससे सरकार को आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कल्याणकारी योजनाओं में अधिक निवेश करने में भी मदद मिलेगी।" उन्होंने कहा कि डिजिटल इनोवेशन, फिनटेक, एआई, स्पेस रिसर्च और ग्रीन टेक्नोलॉजी में भारत की निरंतर प्रगति आने वाले वर्षों में इसके वैश्विक नेतृत्व को और तेज करेगी। खंडेलवाल ने कहा, "यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, यह अनिश्चित वैश्विक दुनिया में अवसर, स्थिरता और प्रगति का प्रतीक बन रहा है।"

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप 40,800 करोड़ रुपए घटा

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केटकैप में इस हफ्ते 40,800.4 करोड़ रुपए की कमी आई है और शेयर बाजार की शीर्ष 10 कंपनियों में इसके बाजार मूल्यांकन में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है। इस हफ्ते शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में 78,166.08 करोड़ रुपए की कमी देखने को मिली है। कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में गिरावट की वजह स्टॉक मार्केट का कमजोर प्रदर्शन था। 19-23 मई के कारोबारी सत्र में सेंसेक्स में 609.51 अंक या 0.74 प्रतिशत और निफ्टी में 166.65 अंक या 0.66 प्रतिशत की कमी आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की गई। एचयूएल के बाजार पूंजीकरण में 5,462.8 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 2,454.31 करोड़ रुपए और एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 1,249.45 करोड़ रुपए की कमी देखी गई। भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में इस हफ्ते इजाफा हुआ है।

केंद्र सरकार ने पीएलआई स्कीम में आवेदन करने के लिए दवा कंपनियों को किया आमंत्रित

नई दिल्ली। डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के तहत नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने के लिए दवा कंपनियों से आवेदन मांगे हैं। केंद्र सरकार की ओर से यह आवेदन 11 मुख्य फार्मास्युटिकल उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए मांगे गए है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य भारत में दवाओं के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करना है। पीएलआई स्कीम का लाभ लेने के लिए सरकार ने कंपनियों के सामने कुछ शर्तें भी रखी हैं और उपलब्ध क्षमता, प्रत्येक उत्पाद के लिए निर्धारित सीमा और उत्पादन समय-सीमा के आधार पर प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे। रासायनिक संश्लेषण उत्पादों के लिए प्रोत्साहन अवधि वित्तीय वर्ष 2027-28 तक रहेगी, जबकि किण्वन आधारित उत्पादों के लिए यह 2028-29 तक रहेगी।